हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 11.01.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 167 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

पश्चिम बंगाल में आई-पैक छापेमारी मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा ईडी

बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में केविएट दायर कर बिना सुनवाई आदेश न देने की अपील की

एजेंसी

नई दिल्ली : ममता बनर्जी ने ईडी पर अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। ईडी ने शुक्रवार को कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया और ममता के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का अनुरोध किया। पश्चिम बंगाल सरकार ने आई-पैक के खिलाफ ईडी की छापेमारी पर सुप्रीम कोर्ट में केविएट दायर की है। इसमें अपील की गई है कि राजनीतिक परामर्श फर्म के खिलाफ ईडी की रेड के सिलसिले में उसका पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। किसी वादी की ओर से यह सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में केविएट दायर की जाती है कि उसका पक्ष सुने बिना कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए। ईडी ने गुरुवार को करोड़ों रुपये के कथित कोयला चोरी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कोलकाता में आई-पैक और उसके निदेशक प्रतीक जैन से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की। जांच एजेंसी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन परिसरों में प्रवेश किया, जहां तलाशी ली जा रही थी और कई दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित महत्वपूर्ण साक्ष्य अपने साथ ले गईं।

ईडी ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर की कार्रवाई

ममता ने ईडी पर अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। ईडी ने शुक्रवार को कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया और ममता के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का अनुरोध किया। ईडी का आरोप है कि जैन के घर पर छापेमारी के दौरान ममता ने पुलिस की मदद से एजेंसी के पास से आपत्तिजनक (अपराध-सिद्ध करने वाले) दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए। वहीं राजनीतिक परामर्शदाता कंपनी आई-पैक ने शुक्रवार को कहा कि ईडी की छापेमारी ने चिंताजनक मिसाल पेश की है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हुए इस घटनाक्रम ने राज्य में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। तृणमूल कांग्रेस के लिए काम कर रही इस कंपनी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा कि वह निडर और अविचलित होकर अपना काम जारी रखेगी। आई-पैक ने एक बयान में कहा, 'एक पेशेवर संगठन के लिए कल का दिन कठिन और दुर्भाग्यपूर्ण था। हमें लगता है कि यह गंभीर चिंता पैदा करता है, फिर भी हमने पूरा सहयोग किया है और कानून के सम्मान में आगे भी सहयोग जारी रखेंगे।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में देश के दस राज्य लेंगे भाग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भारत की ओर से दस राज्य भाग लेंगे। 19 से 23 जनवरी 2026 तक दावोस में आयोजित इस बैठक में दस राज्यों में झारखण्ड पहली बार भाग ले रहा है। इस बैठक में केंद्रीय मंत्रियों सहित एक उच्च स्तरीय राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा। बैठक में भाग लेने वाले राज्यों में झारखण्ड के अतिरिक्त महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, गुजरात, उत्तर प्रदेश और केरल शामिल हैं। बैठक में कई मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करेंगे, जो वैश्विक आर्थिक और नीतिगत संवादों में देश की बढ़ती भागीदारी का घोतक है। ये सभी मिलकर भारत की आर्थिक प्राथमिकताओं, शासन सुधारों, विकास संबंधी महत्वाकांक्षाओं की एक व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करेंगे।

झारखण्ड के 25 वर्ष पूरे होने पर यात्रा है खास

इस बैठक के लिए युवा झारखण्ड की यात्रा राज्य बनने के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हो रही है जो राज्य की वैश्विक भागीदारी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। झारखण्ड के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन कर रहे हैं। विश्व आर्थिक मंच में झारखण्ड की उपस्थिति शासन-आधारित विकास, स्थिरता और दीर्घकालिक संस्थागत क्षमता पर केंद्रित है जो वनों, खनिजों, श्रम प्रवासन और राज्यवासियों से समृद्ध राज्य की वास्तविकताओं को दर्शाती है। इसकी भागीदारी वैश्विक विकास संबंधी चचाओं में केवल चर्चा का विषय बनने से आगे बढ़कर उन्हें सक्रिय रूप से आकार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है। झारखण्ड की भागीदारी उन क्षेत्रों के दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से दर्शाती है जो सामाजिक और पर्यावरणीय संतुलन के साथ विकास, स्थिरता और संस्थागत लचीलेपन के साथ वैश्विक संवादों को सुदृढ़ रास्ता प्रदान करती है। झारखण्ड की भागीदारी राष्ट्रीय और वैश्विक नीतिगत क्षेत्रों में इसकी विकसित होती भूमिका और दावोस के लिए इसके विषयः प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण विकास के अनुरूप आर्थिक विकास को सामाजिक समानता और पर्यावरणीय सामंजस्य के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता को भी प्रतिबिंबित करती है। विश्व आर्थिक सम्मेलन में झारखण्ड की भागीदारी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, वन और जैव-अर्थव्यवस्था एवं महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित होगी, ताकि राज्य को सतत विकास, न्यायसंगत परिवर्तन और समावेशी विकास के रास्तों पर वैश्विक चचाओं में स्थान मिल सके। क्रिटिकल मिनरल्स, नवीकरणीय ऊर्जा, विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा जैसे विषयों पर केंद्रित विषयगत सत्रों और द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेगा। झारखण्ड अपने दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण और सतत एवं न्यायसंगत विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करने वाली चचाओं की मेजबानी भी करेगा। इन बैठकों का उद्देश्य बहुपक्षीय संस्थानों, सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों और निजी क्षेत्र के स्टेकहोल्डर्स के साथ साझेदारी को मजबूत भी करना है।

एक नजर

बड़कागांव मध्य पंचायत में 120 गरीबों को दिया गया कंबल

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में इन दिनों ठंड का कहर जारी है। यहां न्यूनतम तापमान 4.05 डिग्री सेल्सियस रहा. ठंड से राहत देने के लिए बड़कागांव मध्य पंचायत भवन में मुखिया मो तकरीम उल्लाह खान, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर व वार्ड सदस्यों के हाथों गरीबों दिव्यांगों एवं जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। मुखिया मो तकरीम उल्लाह खान ने कहा कि बड़कागांव मध्य पंचायत में गरीबों की संख्या अधिक है। इसलिए जिला प्रशासन एवं प्रखंड प्रशासन से मांग करता हूं कि यहां 1000 कंबल और दिया जाए। मौके पर मुखिया मो तकरीम उल्लाह खान,पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, पंचायत सचिव मो हकीम मियां ,उप मुखिया प्रतिनिधि गीता देवी, मुखिया प्रतिनिधि मो मजहर, वार्ड सदस्य सीमा देवी, सपना देवी, गणेश राम, मुस्कान परवीन, लीला देवी, सरवरी खातून, सविता देवी, सबीना खातून, निर्मला देवी, कैलाश राम, संजय रवि, मो सज्जाद आलम, वासुदेव रजक, जोधन साव, संजय सोनी आदि मौजूद थे।

उपमुखिया बलराज यादव ने मुखिया पर कंबल वितरण में लगाया मनमानी का आरोप

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत डपोक पंचायत के उपमुखिया बलराज यादव ने पंचायत के मुखिया अर्जुन रविदास पर कंबल वितरण में मनमानी का आरोप लगाया है, उन्होंने कहा कि मुखिया द्वारा बीते कुछ दिन पूर्व कंबल का वितरण किया गया था। परंतु मुझे कोई जानकारी नहीं दी गई, साथ ही मुझे एक भी कंबल नहीं मिला। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गरीबों के लिए दिए गए कंबल का वितरण पंचायत में जरूरतमंद लोगों को नहीं देकर मनमानी तरीके से वितरण किया गया है। और उन्होंने कहा कि इस बात की शिकायत बरही प्रखंड विकास पदाधिकारी से भी की जाएगी। वहीं इस संबंध में पूछे जाने पर मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास ने कहा कि सभी आरोप बेबुनिया है।

झारखंड सशस्त्र पुलिस -07 का 30वां स्थापना दिवस समारोह, 30 सालों का सफर धूमधाम से हुई संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पदमा : हजारीबाग के पद्मा स्थित झारखंड सशस्त्र बल-7 के मुख्यालय में 30वां स्थापना दिवस पूरे हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। इस गौरवशाली अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों ने न केवल वाहिनी की अनुशासित कार्यशैली को दशार्या, बल्कि शहीद जवानों के बलिदान को भी याद किया गया।

भव्य स्वागत और शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक एस. कार्तिक के आगमन के साथ हुई। जैप-7 के मुख्य द्वार पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं ने बैंड-बाजे के साथ उनका पारंपरिक और भव्य स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने सबसे पहले शहीद स्मारक पर जाकर पुष्प चक्र अर्पित किए और वीर जवानों की शहादत को नमन किया। इसके बाद उन्होंने सलामी मंच से परेड का निरीक्षण किया।

उपलब्धियों और चुनौतियों का जिक्र

जैप-7 के समादेष्टा अविनाश कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए वाहिनी की 1996 से अब तक की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

वीरता की यादः उन्होंने 31 मार्च 2008 को शहीद हुए जवानों की शहादत को याद करते हुए बताया कि उस दौरान उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई में भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए थे।

सराहनीय भूमिकाः उग्रवाद और अपराध नियंत्रण में जैप-7 की भूमिका को उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। संस्थान की जरूरतेंः समादेष्टा ने परिसर में जवानों की सुविधा के लिए एक डीप बोरिंग और एक आधुनिक जिम की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य अतिथि का संबोधनः स्वास्थ्य और अनुशासन पर जोर

डीआईजी एस. कार्तिक ने अपने संबोधन में जैप-7 के साथ अपने पुराने जुड़ाव को याद किया। उन्होंने कहा कि वे वाहिनी मुख्यालय के स्थानांतरण के समय की चुनौतियों के गवाह रहे हैं। स्वास्थ्य ही प्राथमिकताः उन्होंने जवानों को सलाह दी कि पुलिस की कठिन ड्यूटी के बीच अक्सर सेहत की अनदेखी हो जाती है, जिसका खामियाजा बाद में भुगतना पड़ता है। उन्होंने कमांडेंट को नियमित स्वास्थ्य चेकअप, योग और ध्यान सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए।

प्रशंसाः उन्होंने वर्तमान कमांडेंट अविनाश कुमार को एक ऊजार्वान अधिकारी बताते हुए वाहिनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ग्रामीणों को मिली बड़ी सौगात, चैथी गांव में स्वास्थ्य उपकेंद्र का शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने चैथी गांव में स्वास्थ्य उपकेंद्र का विधिवत शिलान्यास किया। कार्यक्रम में पहुँचने पर ग्रामीणों ने विधायक का ढोल-नगाड़ों और गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक मनोज यादव ने कहा कि चैथी में स्वास्थ्य उपकेंद्र के निर्माण से स्थानीय लोगों को घर के पास ही बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें छोटे-मोटे इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, क्षेत्र की जनता से किया गया विकास का हर वादा चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रहा हूँ। ग्रामीणों द्वारा रखी गई अन्य मांगों पर विधायक ने आश्वासन दिया कि तालाबों का गहरीकरण, मंदिर से जुड़ी समस्याओं का समाधान और सड़क निर्माण उनकी प्राथमिकता में है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार का सहयोग मिलते ही चैथी मोड़ से चैथी गांव तक मुख्य सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा। स्वास्थ्य केंद्र की सौगात मिलने पर ग्रामीणों ने विधायक के प्रति आभार प्रकट किया। मौके पर प्रमुख पूर्णिमा देवी, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष राजदेव यादव, भाजपा नेता रामस्वरूप पासवान, मंडल अध्यक्ष रेवाशंकर साव, मुखिया सुनीता देवी, मंजू देवी, पंचायत समिति सदस्य जनार्दन पासवान, भाजपा नेता रिशु

भव्य वनभोज में जुटे झारखंड, बिहार व बंगाल के गणमान्य, रेवाली पासवान का सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : पतरातू प्रखंड अंतर्गत पासवान कल्याण समिति की ओर से भव्य वनभोज सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एकता, संगठनात्मक मजबूती एवं सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना रहा। इस अवसर पर पासवान समाज के नवनियुक्त सचिव रेवाली पासवान को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समाज के लोगों ने उनके मनोनयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनसे समाजहित में सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के मंत्री राधा कृष्ण किशोर, चतरा के विधायक जनार्दन पासवान, एससी/एसटी विभाग झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केदार पासवान, बिहार के पूर्णिया में पदस्थापित न्यायाधीश सरोजिनी पासवान तथा झारखंड सरकार के पूर्व कृषि विभाग के मुख्य अभियंता सहित झारखंड, बिहार एवं पश्चिम बंगाल से आए अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में पासवान समाज की सामाजिक, शैक्षणिक एवं राजनीतिक भागीदारी को और अधिक सशक्त करने पर जोर दिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

अवैध बालू परिवहन पर प्रशासन का शिकंजा सीओ ने बालू लदा ट्रैक्टर किया जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र में अवैध बालू परिवहन पर रोक लगाने के लिए चौपारण प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में शनिवार को अंचल अधिकारी संजय यादव ने चौपारण बाजार क्षेत्र से गुजर रहे अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया। जब्त किए गए ट्रैक्टर को चौपारण थाना परिसर में सुरक्षित रूप से खड़ा कराया गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से दिन-रात अवैध रूप से बालू ढोने का काम जारी था, जिससे तस्करों की गतिविधियाँ लगातार बढ़ रही थीं। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। इस संबंध में सीओ संजय यादव ने बताया कि अवैध बालू लदा ट्रैक्टर चौपारण बाजार से पकड़ा गया है तथा मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर अवैध खनन और परिवहन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और आगे भी नियमित रूप से जांच अभियान चलाया जाएगा। सीओ ने स्पष्ट किया कि अवैध बालू कारोबार पर रोक लगाना प्रशासन की प्राथमिकता है और किसी भी परिस्थिति में ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन की इस पहल को आम जनता का भी समर्थन मिल रहा है। लोगों का कहना है कि लगातार कार्रवाई से अवैध खनन और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

विभावि अंतर-महाविद्यालय कमांडो ट्रायल का सफल समापन, चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय मंच पर दिखाएंगे दम

चौपारण : मां विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आयोजित विनोबा भावे विश्वविद्यालय अंतर्गत अंतर-महाविद्यालय कमांडो ट्रायल सत्र 2025-26 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन सत्र में विशेष अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. राखो हरि एवं वित्त अधिकारी प्रो. सुरेंद्र कुमार कुशवाहा उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चेतलाल प्रसाद एवं प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों डॉ. अनूप कुमार मेहता, डॉ. हरि कुमार, अजीत कुमार तथा रवि प्रकाश ने अतिथियों को बुके, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक डॉ. राखो हरि ने आयोजन सचिव प्रो. अविनाश कुमार को भी सम्मानित किया।विशिष्ट अतिथियों द्वारा सफल प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कड़ाके की ठंड में सांसद की पहल, आर्य कन्या गुरुकुल की बच्चियों को वितरित किए गए कंबल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : आगामी कुछ दिनों से हजारीबाग में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और बढ़ते ठंड को देखते हुए शनिवार को हजारीबाग के आर्य कन्या गुरुकुल में बच्चों को कंबल उपलब्ध करवाया गया। सांसद मनीष जायसवाल की ओर से उनका यह भेंट लेकर हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, भाजपा कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी और भाजपा नेत्री किरण यादव आर्ष कन्या गुरुकुल पहुंचे और बच्चों के लिए कंबल आर्ष कन्या गुरुकुल के प्राचार्य आचार्य कौटिल्य को सौंपा । इस मौके पर आर्ष कन्या गुरुकुल के आचार्य कौटिल्य कहा कि बढ़ती ठंड में बच्चियों के लिए ऐसे विचार रखने वाले जनप्रतिनिधि अगर आगे आते है तो बहुत अच्छी बात है। इस पुनीत सोच और कार्य के लिए उन्होंने सांसद मनीष जायसवाल को धन्यवाद कहा है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की । वही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह ने कहा कि सीसीएल के सीएसआर फंड से से एवं सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश के बाद बच्चियों के लिए कुछ कंबल आचार्य कौटिल्य जी को उपलब्ध कराया जा रहा है क्योंकि सनातन संस्कृति को बढ़ावा देते हुए आचार्य कौटिल्य ने आर्य कन्या गुरुकुल में बच्चियों को बेहतर शिक्षा दे रहे हैं, तो जनप्रतिनिधि होने के नाते सांसद मनीष जायसवाल ने यहां पढ़ने वाली बच्चियों के लिए संवेदना दिखाते हुए यह कंबल उपलब्ध करवाया है एवं आगे भी गुरुकुल को हर संभव मदद किया जाएगा । कंबल पा कर गुरुकुल की बच्चियां गदगद और काफी खुश दिखी। बच्चियों ने भी सांसद मनीष जायसवाल का आभार जताया और धन्यवाद दिया ।

संक्षिप्त खबरें

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने को लेकर पत्रकार एवं प्रशासन के बीच मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

बड़कागांव: सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हजारीबाग जिला परिवहन कार्यालय के सौजन्य से बड़कागांव प्लस टू उच्च विद्यालय के मैदान में प्रखंड के पत्रकारों एवं प्रखंड कार्यालय कर्मियों के बीच मैत्री एक दिवसीय फुटबाल मैच का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की कप्तानी पत्रकार की ओर से रितेश ठाकुर एवं प्रशासन की ओर से संदीप कुमार ने कया। संघर्षपूर्ण फुटबॉल मैच के दौरान प्रखंड कर्मियों ने मीडिया कर्मियों को एक गोल देकर जीत दर्ज की। मैच के पूर्व खेल मैदान में उपस्थित खिलाड़ियों एवं दर्शकों के बीच सड़क सुरक्षा संबंधित पंपलेट वितरण करते हुए सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों का अनुपालन करने की शपथ दिलाई गई। विजेता एवं उपविजेता टीम को बड़कागांव प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल एवं अंचलाधिकारी मनोज कुमार द्वारा ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण के बाद अंचलाधिकारी श्री कुमार ने कहा कि कोई भी खेल सद्भावना की दृष्टि से खेला जाता है। हार जीत मायने नहीं रखती है। हारने वाले भी कभी जीतते हैं। फुटबॉल खेल में नाखून से लेकर सर तक कसरत हो जाता है। इस खेल में ताकत के साथ कला का भी संगम है। जिला परिवहन विभाग ने जिस उद्देश्य से इस मैच का आयोजन कराया है उसका प्रचार- प्रसार करना हम सभी का दायित्व है। प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री मंडल ने कहा कि इस खेल का उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा का नियम कानून के लिए जागरूक करना है। आज अधिकांश दुर्घटनाएं यातायात का अनुपालन नहीं करने के कारण ही होती है। सभी लोगों को यातायात का हर अनुपालन करना अनिवार्य है। मैच का रेफरी शिक्षक अमित शर्मा थे। जबकि मैच का आंखों देखा हाल पत्रकार नरेश कुमार, कल्याण पदाधिकारी भास्कर राज, और प्रखंड कोऑर्डिनेटर आशीष कुमार संयुक्त रूप से सुना रहे थे।

झामुमो जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का किया वितरण

बड़कागांव : प्रखण्ड के गरसुल्ला पंचायत के अंबाटोला में झारखंड सरकार राज्य परिवहन प्राधिकार संयुक्त सदस्य सह झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने अधिक ठंड को देखते हुए 150 जरूरतमंद महिला पुरुषों के बीच कंबल वितरण किया गया। मौके पर संजीव बेदिया ने कहा ठंड काफी पड़ रही है, ठंड से बचें, जरूरतमंद लोगों का सहयोग करें पुण्य के भागी बने। मौके पर झामुमो केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी,संजय करमाली,सुरेन्द्र करमाली,जावेद खान,मोहन मांझी,बिजली करमाली,बस्ती देवी,शांति देवी,किरवा देवी,दशरथ मुंडा,मणियां देवी,चिंता देवी,फ्लू देवी ,लालमुनि देवी,दुखनी देवी,मो बिरसा,गंगिया ,चंपा देवी, मांगरा देवी,राधा देवी रेशमा देवी,बंधन उरांव,के अलावा अन्य उपस्थित थे।

बीआरसी कर्मी शंभू शरण दास को दी गई भावभीनी विदाई

बड़कागांव : प्रखंड संसाधन केंद्र बड़कागांव के कर्मी शंभू शरण दास की सेवानिवृत्ति 31 दिसंबर 2025 को हुई। उनकी सेवानिवृत्ति पर कन्या मध्य विद्यालय बड़कागांव के सभा कक्ष में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष चेतलाल राम एवं संचालन शिक्षक अवधेश कुमार ने किया। श्री दास को प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विजय राम के साथ-साथ पूर्व बीईईओ घनश्याम साहू एवं जवाहर प्रसाद ने संयुक्त रूप से भेंट देकर भावभीनी विदाई दिया। श्री दास के साथ उनकी धर्मपत्नी फुलवा कुमारी भी शामिल हुई। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विजय राम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति एक विभागीय परंपरा है, जो व्यक्ति सेवा में है उनकी सेवा निवृत्ति निश्चित रूप से होती है। श्री दास ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन जिस प्रकार से किया है वह हम लोगों के लिए एक बहुत बड़ी सीख है। हम सभी शिक्षकों को भी अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार होने की आवश्यकता है। सरकार के द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करना हमारी प्रतिबद्धता है। पूर्व बीईईओ घनश्याम साहू ने कहा कि शंभू शरण के साथ मिलकर मुझे काफी समय तक काम करने का मौका मिला। वह अपने कार्य के प्रति संवेदनशील रहकर पूरी ईमानदारी के साथ कार्य को किया। जवाहर प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि शंभू शरण दास समय और कर्तव्य के प्रति काफी सजग रहने वाले व्यक्ति अपनी कार्य कुशलता को साबित किया है।

सीएचसी में भव्य स्वास्थ्य मेला, विधायक मनोज यादव ने डिजिटल एक्स-रे का किया उद्घाटन

चौपारण : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण के परिसर में शनिवार को स्वास्थ्य मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव, प्रमुख पूर्णिमा देवी, चिकित्सा प्रभारी डॉ डीएन ठाकुर, स्थानीय मुखिया पिंकी देवी सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में नवनिर्मित डिजिटल एक्सरे मशीन का फीता काटकर उद्घाटन किया। विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों ने मेले में लगाए गए विभिन्न स्वास्थ्य स्टालों का निरीक्षण कर सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से बात कर अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान विधायक का कड़ा रुख देखने को मिला। उन्होंने अस्पताल के चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कर्मी अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। कहा जनप्रतिनिधियों और जनता की शिकायतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चिकित्सक मरीजों का समुचित इलाज यहीं सुनिश्चित करें। जो उपचार चौपारण अस्पताल में संभव है, उसे बाहर रेफर करने की प्रवृत्ति छोड़ें और अपना शत-प्रतिशत योगदान दें। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि राजदेव यादव, भाजपा नेता रामसवरूप पासवान, सतेंद्र सिंह, रामचन्द्र सिंह, दिलीप राणा, संतोष पासवान सहित कई लोग शामिल थे।

सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल में अभिभावक गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : शिशु ज्ञान समिति द्वारा संचालित सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल रसोइया धमना में अभिभावक गोष्ठी विद्यालय के निदेशक टुकलाल साव की अध्यक्षता में किया गया । जिसका मुख्य उद्देश्य है छात्रों की शैक्षणिक प्रगति कमजोरी और खूबियों पर विचार करना, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच मजबूत संचार स्थापित करना एवं बच्चों के बेहतर सीखने के माहौल के लिए घर और स्कूल के बीच तालमेल बनाना था। मौके पर विद्यालय की शैक्षणिक विकास को लेकर कई मुख्य बिंदुओं पर विचार किया गया। मौके पर शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों को भी बच्चों पर विशेष ध्यान देना ,अभिभावकों से आग्रह किया गया कि अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजें आदि। मौके पर सुनैना देवी मुश्ताक अंसारी उर्मिला देवी प्रीति देवी सोनी कुमारी वर्षा देवी सोनी गुप्ता कंचन देवी रूबी देवी रेशमा खातून तरन्नुम खातून रुखसार खातून बबीता देवी आर्थिक कुमारी पुष्पा देवी सुशीला देवी पूनम देवी ललिता देवी शहीद कई अभिभावक एवं विद्यालय के सहायक शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

अबुआ आवास में भ्रष्टाचार का खेल, पक्के घर का सपना रिश्वत की नींव में धंसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अबुआ आवास योजना, जो गरीबों के सिर पर पक्का छत देने की सपना दिखाती है, आज उसी योजना की दीवारों में भ्रष्टाचार की दरारें चौड़ी होती दिख रही है। बरही प्रखंड अंतर्गत डपोक पंचायत में इस योजना की सच्चाई बयां कर रहा है। जहां गरीबों से मकान का वादा किया गया, लेकिन हुआ कुछ नहीं डपोक पंचायत के जमनी देवी पति कैलाश भुइयां का आवास काफी जर्जर है, उनके आवास की स्थिति यह है कि उनके घर के मुख्य द्वार में दरवाजा भी नहीं लगा हुआ है। बारिश के मौसम में खपड़ैल के ऊपर तिरपाल रखा हुआ है, ताकि बरसात के मौसम में बारिश का पानी प्रवेश ना करे। जमनी देवी ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आवास के लिए कई बार शिकायत किया गया परंतु किसी ने कोई दया दृष्टि नहीं दिखाई। जिससे थक हारकर अब मेरा परिवार पक्का घर का सपना छोड़ चुके है। क्योंकि जिसके पास पैसा है उसकी को आवास मिलेगा हम जैसे गरीब परिवार को नहीं। वह कहती है कि रात को डर लगता है, कच्ची दीवारें झड़ती है। कई बार कच्चे घर में महिलाओं की सुरक्षा भी मुसीबत बन जाती है, लेकिन सरकार के नुमाइंदों ने अबुआ आवास के नाम पर सिर्फ भरोसे के महल बनाए गए है। वहीं इसी पंचायत के शांति मोसोमात कहती है कि एक साल पहले उनसे आवास के नाम पर दस हजार लिया गया है, लेकिन अभी तक पक्का आवास का कोई अता पता नहीं है।

स्थानीय रसूखदार गरीबों को सुविधा शुल्क के नाम पर लूट रहे है : बलराज यादव

पंचायत के उपमुखिया बलराज यादव ने कहा कि झारखंड सरकार ने अबुआ आवास योजना की शुरूआत इस सोच के साथ शुरू की थी कि हर गरीब को पक्की छत मिले, कोई भी परिवार मिट्टी के घर में ना रहे, बल्कि ईट और पक्के घर में ही अपना जीवन गुजरे, लेकिन डपोक पंचायत की हकीकत इसके उल्टा है। यहां गरीबी के नाम पर व्यापार खड़ा कर किया है। कुछ स्थानीय रसूखदार लोग गरीबों से सुविधा शुल्क के नाम पर लूट मचा रखे है, जो झारखंड की सामाजिक आत्मा पर एक कलंक के समान है।

एक नजर

गोंदली पोखर स्वास्थ केंद्र में स्वास्थ्य मेला का हुआ आयोजन

रांची : राष्टीय स्वास्थ मिशन झारखंड के तहत अनगडा प्रखंड गोंदली पोखर सी ए सी हॉस्पिटल में स्वास्थ मेला ला आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि पश्चिमी जिला परिषद अनुराधा मुंडा राजेन्द्र शाही मुंडा सामूहिक रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। स्वास्थ मेला में सभी तरह के बीमारियों का निशुल्क स्टॉल लगाकर इलाज किया गया। प्रखंड के लगभग सभी पंचायतों से लोग इलाज के पहुंचे। मौके पर मुख्य रूप से कांग्रेस पार्टी के विधायक प्रतिनिधि सरवन मुंडा, दीपा उरांव, रामकृष्ण चौधरी, रामशाय मुंडा, मंटू चौधरी, संजय नायक, स्वास्थ केंद्र के डॉक्टर कर्मचारी आदि शामिल थे।

फाउंडेशन के शिविर में लोगों ने कराया स्वास्थ्य जांच

रांची : मां फाउंडेशन के तत्वावधान में सिटी सेंटर क्लब रोड, रांची में शनिवार स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। संस्था की ओर से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच कराने के साथ मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं। डेंटल, स्त्री रोग (गायनोकोलॉजिस्ट), नेत्र रोग विशेषज्ञ और जनरल फिजिशियन ने मरीजों की समुचित जांच कर उचित परामर्श किया। इस अवसर पर डॉ सुमन दुबे, डॉ अर्चना पाठक, डॉ तुषार आर्या, डॉ हरेंद्र शर्मा, डॉ अनुज पाठक, डॉ पार्थ परितोष, डॉ नित्या तिवारी, डॉ सजीत कुमार, डॉ रिया, गीता, अश्विनी, कविता, नीलू सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पेंशन अधिनियम संशोधन के विरोध में एसोसिएशन ने दिया धरना

रांची : राष्ट्रीय आह्वान के तहत फोरम ऑफ सिविल पेंशनर्स एसोसिएशन, रांची के बैनर तले शनिवार को शहीद चौक, रांची में पेंशन अधिनियम में किए गए वैलिडेशन संशोधन और आठवें वेतन आयोग को भेजे गए टर्म ऑफ रेफरेंस के विरोध में जिला स्तरीय धरना का आयोजन किया गया। धरना में विभिन्न केंद्रीय विभागों के पेंशनर्स ने भाग लिया। सभा का संचालन करते हुए एमजेड खान ने बताया कि धरना को रेलवे के चंचल कुमार सिंह, जगजीत सिंह बहल, बीएसएनएल के नरेश लाल, बैंक के एमएल सिंह, पोस्टल के साधन कुमार सिन्हा सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि संसद में 25 मार्च को वित्त विधेयक के माध्यम से पारित कर्मचारी और पेंशनर्स विरोधी संशोधन को जब तक सरकार वापस नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आंदोलन को और तेज करने की घोषणा करते हुए फरवरी में राज्यस्तरीय धरना और कन्वेंशन आयोजित करने की बात कही। वक्ताओं ने बताया कि आंदोलन के पहले चरण में 25 जुलाई 2025 को मानव श्रृंखला और 24 अगस्त 2025 को रांची में राज्यस्तरीय कन्वेंशन किया गया था। सितंबर 2025 में राज्यपाल और रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ को ज्ञापन सौंपा गया था। दूसरे चरण में 15 जनवरी तक प्रधानमंत्री को ईमेल और पोस्टकार्ड के माध्यम से तीन सूत्री मांगें भेजी जाएंगी। धरना में रेलवे, बैंक, बीएसएनएल और पोस्टल विभाग के पेंशनर्स शामिल हुए।

रांची में 'ऑपरेशन उपलब्ध' के तहत टिकट दलाल गिरफ्तार, तत्काल टिकट की कालाबाजारी का भंडाफोड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने टिकटों की कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक टिकट दलाल को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई आरपीएफ द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन उपलब्ध के तहत की गई।

आरपीएफ रांची मंडल के कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर सतर्क ड्यूटी के दौरान मिली सूचना के आधार पर एसआई सोहन लाल के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट रांची और सीआईबी रांची की संयुक्त टीम ने पीआरएस बुकिंग काउंटर क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान रेलवे कार पार्किंग गेट के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। आरपीएफ अधिकारियों की पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम मनोज कुमार महतो बताया, जो बोकारो जिले के चंदनकियारी का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके पास से ट्रेन संख्या 20839 (रांची-नई दिल्ली राजधानी) की दो यात्रियों की तत्काल काउंटर टिकट बरामद की गई। आरपीएफ की पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया कि वह यात्रियों को तत्काल टिकट उपलब्ध कराने के बदले उनसे अतिरिक्त राशि वसूल करता था और इसी माध्यम से अवैध लाभ अर्जित कर रहा था। कार्रवाई के दौरान उसके पास से एक तत्काल काउंटर टिकट और रियलमी कंपनी का एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक शिशुपाल कुमार, एएसआई शक्ति सिंह, स्टाफ डी.के. सिंह, एस.पी. राय सहित सीआईबी रांची टीम का महत्वपूर्ण और सराहनीय योगदान रहा। आरपीएफ ने स्पष्ट किया है कि रेलवे टिकटों की कालाबाजारी और यात्रियों के शोषण के खिलाफ ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

आज मनाई जाएगी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती, कैलेंडर का होगा विमोचन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, रांची जिला के तत्वावधान में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती 11 जनवरी को पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम पूर्वाह्न 11:00 बजे से मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका के समक्ष आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी मोर्चा के रांची जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा ने शनिवार को दी। सुबोध कुमार लकड़ा ने बताया कि जयंती समारोह के दौरान दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही उन्हें समर्पित एक विशेष कैलेंडर का विमोचन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार से यह मांग की जाएगी कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती को ह्यसाहूकार महाजनी प्रथा विरोधी दिवसह्ण के रूप में घोषित कर मनाया जाए, ताकि उनके सामाजिक संघर्ष और आदिवासी हितों के लिए किए गए योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सके। सुबोध कुमार लकड़ा ने बताया कि इस अवसर पर मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं, दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष रोजलीन तिर्की और प्रभारी अनथन लकड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने सभी आंदोलनकारियों, समर्थकों और आम नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमारी ऐतिहासिक एकता और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक : संजय सेठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमारी पारंपरिक ऐतिहासिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक चेतना का सशक्त प्रतीक है। यह पर्व उस अटूट आस्था और राष्ट्रीय एकजुटता का द्योतक है, जिसे भारतवासियों ने हजार वर्ष पूर्व मुगल आक्रांताओं के बर्बर हमलों के बावजूद अक्षुण्ण बनाए रखा। आज यह पर्व पूरे देश में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को रांची के पिस्का मोड़ स्थित शिव मंदिर में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने देवाधिदेव महादेव की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए गौरव का समय है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि हम उस सौभाग्यशाली पीढ़ी से हैं, जिन्हें इस ऐतिहासिक परिवर्तन को प्रत्यक्ष देखने और उसमें सहभागी बनने का अवसर प्राप्त हो रहा है। संजय सेठ ने कहा कि सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और उसकी गौरवशाली परंपरा भारतीय संस्कृति की अजेय शक्ति का जीवंत प्रमाण है। यह पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत, आस्था और राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर रांची के विधायक सीपी सिंह, महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू, सत्यनारायण सिंह, सुखदेव नगर मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय, पंडरा मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा, निवर्तमान वार्ड पार्षद अशोक यादव सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना कर देश की समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की।

जस्टिस एलपीएन शाहदेव ने झारखंड अलग राज्य आंदोलन को दी नई दिशा : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड आंदोलन के प्रबल योद्धा और धरतीपुत्र न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एलपीएन शाहदेव की पुण्यतिथि पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने रांची स्थित शाहदेव चौक पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ सहित कई भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बाबूलाल मरांडी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि एलपीएन शाहदेव झारखंड की मिट्टी और उसके उत्थान के लिए समर्पित एक महान योद्धा थे। उन्होंने अलग झारखंड राज्य के आंदोलन को नई दिशा दी और इसे आदिवासी-मूलवासी समाज का व्यापक जनआंदोलन बनाया। मरांडी ने कहा कि न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी एलपीएन शाहदेव ने आंदोलन के लिए स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया। उन्होंने आंदोलन के दौरान अपनी गिरफ्तारी तक दी। लिहाजा, झारखंड की युवा पीढ़ी को ऐसे समर्पित आंदोलनकारियों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने भी एलपीएन शाहदेव को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने झारखंड को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा था। उनका संघर्ष और विचार आज भी राज्य के विकास के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने एलपीएन शाहदेव के संघर्ष और योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

खेल-खेल में मिला परीक्षा तनाव से निपटने का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेएसएसपीएस सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं झारखंड सरकार की एक संयुक्त पहल है, जिसके माध्यम से राज्य के लगभग 300 प्रतिभाशाली बच्चे विभिन्न खेल विधाओं में नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी ग्रहण कर रहे हैं। खेल और पढ़ाई–दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की इस यात्रा में कभी-कभी प्रशिक्षु कैडेट्स को संतुलन बनाए रखने में मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है। इसके मद्देनजर अर्पिता महिला मंडल की पहल पर आगामी बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए जेएसएसपीएस, खेलगांव, रांची में कैडेट्स के बीच बढ़ते परीक्षा तनाव को कम करने, उनमें आत्मविश्वास का संचार करने तथा सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से ह्लतनाव प्रबंधन एवं परीक्षा तैयारी: खेल-खेल में संवादह्न विषय पर एक प्रेरक, संवादात्मक एवं सहभागितापूर्ण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा प्रीति सिंह एवं सीसीएल के उच्च प्रबंधन ने कैडेट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है, न कि जीवन की अंतिम कसौटी। उन्होंने समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन, संतुलित दिनचर्या तथा सकारात्मक सोच को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए खेल-खेल में दिए गए उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया कि तनाव को किस प्रकार आत्मविकास के अवसर में बदला जा सकता है। इस अवसर पर अर्पिता महिला मंडल की उपाध्यक्ष रीता मिश्रा, रीता तिवारी सहित महिला मंडल के अन्य सदस्यों की सक्रिय एवं सराहनीय सहभागिता रही।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की पुनर्स्थापना के 1000 वर्ष पूर्ण, भाजपा ने देशभर में मनाया स्वाभिमान पर्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : देश के आध्यात्मिक स्वरूप के केंद्रबिंदु और धार्मिक ऊर्जा के प्रतीक विश्वविख्यात ज्योतिर्लिंग सोमनाथ की पुनर्स्थापना के 1000 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर झारखंड सहित विभिन्न राज्यों में भाजपा के जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं ने भगवान शिव की आराधना कर सनातन संस्कृति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर झारखंड प्रदेश के सभी मंडलों और जिलों में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों, प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों, प्रदेश एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों, सांसदों, पूर्व सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायकों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने नजदीकी शिवालयों में पहुंचकर भगवान शिव की आरती की, जलाभिषेक किया और मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने भारत पर आक्रमण कर न केवल देश की अपार धन-संपदा को लूटा, बल्कि भारत के सांस्कृतिक, धार्मिक और सभ्यतागत मानबिंदुओं को नष्ट करने का भी प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की जड़ें अत्यंत गहरी हैं, इसलिए इसे समाप्त करने का प्रयास करने वाले आक्रांता स्वयं इतिहास के गर्त में समा गए। मरांडी ने कहा कि आक्रांता मोहम्मद गजनी ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण कर वहां से हीरे-जवाहरात, सोना-चांदी लूटी और अद्वितीय शिवलिंग पर भी आघात किया। यह हमला केवल एक मंदिर पर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और सांस्कृतिक चेतना पर था। इसके बावजूद भारत की सांस्कृतिक चेतना फिर से खड़ी हुई और आज सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना के 1000 वर्ष पूर्ण होना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ अडिग और अक्षुण्ण खड़ा है। प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने इस अवसर पर अपने पैतृक गांव स्थित शिवालय में भगवान शिव का विधिवत जलाभिषेक किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भगवान शिव सत्य हैं, सुंदर हैं, अटल हैं और अविनाशी हैं। साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना हो रही है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास और महाकाल उज्जैन कॉरिडोर जैसे कार्य भारत की सनातन परंपरा और सांस्कृतिक चेतना को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता का समापन आज, शिल्पी नेहा तिर्की होंगी मुख्य अतिथि

रांची : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची की ओर से आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता (अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग) का समापन समारोह रविवार को आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी शनिवार को परिषद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई। विज्ञप्ति में बताया गया है कि प्रतियोगिता के समापन समारोह की मुख्य अतिथि झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की होंगी। उल्लेखनीय है कि 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता (अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग) का आयोजन 06 जनवरी से खेल गांव स्थित टिकैत उमराव शूटिंग स्टेडियम, रेंजझ3 में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें झारखंड के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए हैं। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।

हेसल पंचायत में मुखिया कविता देवी द्वारा जरूरतमंदों के बीच किया गया कंबल वितरण

रांची : हेसल पंचायत में मुखिया कविता देवी के प्रतिनिधि कृष्ण भगत के नेतृत्व में जरूरतमंद गरीब असहाय विधवा महिलाओं के बीच करीबन 100 कंबल का वितरण किया गया। मौके पर कृष्ण भगत ने बताया कि पूरे पंचायत में लग भग सभी वार्डो में चिन्हित कर कंबल दिया जा रहा है।

आरटीसी पब्लिक स्कूल में सीबीएसई इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

रांची : आरटीसी पब्लिक स्कूल में सीबीएसई के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को स्कूल प्रबंधन, नई शिक्षा नीति 2020 (एनईपी-2020) तथास्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रमसे अवगत कराना था। इस अवसर पर प्रशिक्षण सत्र का संचालन संसाधन व्यक्ति सुमित तिवारी द्वारा किया गया। उन्होंने शिक्षकों को कक्षा प्रबंधन, विद्यालय प्रशासन, छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धति, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य, योग, सकारात्मक सोच तथा एनईपी-2020 के प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र नाथ महतो ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नई शिक्षा प्रणाली से जोड़ते हैं और विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं। वहीं संसाधन व्यक्ति सुमित तिवारी ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, नैतिक मूल्य और जीवन कौशल का विकास करना है। शिक्षक यदि स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक वातावरण पर ध्यान दें तो शिक्षा और अधिक प्रभावी बन सकती है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई और प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया। अंत में विद्यालय परिवार द्वारा संसाधन व्यक्ति को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

चिलदाग ग्राम सोसा में 100 केवीए बिजली ट्रांसफार्मर का हुआ उद्घाटन

रांची : अनगड़ा प्रखण्ड के चिलदाग के ग्राम सोसा में खिजरी विधायक राजेश कच्छप के अनुशंसा पर स्वीकृत 100 केवीए क्षमता का नया बिजली ट्रांसफार्मर विधिवत उद्घाटित किया गया। उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि श्रवण कुमार मुण्डा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर स्थानीय निवासी एवं विधायक प्रतिनिधि (महिला एवं बाल विकास, सामाजिक सुरक्षा विभाग) सुनिता देवी ने बताई कि पूर्व में यहां 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा हुआ था, लेकिन अतिभारण तथा ग्रामीणों की बढ़ती बिजली खपत के कारण यह बार-बार खराब हो जाता था। उन्होंने कहा, अब नए 100 केवीए ट्रांसफार्मर के लगने से ग्रामीणों को निर्बाध बिजली मिलेगी, जिससे शैक्षणिक कार्यों के साथ-साथ कृषि कार्यों में भी काफी सुविधा होगी। कार्यक्रम में प्रमुख दीपा उरांव, उपप्रमुख जयपाल हजाम, जिला ग्रामीण सोशल मीडिया समन्वमय कुलेश्वर मुण्डा पंचायत समिति प्रतिनिधि रब्बानी राज, ग्राम प्रधान जन्म लाल मुण्डा, ज्योति देवी, अमृत मुण्डा, मनीराम पाहन, कलावती देवी, लीलावती देवी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

185वां श्री श्याम भंडारा का हुआ आयोजन

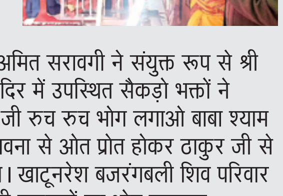

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 185वां श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी पवन अग्रवाल राज किशोर साहू रजनी देवी वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा अमित सरावगी ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। मंदिर में उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। राज किशोर साहू रजनी देवी ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया।

एक नजर

झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ ने नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक से किया शिष्टाचार मुलाकात

सिमडेगा : झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ जिला शाखा सिमडेगा के जिला सचिव सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में कर्मचारी महासंघ का एक शिष्टमंडल नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक श्री श्रीकांत सुरेश राव खोत्रे को बुके देकर उनका स्वागत किया गया। जिला सचिव सुशील कुमार सिंह ने उन्हें कर्मचारी महासंघ की ओर से नव वर्ष 2026 की शुभकामनाएं दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आप सभी कर्मचारी मेरा अंग हैं और आपका मेरे विभाग से कोई भी समस्या के लिए मेरा दरवाजा खुला रहेगा। आपका प्रत्येक समस्या में मैं आपका साथ रहूंगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों को नव वर्ष की शुभकामना प्रदान की। शिष्टमंडल में विजय उरांव, दीपक कुमार साहु, लक्ष्मी बड़ाईक, सत्येंद्र कुमार, प्रकाश बड़ाईक, संदीप कुमार महतो, प्रेमचंद विनोद टेटे, कृष्णा सिंह, मनीषा जतरमा, संगीता कुमारी, अजय कुमार चौधरी, अशोक झा, अभिषेक चौबे शामिल थे।

झामुमो ने नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे का किया स्वागत

सिमडेगा: जिले के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे का झारखंड मुक्ति मोर्चा सिमडेगा की ओर से शिष्टाचार भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर झामुमो जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना एवं जिला सचिव मो. सफीक खान ने पुलिस अधीक्षक को पुष्पगुच्छ भेंट कर सिमडेगा जिला में स्वागत किया।झामुमो नेताओं ने आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में जिले में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा आम जनता को न्याय एवं सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। वहीं पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिले में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता रहेगी। मौके पर पार्टी के अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।,

दो ट्रेलर के बीच में फंसा अनियंत्रित कंटेनर, घंटों रहा जाम

रामगढ़ : जिले के चुटुपालू घाटी में रांची-पटना मुख्य मार्ग पर शनिवार को एक अनियंत्रित कंटेनर दो ट्रेलर के बीच जाकर फंस गया। घटना के बाद घाटी में लगभग चार घंटे तक जाम रहा। जानकारी के अनुसार रांची की ओर से आ रहे कंटेनर संख्या का अचानक घाटी में ब्रेक फेल हो गया। इसी दौरान चालक ने कंटेनर पर नियंत्रण खो दिया और डिवाइडर पार कर दूसरे लेन में चला गया। कंटेनर रामगढ़ से रांची की ओर जा रहे दो टेलर के बीच में घुसकर फंस गया। इस घटना में चालक और खलासी बाल-बाल बच गए।
वहीं इस दुर्घटना में कंटेनर का फ्यूल टैंक फट जाने से तेल का रिसाव होने लगा। तेल रिसाव देख वहां अफरा तफरी मच गई। गाड़ी में आग लगने की संभावना को लेकर लोग अलर्ट हो गए। प्रशासन ने पूरा फ्यूल टैंक खाली कर दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवाया। घटना की सूचना पाकर रामगढ़ थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर नवीन प्रकाश पांडे दलबल के साथ घटना स्थल पहुंचे और यातायात सुचारू रूप से चालू करवाया। वहीं, सड़क पर पड़े दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन के जरिए हटाया गया।

मोदी सरकार के नई योजना में भ्रष्टाचार हुआ तो भगवान राम के नाम का होगा अपमान : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिला कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को मनरेगा बचाव संग्राम के तहत प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केंद्र की सरकार हर योजना में बेवजह मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के नाम को जोड़कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। अब गरीबों की जीवनरेखा बनी मनरेगा योजना के नाम में भी बदलाव कर उसे नया स्वरूप देने की बात कही जा रही है। जबकि सच्चाई यह है कि ऐसी योजनाओं में भ्रष्टाचार की आशंका हमेशा बनी रहती है। आने वाले समय में मनरेगा की तरह इस नई योजना में भी भ्रष्टाचार होगा और जी राम जी यानी की भगवान राम के नाम का सीधा अपमान होगा। इसे कांग्रेस और पुरा समाज कोई भी कीमत में बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने इसे गंदी राजनीति बताते हुए कहा कि कांग्रेस इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। विधायक कोंगाड़ी ने कहा कि भाजपा को आदिवासियों को आदिवासी कहने में भी शर्म महसूस करती है। कभी उन्हें वनवासी कहा जाता है तो कभी किसी और नाम से पुकारा जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महागठबंधन सरकार का पेसा नियमावली आदिवासियों के अधिकारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। हर कानून में समय-समय पर संशोधन होते हैं और जरूरत पड़ने पर इसमें भी संशोधन किया जाएगा। लेकिन आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा।

भाजपा जनता को कर रही है भ्रमित, कांग्रेस इस साजिश को नहीं होने देगी सफलः जोसिमा खाखा

मौके पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि मनरेगा को बचाने के लिए राहुल गांधी ने मनरेगा बचाओ महासंग्राम का ऐलान किया है, जो 25 फरवरी तक लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा दुनिया का इकलौता ऐसा कानून था जिसने रोजगार को संवैधानिक अधिकार का दर्जा दिया। लेकिन भाजपा सरकार ने इसे कानून से हटाकर महज एक योजना में बदल दिया। जिससे इसकी आत्मा खत्म हो गई है। इसका सीधा असर गरीबों, भूमिहीनों और ग्रामीण मजदूरों पर पड़ेगा। जोसिमा खाखा ने कहा कि कांग्रेस का मनरेगा बचाओ आंदोलन आम आदमी और मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई है। जिसे अंतिम परिणाम तक पहुंचाया जाएगा। कांग्रेस गांव-गांव जाकर लोगों को बताएगी कि मनरेगा में किए जा रहे संशोधनों से गरीबों को किस तरह नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा कोई साधारण योजना नहीं, बल्कि करोड़ों ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार और सम्मान के साथ जीने का कानूनी अधिकार है।

मनरेगा को लेकर कांग्रेस का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिला कांग्रेस कार्यालय में कोलेबिरा विधायक नमन विकसल कोंगाड़ी एवं कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष जोशीमा खाखा ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र की बीजेपी सरकार पर तीखा और सीधा हमला बोला। नेताओं ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार जानबूझकर मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को खत्म करने की साजिश रच रही है। विधायक नमन विकसल कोंगाड़ी ने कहा कि बीजेपी की सरकार पूंजीपतियों की सेवा में लगी है, जबकि गांव के गरीब, आदिवासी और मजदूरों की रोजी-रोटी छीनी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ बीजेपी धर्म के नाम पर नफरत की राजनीति कर रही है, दूसरी तरफ मजदूरों को उनका हक देने से भाग रही है। उन्होंने कहा कि मजदूरी भुगतान में महीनों की देरी, काम के दिनों में कटौती और बजट में भारी कमी यह साबित करती है कि बीजेपी की नीति गरीब विरोधी और मजदूर विरोधी है। कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष जोशीमा खाखा ने बीजेपी पर करारा वार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों ने महिला मजदूरों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार में महिलाओं की मेहनत का अपमान हो रहा है, न काम की गारंटी है और न ही समय पर मजदूरी। जोशीमा खाखा ने कहा कि बीजेपी झूठे वादों और जुमलों की सरकार है, जिसे गांव, गरीब और मजदूर की कोई चिंता नहीं।

कोडरमा भाजपा जिला अध्यक्ष पुनः बनने पर झुमरी तिलैया में भव्य स्वागत समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : भारतीय जनता पार्टी, जिला कोडरमा के जिला अध्यक्ष पद पर अनूप जोशी के पुनः निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में आज झुमरी तिलैया स्थित रॉयल सेलिब्रेशन में भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने किया और संचालन जिला महामंत्री शिवेंद्र नारायण एवं विजय यादव ने किया ।समारोह में कार्यकताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सह जिला चुनाव पर्यवेक्षक विकास प्रीतम जी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है जहाँ प्रत्येक तीन वर्ष में संगठनात्मक चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत होते हैं। उसी प्रक्रिया के तहत कार्यकताओं के विश्वास और संगठन की सहमति से अनूप जोशी को पुनः जिला अध्यक्ष बनाया गया है। यह उनके संगठनात्मक अनुभव और कार्यक्षमता का प्रमाण है। जिला चुनाव प्रभारी सुबोध सिंह गुड्डू ने कहा कि जिला अध्यक्ष का पद सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी होती है। अनूप जोशी ने पूर्व कार्यकाल में संगठन को मजबूती प्रदान की है और आगे भी उनसे संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की अपेक्षा है। कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि अनूप जोशी एक कर्मठ, समर्पित और जमीनी कार्यकर्ता हैं। उनके नेतृत्व में कोडरमा जिला संगठन निरंतर मजबूत हुआ है। आने वाले समय में भाजपा जिले में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करेगी।

नशा मुक्ति को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान में इन दिनों चलाये जा रहे आठ दिवसीय नशा मुक्ति अभियान के अवसर पर आज शनिवार को जिले के झुमरी तिलैया स्थित रमेश प्रसाद यादव उच्च विद्यालय चाराडीह में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकान्त मिश्रा के कुशल मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के सचिव गौतम कुमार मौजूद थे। नुक्कड़ नाटक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सचिव गौतम कुमार ने कहा कि नशा खोरी समाज के लिए एक ऐसा अभिशाप है जिससे व्यक्ति का मानसिक शारीरिक एवं आर्थिक नुकसान होता है तथा व्यक्ति का सर्वांगीण विकास अवरुद्ध हो जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा नशा खोरी एवं अवैध तस्करी पर रोक लगाने के लिए कई कानून बनाये गए है एवं केंद्र व राज्य सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाये चलायी जा रही है ताकि पूरा देश नशा खोरी से मुक्त हो सके । अपने संबोधन में विद्यालय के प्रधानाचार्य रामचन्द्र यादव ने कहा कि नशीले पदार्थो के सेवन से किसी भी व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है और सही गलत के बीच फर्क का पता नहीं चलता है जिससे व्यक्ति किसी भी अपराधिक गतिविधियों को कारित कर देता है और कानून द्वारा उसे कठोर दंड का भागी बनना पड़ता है। इसके अलावा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एल ए डी सी एस के अधिवक्ता नवल किशोर ने कहा कि जहां एक ओर नशाखोरी से व्यक्ति को हर क्षेत्र में नुकसान उठाना पड़ता है वही दूसरी ओर व्यक्ति का विकास भी अवरुद्ध हो जाता है तथा उन्होंने अपील की है।

जयनगर थानान्तर्गत पिपचो बाजार में हुए संतोष राणा का हत्या का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : गुरुवार की रात्रि जयनगर थानान्तर्गत पिपचो बाजार में एक शव पडे होने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। उक्त सूचना का सत्यापन एवं विधिसम्मत कार्रवाई हेतु अनुदीप सिंह,पुलिस अधीक्षक, कोडरमा द्वारा रतिभान सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, कोडरमा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम तत्काल सूचना स्थल पर पहुँचकर शव की शिनाख्त की कार्रवाई व बरामद शव के संदर्भ में जॉच पडताल की जाने लगी। इस कम में संजु देवी पति सुबाष राणा, साकिन बेको, थाना जयनगर, जिला कोडरमा ने शव की पहचान अपने पति सुबाष राणा के रूप में की। तत्पश्चात पुलिस टीम द्वारा शव का पंचनामा करते हुए शव का अन्त्य परीक्षण हेतु सदर अस्पताल, कोडरमा भेजते हुए घटना के संदर्भ में गहराई से जॉच पडताल की जाने लगी। उक्त घटना के संदर्भ में संजु देवी पति सुबाष राणा साकिन बेको थाना जयनगर जिला कोडरमा द्वारा थाना प्रभारी, जयनगर को दिये गये फर्दब्यान के आधार पर जयनगर थाना कांड सं० 06/26, दि० 09.01.2026 धारा 103 (1)/238 बी०एन०एस० दर्ज की गयी। उक्त कांड की गंभीरता को देखते हुए कांड का उद्भेदन एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु, पुलिस अधीक्षक कोडरमा द्वारा रतिभान सिंह, पुलिस उपाधीक्षक (मु०), कोडरमा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। उक्त टीम द्वारा तत्परतापुर्वक 24 घंटों के अंदर कांड का उद्भेदन करते हुए मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कांड में संलिप्त अभियुक्त गौतम राणा को गिरफ्तार किया गया।

कांग्रेस ने देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ संग्राम' का किया एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : अखिल भारतीय कॉंग्रेस कमिटी के सदस्य सह कोडरमा जिला कॉंग्रेस कमिटी के प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद परिसदन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बोले- नया कानून मनरेगा को खत्म करने की साजिश उन्होंने कहा- वीबी-ग्राम-जी कानून को वापस लेकर मनरेगा को अधिकार आधारित कानून के तौर पर बहाल किया जाए। नए कानून में 'वीबी' का मतलब 'विनाश भारत' और 'जी' का मतलब पंचायत के स्थान पर 'केंद्रीकरण की गारंटी' राज्य सरकारों की सहमति के बिना वित्तीय जिम्मेदारी तय करना अनुच्छेद 258 का उल्लंघन' जिला प्रभारी ने मोदी सरकार द्वारा मनरेगा को खत्म करने की कड़ी आलोचना करते हुए कहा की 10 जनवरी से 25 फरवरी के बीच देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ संग्राम' की शुरूआत हुई है। कल देश के सभी जिलों में उपवास कार्यक्रम प्रस्तावित है कोडरमा में भी परियोजना बालिका उच्च विद्यालय अम्बेदकर पार्क में उपवास कार्यक्रम का आयोजन आहूत है। कॉंग्रेस पार्टी ने वीबी-ग्राम-जी कानून को वापस लेने, मनरेगा को अधिकार आधारित कानून के तौर पर बहाल करने के साथ काम के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बहाल करने की मांग दोहराई। कोडरमा परिसदन में पत्रकार वार्ता में पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक भी उपस्थित थे कांग्रेस के देशव्यापी आंदोलन के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला प्रभारी ने कहा नए कानून को गरीबी उन्मूलन की सबसे सफल और ऐतिहासिक योजना मनरेगा को खत्म करने की एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि मनरेगा मांग-आधारित योजना थी, जिसने हर साल पांच-छह करोड़ ग्रामीण परिवारों को संकट के समय सुरक्षा कवच प्रदान किया। उन्होंने नए कानून पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि रोजगार अब अधिकार नहीं रहा, बल्कि यह सरकार की मर्जी पर निर्भर होगा। पहले, ग्राम सभाएं और पंचायतें स्थानीय जरूरतों के हिसाब से योजना बनाती थीं। अब निर्णय लेने की पूरी शक्ति दिल्ली के पास केंद्रित हो जाएगी, पंचायतें केवल क्लर्क बनकर रह जाएंगी। काम केवल उन्हीं पंचायतों में मिलेगा जिन्हें केंद्र सरकार अधिसूचित करेगी। कई पंचायतों को फंड नहीं मिलेगा, जिससे स्थानीय योजना बाधित होगी और 73वें संविधान संशोधन की भावना का उल्लंघन होगा। नए कानून के तहत योजना में बजट की सीमा और मानक आवंटन पहले से तय होंगे, जिससे फंड खत्म होने पर काम रुक जाएगा। मनरेगा में महंगाई से जुड़ी अधिसूचित मजदूरी दी जाती थी। नए कानून में इस निश्चितता को खत्म कर दिया गया है। इसके अलावा अब कृषि के पीक सीजन में 60 दिन काम नहीं मिल सकेगा। जब गांवों में सबसे ज्यादा परेशानी होगी, तो सरकार कानूनी तौर पर काम देने से मना कर सकती है। साथ ही, बायोमेट्रिक्स को पारदर्शिता के बजाय बहिष्करण का हथियार बनाया जा रहा है, जिससे गरीब और कम पढ़े-लिखे मजदूर रोजगार से वंचित हो जाएंगे। वीबी-ग्राम-जी कानून के तहत पंचायतें केंद्रीय ठेकेदारों के लिए केवल श्रम आपूर्तिकर्ता बनकर रह जाएंगी, ठेकेदारों की पीछे के दरवाजे से वापसी होगी और भ्रष्टाचार बढ़ेगा।उन्होंने कहा कि केंद्र ने मजदूरी के लिए अपना हिस्सा 100 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया है, जिससे राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा यह संविधान के अनुच्छेद 258 का खुला उल्लंघनहै। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार का दावा काम के दिन बढ़ाकर करने का है, लेकिन केंद्र का बजट कम होने से असल में काम के दिन कम हो जाएंगे। राजीव रंजन प्रसाद ने कानून से महात्मा गांधी का नाम हटाने की भी कड़ी निंदा की।

संक्षिप्त खबरें

12 जनवरी को भूमि पूजन के साथ शुरू होगी दो दिवसीय भव्य महोत्सव की तैयारी

झुमरी तिलैया: शहर की धार्मिक संगठन श्री श्याम सेवा मंडल की एक बैठक शुक्रवार की देर शाम बाईपास रोड स्थित शिव वाटिका में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से 19 और 20 जनवरी को आयोजित होने वाले मंडल के प्रथम वार्षिक महोत्सव के अवसर पर कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता बबलू सिंह ने किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 जनवरी को ब्लॉक मैदान कार्यक्रम स्थल का भूमि पूजन किया जाएगा। इसके बाद यहां पंडाल निर्माण और सजावट का काम शुरू होगा। मंडल के अध्यक्ष जोशी कुमार ने बताया कि इसके बाद जिले के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक समेत अन्य ने प्रशासनिक पदाधिकारी से मुलाकात कर कार्यक्रम का निमंत्रण भी दिया जाएगा। बैठक के दौरान वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश और सह मीडिया प्रभारी राहुल सिंह बनाए गए। बैठक का धन्यवाद ज्ञापन मुकेश कुमार ने किया। इस मौके पर मंडल के उपाध्यक्ष दीपक कुमार, सचिव संतोष कुमार पहाड़ी, कोषाध्यक्ष पप्पू भगत, सह सचिव सीताराम केसरी, चिक्कू लोहनी, रौशन सिंह, नवीन सिंहा, मुकेश कुमार, मनीष कुमार यादव, सुरेश केसरी समेत मंडल के सदस्य मौजूद थे।

ग्राम घुटबहार में स्वस्थ उपकेंद्र भवन का विधिवत शिलान्यास, ग्रामीणों में हर्ष

ठेठईटांगर : प्रखण्ड ठेठईटांगर के पंचायत घुटबहार अंतर्गत ग्राम घुटबहार में जिला परिषद सिमडेगा की ओर से स्वस्थ उपकेंद्र भवन का विधिवत शिलान्यास किया गया। यह शिलान्यास कार्यक्रम क्षेत्र के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। शिलान्यास कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती रोस प्रतिमा सोरेंग, जिला परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती सोनी पैकरा, ठेठईटांगर के जिला परिषद सदस्य श्री कृष्णा बड़ाईक तथा पंचायत मुखिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत ग्राम के पाहन द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई, जिसके पश्चात सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वस्थ उपकेंद्र भवन का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। स्वस्थ उपकेंद्र भवन के निर्माण से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, प्राथमिक उपचार, टीकाकरण सहित अन्य मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं गांव स्तर पर ही उपलब्ध होंगी, जिससे ग्रामीणों को अब दूरस्थ अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इस महत्वपूर्ण विकास कार्य को लेकर ग्राम घुटबहार एवं पंचायत क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल देखा गया। ग्रामीणों ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए जिला परिषद एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार प्रकट किया और इसे गांव के विकास की दिशा में एक मजबूत पहल बताया।

गुंटूर में सरस आजीविका मेलाः झारखंड की महिलाओं ने दिखाया हुनर और आत्मनिर्भरता

सिमडेगा: ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित सरस आजीविका मेला इस वर्ष की शुरूआत में आंध्र प्रदेश के गुंटूर शहर में 8 जनवरी से 18 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। यह मेला महिलाओं के उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। हर वर्ष की तरह इस बार भी झारखंड की महिला समूहों की दीदियां अपने ब्रांड पलाश और आदिवा के तीन स्टॉलों के माध्यम से उत्पादों की बिक्री कर रही हैं। उनके प्रयास झारखंड की महिला उद्यमिता, कार्यकुशलता और सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। मेला का उद्घाटन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू ने किया। उन्होंने कहा, महिलाएं बचत और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्हें अपने पैरों पर खड़ा देखना गर्व की बात है। झारखंड के तीन जिलों के स्टॉलों की खासियत। सिमडेगा जिले के कोलेबिरा प्रखंड से मां बाघचंडी आजीविका समूह ने पलाश ब्रांड के तहत रागी लड्डू, रागी मिक्सचर, तिल लड्डू, रागी आटा और पापड़ प्रस्तुत किए हैं। इन उत्पादों का स्वाद और गुणवत्ता लोगों को बेहद पसंद आ रहा है। दुमका जिले के वर्षा आजीविका समूह ने आदिवा ब्रांड के तहत झारखंड के पारंपरिक हस्तनिर्मित आभूषण प्रदर्शित किए हैं, जिन्हें हर आयु वर्ग की महिलाएं सराह रही हैं। गोड्डा जिले के रिमझिम आजीविका समूह ने तसर सिल्क की साड़ियाँ, सूट पीस और दुपट्टे प्रदर्शित किए हैं, जिनकी गुणवत्ता और आकर्षण ने खरीदारों को प्रभावित किया है। गुंटूर सरस मेले में झारखंड सहित 24 राज्यों के कुल 320 स्टॉल लगाए गए हैं। मेले में सांस्कृतिक कला मंच, बच्चों के लिए झूले और फूड कोर्ट भी बनाए गए हैं, जिससे यह आयोजन न केवल व्यापार का बल्कि मनोरंजन का भी केंद्र बन गया है।

दो ट्रेलर के बीच में फंसा अनियंत्रित कंटेनर, घंटों रहा जाम

रामगढ़: जिले के चुटुपालू घाटी में रांची-पटना मुख्य मार्ग पर शनिवार को एक अनियंत्रित कंटेनर दो ट्रेलर के बीच जाकर फंस गया। घटना के बाद घाटी में लगभग चार घंटे तक जाम रहा। जानकारी के अनुसार रांची की ओर से आ रहे कंटेनर संख्या (एनएल 01 एजी 1682) का अचानक घाटी में ब्रेक फेल हो गया। इसी दौरान चालक ने कंटेनर पर नियंत्रण खो दिया और डिवाइडर पार कर दूसरे लेन में चला गया। कंटेनर रामगढ़ से रांची की ओर जा रहे दो टेलर के बीच में घुसकर फंस गया। इस घटना में चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। वहीं इस दुर्घटना में कंटेनर का फ्यूल टैंक फट जाने से तेल का रिसाव होने लगा। तेल रिसाव देख वहां अफरा तफरी मच गई। गाड़ी में आग लगने की संभावना को लेकर लोग अलर्ट हो गए। प्रशासन ने पूरा फ्यूल टैंक खाली कर दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवाया। घटना की सूचना पाकर रामगढ़ थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर नवीन प्रकाश पांडे दलबल के साथ घटना स्थल पहुंचे और यातायात सुचारू रूप से चालू करवाया। वहीं, सड़क पर पड़े दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन के जरिए हटाया गया।

एक नजर

भाजपा नव नियुक्त जिला अध्यक्ष की हुई घोषणा और साथ ही हुआ जोरदार स्वागत

जमशेदपुर : जमशेदपुर में जिला भाजपा के नये जिला अध्यक्ष की घोषणा कर दी गई हैं, कई दशकों से पार्टी की सेवा कर रहे संजीव सिन्हा को पार्टी ने यह जिम्मेवारी सोंपी है, उनके पदभार ग्रहण समारोह में बोकारो के पूर्व विधायक बीरेंची नारायण और जिला प्रभारी मनोज सिंह शामिल हुए, संजीव सिन्हा ने तकरीबन तीन दशकों तक पार्टी के विभिन्न पदों पर अपनी जिम्मेवारी निभाई है, उनके नाम के घोषणा के उपरांत तमाम कार्यकताओं ने उनका जोरदार अभिनन्दन किया, तकरीबन 10 नामांकन जिला अध्यक्ष पद के लिए भरा गया था, नव नियुक्त जिला अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा की भाजपा में पद नहीं होता है जिम्मेवारी होती है, और सबको साथ लेकर वे इसे जिम्मेवारी को बखूबी निभाएंगे।

रेलवे लट्ठा तोड़ने के आरोप में आरपीएफ ने वाहन को किया जब्त

सरिया: हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन स्थित रेलवे गुमटी 20 बी 3 टी में लगे रेलवे फाटक में लगे लट्ठे को तोड़ने के आरोप में आरपीएफ ने एक पिकअप वाहन को जब्त किया है। वहीं पिकअप वाहन के चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। इस संबंध में निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ कुमार ने बताया कि शुक्रवार की शाम लगभग 6:30 बजे सरिया स्थित रेलवे फाटक 20 बी 3 टी का लट्ठा गिरा हुआ था। इसी बीच बिना नंबर की टाटा मैजिक वाहन उसे रेलवे फाटक के बुम में आकर टकरा गई। जिसके कारण रेलवे फाटक का लट्ठा टूट गया। वहीं मौके से गाड़ी चालक अपने वाहन को छोड़कर भाग गया.रेलवे फाटक में कार्यरत कर्मी के द्वारा सूचना मिलने पर आरपीएफ के लोग वहां पहुंचे। फाटक में कार्यरत रेलकर्मी से स्थिति की जानकारी लेने के पश्चात उक्त टाटा मैजिक वाहन को जब्त कर आरपीएफ पोस्ट लाया गया।

जमसोती में एक रिकॉर्डिंग स्टूडियो से 6 लाख रुपये की सामान चोरी

चलकुशा : थाना क्षेत्र अंतर्गत जमासोती में स्थित एक ए वन रिकॉर्डिंग स्टूडियो नामक स्टूडियो से गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने करीब 6 लाख की सामान चोरी कर लिया` जिसकी जानकारी सुबह परिवार वालों को मिली, प्राप्त जानकारी के अनुसार घर के बगल में उस रात कोई जागरण का कार्यक्रम हो रहा था जिससे आस पास और घर के सभी सदस्य वहीं गए हुए थे जिसके बाद चोरों ने रात को स्टूडियो को निशाना बनाया और लाखों की सामान चोरी कर ले गए जिसमें से कैमरा माइक कंप्यूटर और स्टूडियो में उपयोग होने वाले कई कीमती समान ले गए हैं` स्टूडियो के ऑनर अशोक कुमार ने चलकुशा थाना में आवेदन देकर पुलिस से जांच की मांग की है ।

हिंदी की वैश्विक गूंज से गूंजा रंभा कॉलेज, विश्व हिंदी दिवस पर 'हिंदी हाट' का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर रंभा कॉलेज, गीतिलता के हिंदी विभाग द्वारा 'हिंदी हाट' नामक एक आकर्षक एवं गरिमामय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति आत्मगौरव की भावना जागृत करना तथा इसके वैश्विक स्वरूप और बढ़ते महत्व से उन्हें परिचित कराना रहा। कार्यक्रम में उत्साह, साहित्यिक चेतना और सांस्कृतिक गरिमा का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित काव्य पाठ प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी मौलिक एवं प्रसिद्ध रचनाओं के माध्यम से हिंदी भाषा की सुंदरता, भावनात्मक गहराई और अभिव्यक्ति की शक्ति को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। सुनिधि कुमारी, नित्या कुमारी झा, सलोनी सरदार, चंद्रशेखर कुमार, शिवा सरदार एवं दिनेश बास्के ने अपनी ओजस्वी और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। हिंदी विभाग की व्याख्याता डॉ. सुमन लता ने एक सुस्पष्ट एवं जानकारीपूर्ण प्रेजेंटेशन के माध्यम से विश्व हिंदी दिवस के ऐतिहासिक महत्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हिंदी आज विश्व के लगभग 176 देशों में बोली जाती है तथा 120 से अधिक विदेशी विश्वविद्यालयों में इसे शैक्षणिक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है। अपने संबोधन में डॉ. कल्याणी कबीर ने कहा कि हिंदी अब केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं रही, बल्कि यह भारत की वैश्विक पहचान बन चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी भाषा और संस्कृति पर गर्व करें तथा दैनिक जीवन में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दें। कार्यक्रम का सधा हुआ एवं प्रभावी मंच संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर शीतल कुमारी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर ऐश्वर्या श्री कर्मकार द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ. कल्याणी कबीर, डॉ. किशन कुमार शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर ऐश्वर्या श्री कर्मकार सहित अनेक शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में हिंदी के संवर्धन और प्रचार-प्रसार का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम का समापन हिंदी भाषा के सम्मान, संरक्षण और प्रसार के संदेश के साथ हुआ, जिसने विद्यार्थियों के मन में भाषा के प्रति नई चेतना और आत्मगौरव की भावना का संचार किया।

मोटर करंट सिग्नेचर एनालिसिस पर बीए कॉलेज में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : बीए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर ने तकनीकी एवं औद्योगिक शिक्षा के क्षेत्र में एक नई इबारत लिखते हुए मोटर करंट सिग्नेचर एनालिसिस विषय पर अत्याधुनिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भव्य शुभारंभ किया। यह महत्वाकांक्षी केंद्र एमसीएआर टेक इंक के सहयोग से स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच समन्वय को और अधिक सशक्त बनाना है। उद्घाटन समारोह में संस्थान के अध्यक्ष डॉ. एस. के. सिंह, प्राचार्य डॉ. एस. के. रॉय, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टाटा स्टील के पूर्व उप प्रबंध निदेशक डॉ. त्रिदिबेश मुखर्जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बड़े सपने, नवाचार की सोच और निरंतर मेहनत ही उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। उन्होंने छात्रों को आत्मविश्वास के साथ नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि टाटा स्टील के मुख्य प्रक्रिया स्वचालन एवं डिजिटल विनिर्माण उत्कृष्टता प्रमुख ज्ञान प्रकाश ने ऑटोमेशन, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग और आधुनिक औद्योगिक तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाला समय स्मार्ट उद्योगों का है, जिसके लिए आज से ही तकनीकी रूप से दक्ष होना आवश्यक है।

शिक्षा केवल डिग्री नहीं, सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों की आधारशिला है : सुदिव्य कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखण्ड सरकार के माननीय उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित प्रथम दिशोम गुरु शिबू सोरेन व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, आलोचनात्मक सोच और मानवीय मूल्यों के निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि अध्ययन और अधिगम एक-दूसरे के पूरक हैं जहाँ अध्ययन सिद्धांत प्रस्तुत करता है, वहीं अधिगम उन सिद्धांतों से उत्पन्न समझ और प्रज्ञा को विकसित करता है। माननीय मंत्री ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जीवन और विचारों को स्मरण करते हुए कहा कि औपचारिक रूप से सीमित शिक्षा प्राप्त होने के बावजूद उनके व्यक्तित्व, संघर्ष और विचारधारा ने उन्हें झारखण्ड राज्य का निमार्ता बनाया। यह तथ्य स्वयं में शिक्षा के व्यापक अर्थ और जीवन-आधारित अधिगम की शक्ति को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दिशोम गुरु का जीवन विश्वविद्यालयों में शोध और अध्ययन का एक महत्वपूर्ण विषय बनेगा। सुदिव्य कुमार ने समकालीन शिक्षा परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल माध्यमों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से त्वरित जानकारी उपलब्ध होना उपयोगी है, किंतु इससे गहन अध्ययन और सत्यापन की प्रक्रिया कमजोर नहीं होनी चाहिए।

विधायक ने किया 9 गौदाम मार्केटिंग सेंटर निर्माण कार्य का भूमिपूजन

- लगभग 3 करोड़ 20 लाख की लागत से होगा योजनाओं का निर्माण
- कुकडू प्रखंड कार्यालय परिसर में जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा संचालित समेकित सहकारी विकास परियोजना अंतर्गत ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में निर्माण होने वाले 9 100 एमटी क्षमता वाले गौदाम मार्केटिंग सेंटर निर्माण कार्य का भूमिपूजन शनिवार को विधायक सविता महतो ने विधिवत शिलापट्ट अनावरण कर किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि 35 लाख 46 हजार रुपये कि लागत से 9 गौदाम मार्केटिंग सेंटर निर्माण कार्य होगा। उन्होंने कहा कुकडू में 3 कुकडू, ओडिया तिरुलडीह, नीमडीह में 2सांगडा, लाकड़ी, चांडिल में 3 मातकमडीह, रसूनिया, घोड़ानेगी, व ईचागढ़ में 1 नदीशाई में योजनाओं का निर्माण होगा। उन्होंने कहा लगभग 3 करोड़ 20 लाख की लागत से योजनाओं का निर्माण होगा। यह परियोजना क्षेत्र के किसानों एवं पशुपालकों को अपने उत्पादों के सुरक्षित भंडारण एवं विपणन की सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गौदाम निर्माण से स्थानीय स्तर पर बाजार की उपलब्धता बढ़ेगी तथा किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी। इस दौरान विधायक ने निर्माणकार्य करने वाले संवेदक को गुणवत्ता पूर्ण व ससमय करने का निर्देश दिया। इस क्रम में विधायक ने कुकडू प्रखंड कार्यालय परिसर में जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। इस अवसर पर कुकडू प्रमुख प्रतिमा वाला, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो, प्रखंड अध्यक्ष कित्तीवास महतो, गोपेश्वर कुम्हार, युधिष्ठिर मांझी, इंद्रजीत महतो, अंसार अली, मंगल महतो, समेत काफी संख्या में झामुमो कार्यकता व ग्रामीण उपस्थित थे।

सड़क हादसा में पति की मौत पत्नी गंभीर रूप से घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर के मानगो गोलचक्कर के समीप शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां सीतारामडेरा थाना क्षेत्र में अनियंत्रित चेचिस वाहन ने बाइक सवार दंपति को कुचल दिया। इस हादसे में बाइक चला रहे पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार चेचिस वाहन ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मारने के बाद करीब 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। इसके बाद चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की भयावहता इतनी थी कि सड़क पर अफरा- तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के समय मौके पर पुलिस की मौजूदगी थी, इसके बावजूद इस तरह की दुर्घटना होना पुलिस प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है। हादसे के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए गए। घटना की सूचना मिलते ही सीतारामडेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने में जुट गई। पुलिस ने लोगों को समझा- बुझाकर सड़क यातायात को सामान्य करने का प्रयास किया। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। समाचार लिखे जाने तक मृतक और घायल महिला की पहचान नहीं हो सकी है।

संक्षिप्त खबरें

दिशोम गुरु शिबू सोरेन मेमोरियल कप क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

जमशेदपुर : जमशेदपुर के कोऑपरेटिव कॉलेज मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा, पूर्वी सिंहभूम जिला की ओर से आयोजित दिशोम गुरु शिबु सोरेन मेमोरियल कप क्रिकेट टूनामेंट की आज भव्य शुरूआत हुई। उद्घाटन अवसर पर पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने दिशोम गुरु के चित्र पर माल्यार्पण कर टूनामेंट का शुभारंभ किया। इस आयोजन में झामुमो के नेता और कार्यकर्ता राजनीति से हटकर खेल के मैदान में एक-दूसरे से मुकाबला करते नजर आए। कोऑपरेटिव कॉलेज मैदान में खेले जा रहे इस क्रिकेट टूनामेंट में टेनिस बॉल से मुकाबले कराए जा रहे हैं। छह ओवर के इस टूनामेंट में कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं। खास बात यह है कि मंत्री, सांसद और विधायक भी मैदान में उतरकर अपने खेल का हुनर दिखा रहे हैं। टूनामेंट की शुरूआत में सुप्रियो भट्टाचार्य ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और स्वयं बल्लेबाजी कर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने आयोजन की सफलता को लेकर शुभकामनाएं भी दीं। मीडिया से बातचीत के दौरान सुप्रियो भट्टाचार्य और विक्टर सोरेन ने कहा कि वर्ष 2025 पार्टी के लिए बेहद दुखद रहा, क्योंकि पार्टी ने अपने सुप्रीमो दिशोम गुरु शिबु सोरेन और पूर्व शिक्षा मंत्री स्वर्गीय रामदास सोरेन को खोया। इसके बावजूद राज्य सरकार गरीबों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। नेताओं और कार्यकताओं द्वारा खेल के माध्यम से संगठन की एकजुटता और मजबूती का संदेश दिया जा रहा है। भले ही जीत किसी एक टीम की हो, लेकिन असली जीत खेल भावना और झारखंड मुक्ति मोर्चा की होगी।

सड़क दुर्घटना में तीन की मौत

जमशेदपुर : मुसाबनी-हाता मुख्य मार्ग पर सुरदा यूनियन बैंक शाखा के पास खड़े हाइवा से एक स्कूटी टकरा गई। इस भीषण टक्कर में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। हादसे के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई है और पूरे इलाके में शोक का माहौल है। मृतकों की पहचान गालूडीह के जगन्नाथपुर स्थित बांधडीह टोला निवासी सगे भाई रोहित कर्मकार और समीर कर्मकार तथा राजू गोप के रूप में हुई है। वहीं, पुलिस मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुट गई है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

जल सेवा आंकलन को लेकर बैठक सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सरायकेला : रविवार को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, सरायकेला अंतर्गत उप-विकास आयुक्त सह उपाध्यक्ष, जिला जल एवं स्वच्छता समिति, सरायकेला-खरसावां जिला की अध्यक्षता में "जल सेवा आंकलन" विषय पर बैठक सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उप-विकास आयुक्त सह उपाध्यक्ष, जिला जल एवं स्वच्छता समिति, सरायकेलाझखरसावां सुश्री रीना हांसदा द्वारा की गई। बैठक के दौरान जिले के चयनित पंचायतों में जल सेवा आंकलन की संपूर्ण प्रक्रिया, कार्य-पद्धति एवं निर्धारित समय-सीमा के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस क्रम में प्रखण्ड राजनगर की पंचायत गोविंदपुर एवं टीटीडीह, खरसावां प्रखण्ड की पंचायत कृष्णापुर एवं चिलकु, कुकरू प्रखण्ड की पंचायत कुकुडू, तथा कुचाई प्रखण्ड की पंचायत मरांगहातु एवं अरवां को जल सेवा आंकलन के अंतर्गत सम्मिलित किए जाने की जानकारी दी गई। उप-विकास आयुक्त द्वारा उपस्थित सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया गया कि जल सेवा आंकलन से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिले में पेयजल एवं स्वच्छता सेवाओं की गुणवत्ता, उपलब्धता एवं पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। उक्त बैठक में सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के जिला समन्वयक, पंचायत सचिव, मुखिया सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विस्थापितों की आवाज बन रहे हैं रोशन लाल चौधरी: एक नई उम्मीद की शुरूआत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी विस्थापित प्रभावित लोगों के लिए लगातार सड़क से लेकर सदन तक पुरजोर तरीके से आवाज उठाते आ रहे हैं। उनके इस प्रयास का परिणाम है कि आज झारखंड सरकार ने विस्थापन आयोग का गठन किया है। विधायक रोशन लाल चौधरी ने दोबारा विधानसभा में आवाज उठाया और कहा कि झारखंड राज्य में विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग का गठन तो कर लिया गया है, परंतु इसे सुदृढ़ व वैधानिक एवं क्रियाशील बनाने के लिए कई और बदलाव करने की जरूरत है। फिर विधायक रोशन लाल चौधरी ने विस्थापितों के साथ मिलकर राज्यपाल से मिलकर कई प्रकार की सुझाव पत्र सोपा। जिसके आलोक में राज्यपाल ने संज्ञान लेते हुए राज्यपाल सचिवालय के संयुक्त सचिव अर्चना मेहता ने मुख्य सचिव झारखंड सरकार को पत्र लिखकर कहा है कि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी के द्वारा झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग गठन कार्य एवं दायित्व नियमावली 2025 को सुदृढ़ वैधानिक एवं क्रियाशील करने हेतु सुझाव दिया गया था। जिस पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई किया जाए और इसे जल्द से जल्द सुदृढ़ कर क्रियाशील बनाया जाए। इस संबंध में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा है कि यह एक प्रकार से बड़कागांव सहित संपूर्ण झारखंड के विस्थापित प्रभावित परिवारों की जीत हो रही है कि आज हमारे आवाज को राज्यपाल ने भी संज्ञान लेते हुए सरकार को जल्द से जल्द विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग को सुदृढ़ करने के लिए पत्र लिखा है। आगे उन्होंने कहा कि मैं भी एक विस्थापित परिवार का बेटा हूं इसलिए विस्थापन का दर्द समझता हूं। मैं जानता हूं कि किस प्रकार से विस्थापितों को उनके घर जमीन गांव छोड़ने में दर्द होता है। इसलिए हमारा एक ही उद्देश्य है कि बड़कागांव विधानसभा सहित संपूर्ण झारखंड में विस्थापित परिवारों को उनका हक और अधिकार दिला नहीं देता तब तक सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ता रहूंगा। विधायक रोशन लाल चौधरी के इस प्रयास से विस्थापित प्रभावित परिवारों में खुशी की तरंग है। वे कहते हैं कि रोशन लाल चौधरी हमारे लिए एक उम्मीद की किरण हैं और हमें उन पर पूरा भरोसा है कि वे हमारे हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे। विस्थापितों के प्रति विधायक रोशन लाल चौधरी का प्रयास ला रहा है रंग। विस्थापन एवं पुनर्वास के मामले में राज्यपाल ने लिया संज्ञान। मुख्य सचिव झारखंड सरकार को भेजा पत्र। जब तक विस्थापितों को उनका हक और अधिकार नहीं दिला देता तब तक लड़ता रहूंगा : विधायक रोशन लाल। विस्थापितों की समस्याओं को लेकर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि विस्थापन एक दर्दनाक अनुभव है, जिसे विस्थापित ही समझ सकते हैं।

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 15वर्ष 2025–2026

दिनांक– 10.01.2026

1.	विभाग का नाम	:–	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, राँची।
2.	विज्ञापनदाता का नाम	:–	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल हजारीबाग।
3.	परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय	:–	दिनांक–27.01.2026 अपराह्न 5:00 बजे तक।
4.	निविदा प्राप्ति की तिथि	:–	दिनांक–28.01.2026 अपराह्न 3:00 बजे तक।
5.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:–	दिनांक–28.01.2026अपराह्न 4:30 बजे।
6.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:–	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग।
7.	निविदा प्राप्ति का स्थान	:–	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग।
8.	निविदा खोलने का समय	:–	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एव स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग।
9.	कार्य की विस्तृत विवरणी	:–	

क्र.	कार्य का नाम	ग्रुप संख्या	नलकूपों की संख्या	प्रक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Construction of Drilled Tube Wells of 125 mm x 115 mm dia. x 120.00 Mtr. avg. depth with installation of India Mark-II (I.S. 15500 Part-2/2004) Hand Pump with platform and drain on turn key basis under D.W. & S. Division, Hazaribagh for the year 2025-26 [Head-Untied]	HZB_Untied/DT-14	04 Nos.	4,76,792/-	10,000/-	750/-	15 Days
2.		HZB_Untied/DT-15	04 Nos.	4,76,792/-	10,000/-	750/-	15 Days
3.		HZB_Untied/DT-16	04 Nos.	4,76,792/-	10,000/-	750/-	15 Days
4.		HZB_Untied/DT-17	04 Nos.	4,76,792/-	10,000/-	750/-	15 Days
5.		HZB_Untied/DT-18	04 Nos.	4,76,792/-	10,000/-	750/-	15 Days
6.		HZB_Untied/DT-19	04 Nos.	4,76,792/-	10,000/-	750/-	15 Days
7.		HZB_Untied/DT-20	04 Nos.	4,76,792/-	10,000/-	750/-	15 Days
8.		HZB_Untied/DT-21	04 Nos.	4,76,792/-	10,000/-	750/-	15 Days
9.		HZB_Untied/DT-22	03 Nos.	3,57,594/-	10,000/-	750/-	15 Days
10.	Construction of Drilled Tube Wells of 125 mm x 115 mm dia.x 90.00Mtr. avg. depth with installation of India Mark-II (I.S. 15500 Part-2/2004) Hand Pump with platform and drain on turn key basis. under D.W. & S. Division, Hazaribagh for the year 2025-26 [Head-Untied]	HZB_Untied/DT-23	04 Nos.	4,04,744/-	8,500/-	750/-	15 Days
11.		HZB_Untied/DT-24	04 Nos.	4,04,744/-	8,500/-	750/-	15 Days
12.		HZB_Untied/DT-25	04 Nos.	4,04,744/-	8,500/-	750/-	15 Days
13.		HZB_Untied/DT-26	04 Nos.	4,04,744/-	8,500/-	750/-	15 Days

निविदा की शर्त्ते विभागीय वेबसाईट www.daa.jharkhand.gov.in एवं इस कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। इच्छुक एजेंसी परिमाण विपत्र वेबसाईट से डाउनलोड कर निविदा में भाग ले सकते हैं, परन्त निविदा जमा करते समय परिमाण विपत्र का निर्धारित मूल्य का बैंक ड्राफ्ट तकनीकी बीड के साथ अनुलग्नित करेंगे, जो कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग के पदनाम से भुगतेय होगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हजारीबाग

PR 370517 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D

अमर शहीद : सरस्वती राजामणि आजाद हिंद फौज की वीरांगना

जिनका जीवन देशभक्ति की मिसाल बना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अनगिनत वीर-वीरांगनाओं ने अपना योगदान दिया, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं जो समय के साथ धुंधले पड़ते जा रहे हैं। सरस्वती राजामणि भी उन्हीं में से एक हैं - एक ऐसी स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने न केवल आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्योछावर किया, बल्कि जीवन के अंतिम पलों तक देशसेवा का संकल्प निभाया।

सरस्वती राजामणि उन साहसी महिलाओं में से एक थीं जिन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज में शामिल होकर देश की आजादी के लिए सशस्त्र संघर्ष का मार्ग चुना। उस दौर में जब महिलाओं के लिए घर की चारदीवारी से बाहर निकलना भी चुनौतीपूर्ण था, उन्होंने सैन्य वर्दी पहनकर देश के लिए लड़ने का साहस दिखाया। आजाद हिंद फौज की रानी झांसी रेजिमेंट की सदस्या के रूप में उन्होंने अपनी सेवाएं दीं और नेताजी के 'दिल्ली चलो' के नारे को साकार करने के लिए संघर्ष किया।यह वह समय था जब भारतीय महिलाएं पारंपरिक भूमिकाओं से आगे बढ़कर सशस्त्र संघर्ष में भाग ले रही थीं।सरस्वती राजामणि जैसी महिलाओं ने यह साबित किया कि देशभक्ति और साहस में कोई लिंग भेद नहीं होता।

आजादी के बाद कई स्वतंत्रता सेनानियों को उचित सम्मान और सुविधाएं नहीं मिलीं। सरस्वती राजामणि का जीवन भी संघर्षों से भरा रहा। लेकिन उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी और न ही देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भुलाया। वह पेंशनर के रूप में एक साधारण जीवन व्यतीत करती रहीं, लेकिन उनका हृदय हमेशा समाज सेवा के लिए धड़कता रहा।

सरस्वती राजामणि की सबसे प्रेरणादायक बात यह थी कि वृद्धावस्था में भी उनका राष्ट्र और समाज के प्रति सेवा का भाव कभी कम नहीं हुआ। जब शरीर ने साथ देना बंद कर दिया, तब भी उनकी आत्मा देशसेवा के लिए तत्पर रही।बुढ़ापे में भी वह दर्जी की दुकानों पर जाकर बचे हुए कपड़े इकट्ठा करती थीं। इन कपड़ों से वह स्वयं नए वस्त्र तैयार करतीं और उन्हें अनाथालयों और वृद्धाश्रमों में दान कर देती थीं। यह उनकी सादगी, संवेदनशीलता और समाज के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक था। उन्होंने यह सिखाया कि सेवा के लिए बड़े संसाधनों की जरूरत नहीं होती, बल्कि एक समर्पित हृदय की आवश्यकता होती है।

राजामणि ने अन्य महिला सहयोगियों के साथ मिलकर भेष बदलकर अंग्रेजों के खिलाफ काम किया। उन्होंने लड़का बनकर अंग्रेजों की भारत के खिलाफ योजनाओं की जानकारी हासिल की। जब वह लड़के का रूप धारण करे हुई थी तो उनका नाम मणि था। एक बार उनकी एक सहयोगी ब्रिटिश सैनिक ने पकड़ लिया था। उसे बचाने के लिए राजामणि ने नृतकी की वेषभूषा पहनकर अंग्रेजों के शिविर में घुसपैठ की। उन्होंने ब्रिटिश सैनिक को नशीला पदार्थ खिलाया और अपनी सहयोगी को मुक्त करा दिया।

जब वे अपनी साथी को भगा रही थी ब्रिटिश गार्ड ने राजामणि को पैर में गोली मार दी थी लेकिन फिर भी वह वहां से निकलने में सफल रही। गोली के घाव के बावजूद वह भागती रहीं और अंग्रेजों से बचने के लिए एक पेड़ पर चढ़ गई। सर्च ऑपरेशन की वजह से वह घाव पर बिना मरहम पट्टी और भूखी-प्यासी रही। तीन दिन बाद वह अपनी साथी के साथ सकुशल आजाद हिंद फौज के कैंप पर लौटी। तीन दिन तक इलाज न मिलने की वजह से गोली के घाव ने उन्हें हमेशा के लिए लंगड़ाहट बख्श दी। राजामणि इस चोट को अपने जासूसी दिनों की प्यारी याद मानती थी। नेता जी उनके काम से बहुत खुश हुए और उनकी प्रंशसा की। जापानी सम्राट ने स्वयं उन्हें मेडल से सम्मानित किया और साथ में झांसी की रानी रेजीमेंट में लेफ्टिनेट की रैंक है।

सूडोकु नवताल- 7671

★★★✬✩ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7670 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

ट्रंप की धमकियों के बीच मोदी की चुप्पी, इतिहास में गूंजती इंदिरा की रणनीति

अजय कुमार

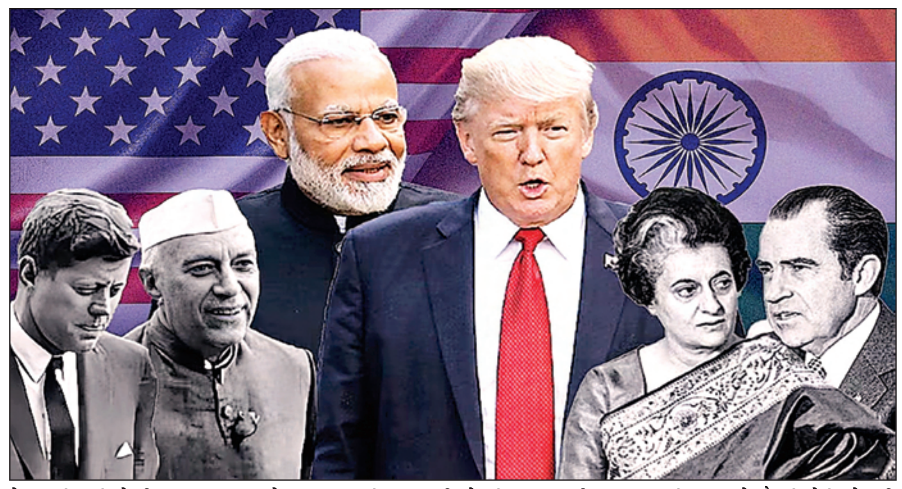

वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक रिश्ते फिर से सुर्खियों में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफ बढ़ाने और रूस से तेल खरीद को लेकर बयान जारी करने ने दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा किया है। ट्रंप ने साफ किया कि यदि भारत उनके अनुरूप कदम नहीं उठाएगा, तो अमेरिका शुल्क और बढ़ा सकता है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक मंच पर इन आरोपों का प्रत्यक्ष जवाब नहीं दिया, बल्कि संयम और रणनीति के साथ नीति बनाए रखी। राजनीतिक विरोधी इसे कमजोरी मान रहे हैं, लेकिन इतिहास यह दिखाता है कि धैर्य और रणनीति के साथ काम करना कभी-कभी तेज प्रतिक्रिया से अधिक प्रभावशाली होता है।इतिहास में अगर पीछे देखें तो यह रणनीति नई नहीं है। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की परिस्थितियाँ गंभीर हो रही थीं, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर के दबाव का सामना चुप्पी और कूटनीतिक चालाकी के साथ किया था। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से लाखों शरणार्थी भारत में आ रहे थे। इंदिरा गांधी ने अमेरिका की ओर से किसी भी हस्तक्षेप की अपेक्षा जताई, लेकिन ओवल ऑफिस में निक्सन ने उन्हें 45 मिनट तक इंतजार कराया। इस दौरान निक्सन की भाषा और रवैया भारतीय हितों के प्रति विरोधी था। बाद में सार्वजनिक हुई अमेरिकी दस्तावेजों और टेप रिकॉर्डिंग्स में निक्सन ने भारतीयों के लिए अपमानजनक शब्द इस्तेमाल किए, जबकि किसिंजर ने इंदिरा गांधी और भारतीय महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। निक्सन का झुकाव पाकिस्तान की ओर था। कोल्ड वॉर के समय पाकिस्तान अमेरिका का मोहरा था, जबकि भारत पर दबाव डालकर युद्ध रोकने की कोशिश की जा रही थी। 3 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी मोर्चे पर हमला किया। इंदिरा गांधी ने 5 दिसंबर को निक्सन को खत लिखा, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने सुनवाई नहीं की। उल्टे, उन्होंने बंगाल की खाड़ी में अपना सातवां बेड़ा, यूएसएस एंटरप्राइज, भेजा। यह बेड़ा परमाणु हथियारों से लैस था और भारत पर दबाव बनाने के लिए तैनात किया गया था। अमेरिकी दस्तावेजों के अनुसार, बेड़े को नागरिकों को निकालने के बहाने भेजा गया, लेकिन असल मकसद भारत को डराना था। इंदिरा गांधी ने निक्सन की धमकियों का जवाब शब्दों में नहीं दिया। न कोई भाषण, न प्रेस कॉन्फ्रेंस में तीखी टिप्पणी। उन्होंने समझ लिया कि जोर से बोलने वाला नेता अक्सर कमजोरी छिपा रहा होता है। इसके बजाय इंदिरा गांधी ने रणनीतिक कदम उठाए। अगस्त 1971 में भारत ने सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की, जो 20 वर्षों के लिए थी। यह वैचारिक झुकाव नहीं, बल्कि सुरक्षा कवच था। सोवियत संघ ने भारत को हथियार और कूटनीतिक समर्थन दिया। युद्ध शुरू हुआ तो भारतीय सेना ने महज 13 दिनों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। 16 दिसंबर 1971 को ढाका में पाकिस्तानी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ समर्पण किया। इस प्रकार बांग्लादेश का जन्म हुआ और दक्षिण एशिया का नक्शा बदल गया।

आज के दौर में ट्रंप की शैली निक्सन जैसी ही है। वे भी बड़बोले हैं, सहयोगियों को अपमानित करते हैं, विरोधियों की तारीफ करते हैं और अपने बयान पलट देते हैं। भारत को कभी दोस्त कहते हैं, तो कभी टैरिफ की धमकी देते हैं। 5 जनवरी 2026 को ट्रंप ने कहा कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना नहीं रोकेगा तो टैरिफ बढ़ा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी उन्हें खुश करना चाहते हैं, क्योंकि मुझे खुश करना जरूरी है। ट्रंप ने दावा किया कि मोदी उनसे मिलने की गुहार कर रहे थे, लेकिन भारत ने इसे खंडन किया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई।संख्या और आंकड़ों पर नजर डालें। 2024-25 में भारत ने रूस से 35 प्रतिशत कच्चा तेल खरीदा, जो 2021-22 के 2 प्रतिशत से बढ़ा था। ट्रंप के दबाव के बाद भारत ने इसे 25 प्रतिशत तक कम किया। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम के अनुसार, यह रणनीतिक संतुलन का संकेत है। ट्रंप का उद्देश्य रूस को अलग-थलग करना है, लेकिन भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दी। 2025 में भारत-अमेरिका व्यापार 200 अरब डॉलर से अधिक था, जिसमें अमेरिका का 36 अरब डॉलर का व्यापार घाटा शामिल था।

ट्रंप ने भारत को टैरिफ किंग कहा क्योंकि भारत अमेरिकी उत्पादों पर 100-200 प्रतिशत तक शुल्क लगाता है। लेकिन मोदी ने इन बयानबाजी का सार्वजनिक जवाब नहीं दिया। इसके बजाय वे डायलॉग और कूटनीतिक संपर्क पर भरोसा करते रहे। 2019 में ह्यूस्टन और 2020 में अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप ने सौहार्द्र दिखाया। कश्मीर पर ट्रंप के मध्यस्थता वाले बयान पर भी मोदी चुप रहे, लेकिन नीति स्पष्ट रखी, कोई तीसरा पक्ष नहीं। रूस से 5.43 अरब डॉलर की एस-400 मिसाइल डील भी अमेरिकी दबाव के बावजूद पूरी की गई।इंदिरा गांधी और मोदी की रणनीति में समानता साफ है। दोनों जानते थे कि अमेरिकी राष्ट्रपति अस्थायी हैं, लेकिन राष्ट्रहित स्थायी। निक्सन और ट्रंप दोनों ही तमाशे की राजनीति में विश्वास रखते हैं। निक्सन को वाटरगेट स्कैंडल के कारण इस्तीफा देना पड़ा, जबकि ट्रंप की नीतियों पर वैश्विक आलोचना हो रही है। इंदिरा ने गुटनिरपेक्षता अपनाई, मोदी इसे स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी कहते हैं। दोनों का मूल मंत्र किसी से दुश्मनी नहीं, अपनी दोस्ती पहले।

विपक्ष मोदी की चुप्पी को कमजोरी बता रहा है। कांग्रेस उन्हें डरपोक पीएम कह रही है। लेकिन 1971 में भी इंदिरा पर ऐसे आरोप लगे थे। ढाका में पाकिस्तान के समर्पण से पहले लोग कहते थे कि वे अमेरिका के आगे झुक रही हैं। मगर इंदिरा ने साबित किया कि खामोश कूटनीति में ताकत है। मोदी भी यही कर रहे हैं। रूस से तेल खरीद कम कर भारत ने ट्रंप को संदेश दिया, लेकिन पूरी तरह नहीं रोका। 2025 के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने रूसी तेल आयात 20 प्रतिशत घटाया, लेकिन सऊदी अरब और इराक से बढ़ाया। ट्रंप की धमकियां भारत की अर्थव्यवस्था पर असर डाल सकती हैं। यदि 500 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया तो भारतीय निर्यात पर लगभग 8 लाख करोड़ रुपये का प्रभाव पड़ सकता है। लेकिन मोदी का संयम यह दिखाता है कि भारत अब वैश्विक मंच पर मजबूत है। 1971 में भारत की जीडीपी 67 अरब डॉलर थी, जबकि अब यह 3.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। अमेरिका के साथ रक्षा सौदे 20 अरब डॉलर के हैं।

मोदी ने रूस के साथ भी संबंध मजबूत रखे; 2025 में पुतिन से 5 मुलाकातें हुईं। इतिहास बताता है कि धैर्य से बड़े फैसले लिए जाते हैं। इंदिरा ने निक्सन की बदतमीजी का जवाब बांग्लादेश बनाकर दिया। मोदी ट्रंप की धमकियों का जवाब मजबूत अर्थव्यवस्था और बहुपक्षीय कूटनीति से दे रहे हैं। ट्रंप कहते हैं कि भारत उन्हें खुश करे, लेकिन भारत की विदेश नीति किसी एक नेता पर निर्भर नहीं। आजादी के बाद से भारत ने कभी आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं सहा, चाहे निक्सन हो या ट्रंप। इतिहास साबित करता है कि भारत की ताकत शोर में नहीं, संयम और रणनीति में है।

लाल बहादुर शास्त्री : भारतीय राजनीति के अमूल्य रत्न

श्वेता गोयल

2 अक्तूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्मे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आज हम पुण्यतिथि मना रहे हैं। भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद उज्बेकिस्तान में ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ घंटों बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से 11 जनवरी 1966 की रात उनका निधन हो गया। शास्त्री जी के बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए स्मरण किया जाता है । ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले लाल बहादुर शास्त्री नैतिकता की मिसाल थे। उनसे जुड़े ऐसे अनेकों किस्से याद किए जाते रहेंगे।

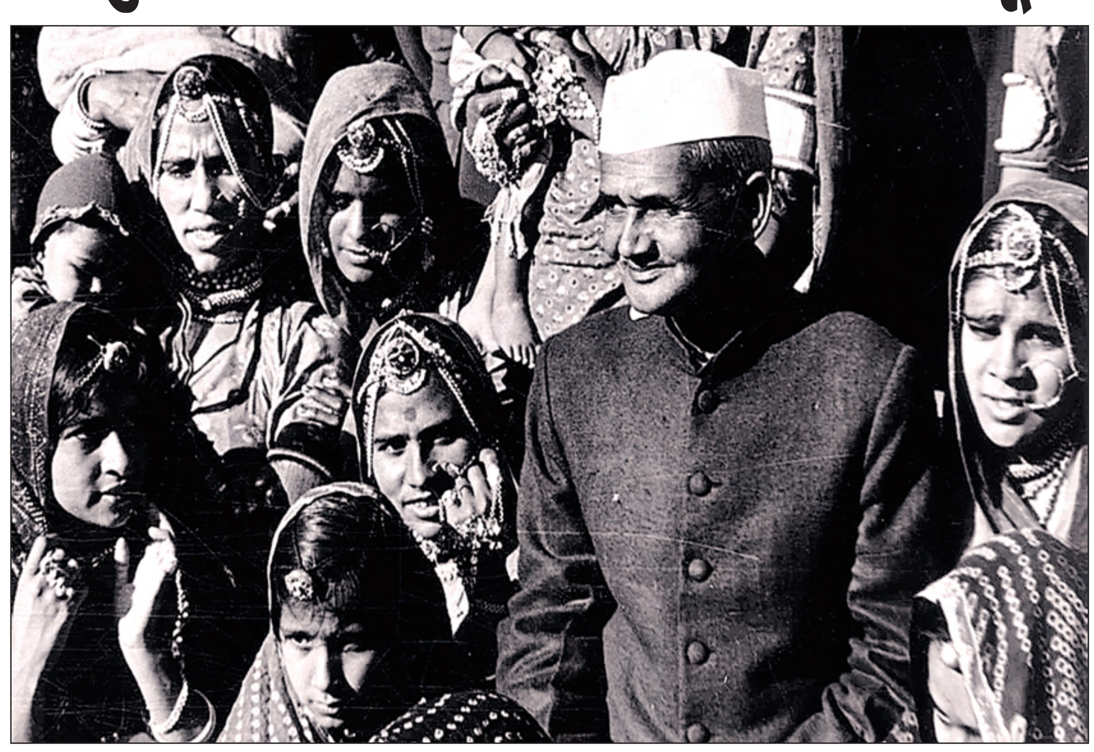

जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी लेकिन उसका उपयोग वे बेहद कम किया करते थे। किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही वह गाड़ी निकाली जाती थी। एक बार शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली? ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किलोमीटर चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, ह्यचौदह किलोमीटर प्राइवेट यूजह्ल उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिताजी को बुलाकर निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था ह्यसर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटीह्ल द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन हेतु आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिताजी को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं, जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

रेलमंत्री रहते शास्त्री जी एक बार रेल के एसी कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई।

हिंदी का विस्तृत होता आकाश

गिरीश्वर मिश्र

ज्ञान और भाषा का गहरा रिश्ता है। महान चिंतक भर्तृहरि की मानें तो भाषा के आलोक में ही दुनिया दिखती है: सर्वं शब्देन भासते। ज्ञान-सृजन, ज्ञान संरक्षण तथा अगली पीढ़ी तक ज्ञान संक्रमण का कार्य भाषा से ही हो पाता है। चिंतन और सर्जनात्मकता के लिए भाषा जरूरी है। इस तरह भाषा मानव जीवन के उत्कर्ष का साधन है जो नैसर्गिक रूप से सभी मनुष्यों को प्राप्त है। वह व्यक्ति और समाज दोनों ही स्तरों पर स्मृति और कल्पना को सुदृढ़ करती है।

भारत भाषाओं की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है जहाँ हजार से अधिक भाषाएं विद्यमान हैं। इनमें बहुतेरी ऐसी भी हैं जो सिर्फ. बोली जाती हैं। उनकी लिपि ही नहीं है। इस भाषिक परिवेश में भाषाओं की बहुलता से द्विभाषिकता सहज है और बहुभाषिकता भी काफी पाई जाती है। हिंदी मध्य देश में बोली जाने वाली भाषा समूह का नाम है। ऐतिहासिक रूप से हिंदी हिंद की भाषा है और समग्र देश से जुड़ी रही है। आज इसके बोलने वाले विस्तृत भू भाग में पसरे हैं और अनेक देशों में मौजूद हैं। ऐसे में हिंदी के कई कई रूप उसकी बोलियों में मिलते हैं। हिंदी भारत के लोक जीवन व्याप्त रही और देश के स्वतंत्रता संग्राम में उसकी अखिल भारतीय भागीदारी ने उसे राष्ट्रभाषा बना दिया। जनता से जुड़ने के प्रयास में हिंदी भारत में चतुर्दिक गूंजी। सहज सम्पर्क के लिए हिंदी स्वाभाविक माध्यम बनी महाराष्ट्र हो या बंगाल, कश्मीर हो या गुजरात, पंजाब हो या दक्षिण भारत हर कहीं हिंदी को अंगीकार किया गया। अंग्रेज सरकार सरकारी तंत्र और शिक्षा में अंग्रेजी वर्चस्व स्थापित किया जिसके अवशेष अभी भी विद्यमान हैं। संविधान में सरकारी काम-काज की भाषा यानी ह्यराज भाषा ह्य (आफीशियल लैंग्वेज) का विचार अपनाया गया। संविधान का भाग 17 का अनुछेद 343 कहता है संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देव नागरीह्ल होगी। राजभाषा को अपरिभाषित छोड़ दिया गया परंतु प्रशासनिक उद्देश्य से उसे जोड़ा गया। साथ ही अनुछेद 351 में हिंदी के विकास को संघ के कर्तव्य के रूप में अंकित किया गया। राजभाषा विभाग बना और हिंदी फले-फूले इसके लिए बहुत से उपक्रम शुरू हुए।

राजभाषा नीति और उसके अनुपालन को लेकर धींगामुश्ती होती रही। संविधान ने आठवीं सूची नामक एक विशेष प्रावधान भी बनाया और 14 भाषाओं की सूची डाली। इस सूची का विस्तार होता रहा और अब इसमें 22 भाषाएं हैं। अभी 38 अन्य भाषाओं से गुहार है कि उनको भी शामिल कर लिया जाय हालांकि सूची में सदस्यता का भाषा के विकास के साथ कोई कार्य कारण सम्बन्ध नहीं दिखता। 1965 तक आते आते हिंदी की राजभाषा का सवाल मुल्तवी हो गया क्योंकि वह सक्षम नहीं लगी और अंग्रेजी में कार्य करते रहने के लिए असीमित छूट ले ली गई। अंग्रेजी का वर्चस्व बना रहा। इस बीच हिंदी के संस्थानों, समितियों, पुरस्कारों, समितियों, अकादमियों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहल होती रही। अब अनेक विश्वविद्यालयों, कार्यालयों और प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी में अवसर मिल रहे हैं तथापि स्थिति पूर्णतः संतोषजनक नहीं है। मीडिया, सिनेमा, व्यापार, विज्ञापन और लोक भाषा के रूप में हिंदी आगे बढ़ रही है। भारत के बाहर मॉरिशस, गुयाना, फीजी, त्रिनिदाद, दक्षिण अफ्रीका आदि अनेक देशों में भारतीय मूल के लोग वर्षों पहले पहुंचे और अपने साथ हिंदी भी ले गए। पड़ोसी देशों में भी हिंदी बोली और समझी जाती है। इसके अतिरिक्त हिंदी का पठन पाठन अनेक देशों में होता है। हिंदी की अंतरराष्ट्रीय छवि को तब विशेष बल मिला जब नागपुर में 10 जनवरी 1975 में नागपुर में विश्व हिन्दी सम्मलेन का पहली बार आयोजन हुआ। इस ऐतिहासिक पहल की स्मृति में 2006 से ह्यविश्व हिन्दी दिवसह्ल मनाया जा रहा है। हिंदी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में बढ़ावा देने के संकल्प के साथ यह आयोजन शुरू हुआ था और तब से बारह ऐसे सम्मेलन भारत और अन्य देशों में हो चुके हैं। मारिशस में एक विश्व हिंदी सचिवालय तथा वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय बना है। अन्तर राष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध परिषद अनेक देशों में हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन के लिए प्राध्यापकों को उपलब्ध कराती है। हिंदी के वैश्विक प्रचार प्रसार के अनेक प्रयास हो रहे हैं। 12 वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन फि जी में हुआ था। ऐसे सम्मेलनों से न केवल हिंदी को वैश्विक मंच मिला है बल्कि विश्व में अन्यत्र रहने वाले हिंदी भाषियों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में भी मदद मिली है। आज हिंदी भाषा संयुक्त राष्ट्र में गैर आधिकारिक भाषाओं की सूची में सम्मिलित है। विश्व में अंग्रेजी और मंडारिन (चीनी) भाषाओं के बाद इसी का स्थान आता है। प्रवासी समुदाय में हिन्दी प्रचलित है, उसका उच्च कोटि का साहित्य है और अनुमानतः 60 करोड़ से अधिक लोग इसे बोलते हैं। हिंदी के प्रति जागरूकता और प्रचार प्रसार का कार्य प्रगति पर है। इस वर्ष विश्व हिंदी दिवस पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक के विकास पर केंद्रित है।

दैनिक पंचांग

11 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.01 बजे से
चंद्र	तुला में	कुंभ	08.47 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.20 बजे से
बुध	धनु में	मेष	11.50 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.30 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.29 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.42 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	19.58 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.10 बजे से
		तुला	00.21 बजे से
		वृश्चिक	02.35 ब.से
		धनु	04.51 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 11 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी 10.21 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 18.12 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 17.27 बजे को समाप्त।
करण कौलव 10.21 बजे तदनन्तर तैतिल 23.30 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 50'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872586
जूलियन दिन 2461051.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब
तारीख 21

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

फुदकीपुर में अज्ञात चोरों ने एक घर को बनाया निशाना, चोरी का असफल प्रयास, शिकायत दर्ज

साहिबगंज: जिले के राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत उत्तरी सरफराजगंज पंचायत के फुदकीपुर नया टोला गांव में देर रात को अज्ञात चोरों ने एक घर को निशान बनाकर चोरी का असफल प्रयास किया। मिली जानकारी के अनुसार घर के सभी सदस्य सो रहे थे तभी अज्ञात चोर दीवार फांदकर घर में प्रवेश किया। तभी चोर की आहट सुनकर घर के सदस्य जाग गए और बाहर निकलने पर चोर दीवार फांदकर भागने में सफल रहा। मामले को लेकर प्रीतम घोष ने शनिवार को राधानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज किया है। उन्होंने पुलिस को आवेदन देकर बताया है कि देर रात्रि घर के सभी सदस्य सो रहे थे। तभी रात्रि करीब 12 बजे अज्ञात चोर दीवार फांदकर घर में घुस आया। वही आहट सुनकर घर के दरवाजा खोलने पर अज्ञात चोर रात्रि का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। हालांकि किसी प्रकार की चोरी की घटना नहीं हुई है। वही पीड़ित ने बताया कि पूर्व में भी 29 दिसंबर को फुदकीपुर घोष टोला गांव में रात करीब 10 बजे हथियार से लैस चार पांच की संख्या में नकाबपोश अपराधियों ने एक घर में घुसकर परिवार के सदस्यों को बंधक बना लिया और रुपयों की मांग करने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दो लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए थे। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में भय व्याप्त है और जान माल की सुरक्षा को लेकर शासन प्रशासन से न्याय की मांग कर रहे है।

पटमदा और बोड़ाम के डीलरो को मिला 4 जी ई पॉस मशीन, नेटवर्क की समस्या से मिलेगा निजात

पटमदा: पटमदा एवं बोड़ाम प्रखण्ड के ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में लंबे समय से 2जी नेटवर्क के कारण जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को अनाज आपूर्ति में आ रही तकनीकी समस्याओं का समाधान हो गया है। इस संबंध में विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू, समाजसेवी विश्वनाथ महतो द्वारा हाल ही में उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम को ज्ञापन सौंपा गया था। जिस पर उपायुक्त ने त्वरित संज्ञान लेते हुए पटमदा प्रखण्ड सभागार में 4जी युक्त नई ई-पोस मशीन का वितरण सुनिश्चित कराया। ज्ञात हो कि 2G नेटवर्क के कारण ई-पोस मशीनों से राशन वितरण में बार-बार बाधा उत्पन्न हो रही थी। जिससे लाभुकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। झारखण्ड सरकार के निदेर्शानुसार अब 2जी ई-पोस मशीन को हटाकर 4जी युक्त नई मशीनें उपलब्ध कराया गया। जिससे राशन वितरण प्रक्रिया अधिक सुचारू और पारदर्शी होगी। पटमदा प्रखण्ड सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संबंधित राशन दुकानदारों को नई मशीनें सौंपी गईं। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि नई तकनीक से अब नेटवर्क की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी और लाभुकों को समय पर अनाज मिल सकेगा। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू, जिला परिषद खगेन महतो, प्रमुख बालिका सोरेन, समाजसेवी विश्वनाथ महतो ने उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनहित के मुद्दे पर उपायुक्त का त्वरित निर्णय प्रशंसनीय है।

मॉडल कॉलेज में सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस एवं विश्व हिंदी दिवस मनाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मॉडल कॉलेज राजमहल, में 10 जनवरी को सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के 34वें स्थापना दिवस 2026 के अवसर पर विविध शैक्षणिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में उत्साह एवं रचनात्मकता देखने योग्य थी। कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली, पेंटिंग, निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अमर शहीद सिदोझकान्हु मुर्मू के चित्र पर पुष्प अर्पित व सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलगीत से आगाज हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाविद प्रबीर सिंह उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने उच्च शिक्षा के ऐतिहासिक विकास पर क्रमबद्ध रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि ह्शिक्षा केवल नौकरी प्राप्त करने का साधन नहीं है, बल्कि समाज को शिक्षित, जागरूक और संवेदनशील बनाने का माध्यम भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के अध्यक्षीय संबोधन में सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के इतिहास, उसकी स्थापना के उद्देश्य तथा संथाल परगना क्षेत्र के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे

भाषण प्रतियोगिता में जैनब आर. ने प्रथम, नीलिमा ने द्वितीय तथा श्यामल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में चांदनी कुमारी प्रथम, नीतू कुमारी द्वितीय एवं नेहा कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। पेंटिंग प्रतियोगिता में किरण ने प्रथम, मशर्रत जहाँ ने द्वितीय तथा नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में पूजा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि टीम नूपुर, इशिता एवं रिमी चौधरी द्वितीय स्थान पर रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में सुजीत मंडल को सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी घोषित किया गया। स्थापना दिवस के साथ-साथ महाविद्यालय में विश्व हिंदी दिवस का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ रणजीत ने हिंदी के राष्ट्र मंडल से सोशल मीडिया तक हिन्दी एक वैश्विक संपर्क भाषा बन चुकी है वहीं हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अमित कुमार ने हिंदी भाषा के वैश्विक महत्व, उसकी संवैधानिक स्थिति एवं आधुनिक युग में उसकी उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। समापन अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को मेडल ट्राफी प्रदान कर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

हाई स्कूल अमड़ापाड़ा में पारंपरिक तरीके के साथ मनाया गया सोहराय पर्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड अंतर्गत हाई स्कूल अमड़ापाड़ा परिसर में आदिवासी समाज का प्रमुख पर्व सोहराय हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आदिवासी समाज की परंपरा के अनुसार मांदर की थाप और पारंपरिक गीतों की धुन पर बच्चें झूमते-नाचते नजर आए। सोहराय महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य चंदन कुमार मौजूद थे। मौके पर आदिवासी समुदाय की छात्र छात्राओं ने सामूहिक रूप से नृत्य संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया। पर्व के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राएं और शिक्षकों ने पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। मौके पर शिक्षिका शीला सोरेन ने सोहराय पर्व को लेकर छात्र छात्राओं को अपनी सभ्यता और संस्कृति को बचाकर रखने और देश में अपनी पहचान स्थापित करने की अपील की। वहीं प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि परीक्षा नजदीक है, सभी अथक परिश्रम कर बेहतर परिणाम प्राप्त करें। हम पर्व को कम अवधि में मना रहें हैं। आगे उन्होंने कहा कि सोहराय पर्व सामूहिक रूप से हर क्षेत्र में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय का पर्व सोहराय प्रकृति का पर्व है और समूह के साथ मिलजुल कर भाईचारे के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। मौके पर शिक्षक जॉन सुभाष मुर्मु, संतोष कुमार टुडू, हिरोशील हांसदा, शिक्षिका मीनू मोनिका, एलिजाबेथ टुडू, उषा किरण हेम्ब्रम, किरणलता टुडू, संतोषणी बेसरा, लक्ष्मी हेम्ब्रम सहित आदिवासी छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

राष्ट्रीय साहित्यिक, दो दिवसीय कवि सम्मेलन साहित्य समागम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर में साहित्य की दुनिया राष्ट्रीय साहित्यिक मंच का दो दिवसीय कवि सम्मेलन साहित्य समागम का हुआ शुभारंभ। शनिवार को उत्सव बैंक्विट हॉल में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव के द्वारा राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर मंच के अध्यक्ष गोपाल श्रीवास्तव ने बताया कि लिंग मजबूत में नागपुर महाराष्ट्र से अभय पांडे, रायसेन मध्य प्रदेश से, विनीता धाकड़ सिमडेगा झारखंड से, बिंदु श्रीवास्तव महाराष्ट्र के मुंबई से, पल्लवी रानी उत्तर प्रदेश की अयोध्या से, कुमारी मोहनी तथा आस्था निर प्रयागराज से, आशा झा गुरुग्राम हरियाणा से, पंकज जौहरी छत्तीसगढ़ से, मिताली श्रीवास्तव लखनऊ उत्तर प्रदेश से, खालिद हुसैन सिद्धकी के अलावा बिहार से संगीता गुप्ता, सुनीता झा, डॉक्टर सच्चिदानंद पाठक, धनंजय सुमन, गौरी तिवारी, झारखंड के अलग-अलग जिलों से बिंदु श्रीवास्तव, नवीन चंद्र ठाकुर, जतिन कुमार के साथ-साथ साहिबगंज के सुधीर श्रीवास्तव, अभय कुमार, गोपाल श्रीवास्तव, विजय भारती, सुबोध कुमार झा के अलावा स्थानीय विभिन्न विद्यालयों के 15 बालकवी भी इस कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देंगे। शनिवार को उद्घाटन सत्र के बाद अपराह्न 2:00 बजे से कवि सम्मेलन का आगाज किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन का संचालन शहर के जाने-माने भगवती रंजन पांडे द्वारा किया गया। जबकि प्रथम सत्र के कवि सम्मेलन का संचालन दुमका से आए कवि नवीन चंद्र ठाकुर ने किया। इस मौके पर कवियों ने वीर रस श्रृंगार रस एवं हास्य रस की गंगा प्रवाहित की। स्थान या की सुमधुर वाणी से दर्शकों का ने जमकर आनंद उठाया।

मकर संक्रांति व सोहराय पर्व पर बीएफसीएल ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में किया सामग्री वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मकर संक्रांति और सोहराय पर्व के शुभ अवसर पर, बिहार फाऊंडरी एंड कास्टिंग लिमिटेड ने कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय, रामगढ़ में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में, बीएफसीएल के द्वारा स्कूल की बच्चियों के बीच चूड़ा, तिलकुट, गुड़, दही और गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। इस अवसर पर, कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय की प्रिंसिपल अल्पना कुमारी ने कहा कि मकर संक्रांति और सोहराय पर्व हमारे जीवन में खुशियों और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने बीएफसीएल को इस कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों को अपने संस्कृति और परंपराओं के बारे में जानने का अवसर मिलता है। बीएफसीएल के सीनियर जनरल मैनेजर राकेश गुप्ता ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हम समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की मदद करें और उनकी खुशियों में शामिल हों। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति और सोहराय पर्व के अवसर पर, हम कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय के बच्चों के साथ मिलकर इस पर्व को मनाने के लिए उत्साहित हैं। इस कार्यक्रम में, सीएसआर प्रमुख आशीष कटारिया ने कहा कि मकर संक्रांति और सोहराय पर्व हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण अवसर है, जब हम अपने परिवार और समाज के साथ मिलकर खुशियां मनाते हैं। उन्होंने कहा कि बीएफसीएल इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विकास में योगदान देना चाहती है। इस अवसर पर, स्कूल की बच्चियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और बीएफसीएल को इस कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया। एक छात्रा ने कहा कि हमें बहुत खुशी है कि बीएफसीएल ने हमारे लिए इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया है।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में विश्व हिंदी दिवस पर विचार-संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, रामगढ़ के हिंदी विभाग में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर एक सारगर्भित चर्चा-परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय हिंदी : एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा आधुनिक समय में हिंदी की वैश्विक उपस्थिति, सांस्कृतिक महत्त्व, भाषाई अस्मिता तथा राष्ट्र की एकता में इसकी भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। परिचर्चा का प्रारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. मनमीत कौर द्वारा विश्व हिंदी दिवस के ऐतिहासिक सन्दर्भ, हिंदी के अंतरराष्ट्रीय विस्तार और डिजिटल मीडिया युग में हिंदी की सुदृढ़ होती उपस्थिति के उल्लेख से हुआ। वक्ताओं ने विशेष रूप से यह रेखांकित किया कि हिंदी भाषा केवल साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक बंधन, सामाजिक समरसता और पहचान की प्रतीक है। सत्र में विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रवासी भारतीयों द्वारा हिंदी के संरक्षण, वैश्विक मंचों पर हिंदी की भूमिका, हिंदी अनुवाद उद्योग के विस्तार तथा हिंदी की भाषिक क्षमता पर विचार रखे। परिचर्चा में यह निष्कर्ष सामने आया कि हिंदी आज विश्व की प्रमुख भाषाओं में तेजी से उभर रही है और सांस्कृतिक कूटनीति में इसकी भूमिका निरंतर सुदृढ़ हो रही है। कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह का सन्देश विभाग को प्राप्त हुआ।

साहिबगंज में गुड समारिटन एवं हिट एंड रन योजना पर सहायता हेल्प कैंप का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के दसवें दिन साहिबगंज जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत गुड समारिटन योजना एवं हिट एंड रन मुआवजा योजना से संबंधित सहायता हेल्प कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने हेतु आम जनमानस को जागरूक करना एवं संबंधित योजनाओं का लाभ दिलाना रहा। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में गुड समारिटन योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को बिना किसी संकोच के गोल्डन आवर अर्थात दुर्घटना के एक घंटे के भीतर सहायता पहुंचाने वाले व्यक्ति को गुड समारिटन कहा जाता है। ऐसे नेक नागरिकों को झारखंड गुड समारिटन पॉलिसीझ2026 के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 25 हजार रूपए की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। जिले के प्रमुख स्थलों एवं सरकारी कार्यालयों में लगाए गए सहायता हेल्प कैंप के माध्यम से गुड समारिटन एवं हिट एंड रन योजनाओं से संबंधित लंबित मामलों का निष्पादन किया गया तथा आम नागरिकों को योजनाओं की प्रक्रिया एवं लाभों से अवगत कराया गया।कार्यक्रम के दौरान गुड समारिटन नीति के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इस पहल का मुख्य लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना एवं दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में कमी लाना है। मोटर वाहन निरीक्षक कुमार उत्कर्ष ने बताया कि घायल व्यक्ति की सहायता करने वालों को किसी भी प्रकार की पुलिस या कानूनी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके विपरीत, ऐसे नेक नागरिकों को पुलिस प्रशासन द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा, जिससे समाज में संवेदनशीलता एवं सहयोग की भावना को बढ़ावा मिले। साथ ही आम जनमानस से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, हेलमेट, सीटबेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने एवं यातायात नियमों के प्रति सजग रहने की अपील की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाना तथा दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर को न्यूनतम करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत गुड समारिटन , राहवीर योजना एवं हिट एंड रन योजना से संबंधित जागरूकता पंपलेट, बुकलेट एवं हैंडबिल का वितरण कर लोगों को जागरूक किया गया।

संक्षिप्त खबरें

बीएफसीएल व आइरिस के सहयोग से पंचायत भवन मरार में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड ने शनिवार को पंचायत भवन, मरार रामगढ़ में आइरिस के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में और आस पास के इलाकों के करीब 128 लोगों की जांच की गई। इस अवसर पर आइरिस के चिकित्सकों ने मरीजों के आँखों की जांच की। शिविर के दौरान जिनकी आँखों की रोशनी कम पाई गई उन्हे पावर चश्मा प्रदान किया जाएगा साथ ही जो मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए उन्हे नि:शुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था कंपनी द्वारा की जाएगी। इससे पहले 7 जनवरी को महतो टोला, 9 जनवरी को सिंह होटल, रांची रोड में भी आयोजित किया गया था। जिसमें क्रमश: 100 और 125 मरीजों की जांच की गई थी। इस अवसर पर बिहार फाउंड्री के वरिष्ठ महाप्रबंधक राकेश गुप्ता, उप महाप्रबंधक आशीष कटारिया, वरिष्ठ अधिकारी शुभम कुमार ,प्रतिष्ठा पाठक एवं सीएसआर टीम के सदस्य उपस्थित रहे। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड ने इस शिविर के माध्यम से स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है। कंपनी द्वारा आयोजित इस तरह के कार्यक्रमों से स्थानीय लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही हैं।

प्रखंड कांग्रेस अध्यक्षों ने सार्वजनिक की अपनी पीड़ा, लगाया उपेक्षा का आरोप

पाकुड़ : जिले में हिरणपुर लिट्टीपाडा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकताओं की लगातार उपेक्षा हो रही है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाशत नहीं किया जाएगा। यह बातें कांग्रेस नेता मनोवर आलम ने कही। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि हालात नहीं सुधरे तो प्रखंड स्तर पर तालाबंदी जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं। हिरणपुर प्रखंड स्थित रिचा रेस्टोरेंट में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में लिट्टीपाड़ा और हिरणपुर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्षों ने अपनी पीड़ा सार्वजनिक की। लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष मुरशिद आलम ने कहा कि चुनाव को लगभग एक वर्ष हो चुका है। चुनाव के दौरान पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर कांग्रेस कार्यकताओं ने गठबंधन धर्म का पूरी निष्ठा से पालन करते हुए प्रचार किया और गठबंधन को जीत भी मिली, लेकिन इसके बावजूद माननीय विधायक और सांसद द्वारा किसी भी सरकारी कार्यक्रम या क्षेत्र भ्रमण की सूचना कांग्रेस कार्यकताओं को नहीं दी जाती। उन्होंने मांग की कि कार्यकताओं को भी सम्मान मिले, ताकि जनता के बीच उनकी प्रतिष्ठा बनी रहे। हिरणपुर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी बैठकों में जो भी निर्देश मिलते हैं, उनका पालन किया जाता है। हाल ही में चले सेवा सप्ताह कार्यक्रम में शामिल होने का स्पष्ट निर्देश था, लेकिन इसकी सूचना तक प्रखंड कांग्रेस को नहीं दी गई। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जिला से डॉ. अमित का स्थानांतरण हुए दो वर्ष बीत चुके हैं, फिर भी उन्हें विरमित क्यों नहीं किया गया—यह किसके आदेश या प्रभाव में रोका गया है, इसकी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। उन्होंने अबुआ आवास योजना में भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए। बताया कि पहले जनता ने उपायुक्त से शिकायत की थी और बाद में स्वयं प्रखंड विकास पदाधिकारी से पंचायत सचिव को हटाने की मांग की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि भ्रष्टाचार करने वालों को संरक्षण क्यों दिया जा रहा है।

उद्यान विभाग द्वारा 84 कृषकों के बीच गेंदा फूल के पौधों का वितरण

साहिबगंज: वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत उद्यान विकास कार्यक्रम के तहत जिला साहिबगंज के बरहेट प्रखंड में कृषकों को पुष्प उत्पादन से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अवसर पर बरहेट प्रखंड के कुल 84 कृषकों के बीच गेंदा फूल के पौधों का वितरण किया गया। यह वितरण जेएसएलपीएस की प्रगतिशील कृषक दीदियों के माध्यम से किया गया, जिससे कृषकों की आय में वृद्धि एवं स्वरोजगार को बढ़ावा मिल सके। गेंदा फूल के पौधों का वितरण कार्यक्रम बरहेट प्रखंड के कुसमा पंचायत की मुखिया सुशीला हांसदा के द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कृषकों को पुष्प उत्पादन को अपनाकर आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम स्थल पर उद्यान विभाग से प्रेम पासवान, बागवान मित्र बाबूजी देव सोरेन, उत्पल , जेएसएलपीएस के कर्मीगण सहित कई प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से इस पहल की सराहना करते हुए इसे कृषकों के लिए लाभकारी बताया। उद्यान विभाग द्वारा बताया गया कि गेंदा फूल की खेती कम लागत में अधिक लाभ देने वाली फसल है, जिससे कृषकों को त्वरित आय प्राप्त होती है। भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से कृषकों को तकनीकी सहयोग एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाते रहेंगे।

मिर्जाचौकी थाना में थाना दिवस का किया गया आयोजन, मंडरो सीओ रहे मौजूद

साहिबगंज: मिजाचौकी थाना में शनिवार को थाना दिवस का किया गया आयोजन। इस दिवस पर थाना में जनता दरबार लगाया गया। जिसमें जमीन संबंधित मामलों का निपटारा किया गया। मिली जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के आदेश के बाद पुलिस मुख्यालय ने इसे अनिवार्य रूप से लागू कर दिया है। थाना दिवस के अवसर पर मंडरो प्रखंड के सीओ संजय कुमार शुक्ला मौजूद थे। वही बताया गया कि सरकार के स्तर पर यह पहल इसलिए की गई है कि ग्रामीणों के छोटे-मोटे विवाद जमीन विवाद आदि के लिए कभी थाना कभी अंचल आदि का चक्कर लगाना नहीं पड़े।ग्रामीणों की शिकायत रहती है कि वह थाना अंचल का चक्कर लगा रहे हैं लेकिन अधिकारी से मुलाकात नहीं हो पाती है।सरकार ने इसका हल निकालते हुए एक तिथि निर्धारित की है जहां थाना और अंचल के अधिकारी जनता की सेवा में मौजूद रहेंगे। कोर्ट से पहुंचने वाले छोटे-मोटे मामले थाना दिवसीय जनता दरबार में आसानी से निपट जाएंगे । इससे आम जनता को फायदा होगा।

सीजन की शुरुआत में ही औंधे मुंह गिरे आलू के दाम, किसान बेहाल

मंडियों में भारी आवक से कीमतों पर दबाव

नई दिल्ली ।

सीजन की शुरुआत होते ही देशभर की मंडियों में आलू के दाम तेजी से गिर गए हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई स्थानों पर किसानों को अपनी लागत भी नहीं मिल पा रही है। कीमतों में भारी गिरावट से परेशान किसान मजबूरी में अपनी उपज सड़कों पर फेंकने को विवश हैं। थोक बाजार के साथ-साथ खुदरा बाजार में भी आलू सस्ता हो गया है। जानकारों के मुताबिक आलू के दाम गिरने की सबसे बड़ी वजह पिछले साल का भारी स्टॉक है, जो अब भी बड़ी मात्रा में कोल्ड स्टोरेज में भरा पड़ा है। इसके अलावा अनुकूल मौसम के चलते इस साल भी आलू की बंपर पैदावार की उम्मीद है। पुराना आलू खराब होने के डर से बाजार में उतारा जा रहा है, वहीं नए आलू की आवक भी लगातार बढ़ रही है। इससे मंडियों में सप्लाई मांग से कहीं अधिक हो गई है। उत्तर प्रदेश की प्रमुख मंडी आगरा में आलू के थोक भाव एक महीने में 900-1,250 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 500-650 रुपये रह गए हैं। पश्चिम बंगाल की कोलकाता मंडी में भाव 1,500-1,550 रुपये से गिरकर 1,100-1,200 रुपये प्रति क्विंटल हो गए हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश की इंदौर मंडी और दिल्ली की मंडियों में भी भाव 300-900 रुपये प्रति क्विंटल तक लुढ़क गए हैं। मंडियों में कीमतें गिरने का असर खुदरा बाजार पर भी पड़ा है। पिछले महीने जहां आलू 20 से 25 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत 13 से 20 रुपये प्रति किलो रह गई है। मंडियों में साधारण आलू 5-6 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। कारोबारियों का कहना है कि इस महीने आलू के दाम दबाव में बने रह सकते हैं, लेकिन जैसे-जैसे आवक घटेगी, अगले महीने से कीमतों में कुछ सुधार की उम्मीद है।

होम लोन इंश्योरेंस में ऑनलाइन विकल्प से बढ़ सकती है सुरक्षा और बचत

- अपनी जरूरतों के अनुसार कर सकते हैं पॉलिसी का सही चुनाव

नई दिल्ली ।

भारत में होम लोन अब केवल एक अल्पकालिक वित्तीय जरूरत नहीं रह गया है, बल्कि यह एक लंबी अवधि की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन चुका है। बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों के कारण लोन की राशि और अवधि दोनों बढ़ गई हैं, जिसके चलते होम लोन इंश्योरेंस की आवश्यकता भी पहले से कहीं ज्यादा महसूस हो रही है। इस इंश्योरेंस का मुख्य उद्देश्य उधारकर्ता की असमय मृत्यु या अन्य अप्रत्याशित स्थितियों में परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। आजकल ऑनलाइन होम लोन इंश्योरेंस तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। डिजिटल माध्यम से ली जाने वाली पॉलिसियों में प्रीमियम कम होता है और ग्राहकों को शर्तों, कवरेज और लागत की स्पष्ट जानकारी मिलती है। इससे ग्राहक अपनी जरूरतों के अनुसार पॉलिसी का सही चुनाव कर सकते हैं। वहीं बैंक और अन्य लेंडर्स द्वारा ऑफलाइन पॉलिसी की पेशकश की जाती है, जो अक्सर उच्च प्रीमियम, कमीशन और प्रशासनिक खर्चों के साथ होती है। इसके अलावा, ऑफलाइन पॉलिसी में लचीलापन की कमी और क्लेम की राशि का सीधे बैंक को मिलना जैसे मुद्दे भी सामने आते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि होम लोन इंश्योरेंस का चुनाव करते समय केवल सुविधा और बैंक की पेशकश पर ध्यान न देकर, लागत, पारदर्शिता और लचीलापन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सही पॉलिसी परिवार की वित्तीय सुरक्षा को मजबूती देती है और खर्च कम करने में मदद करती है।

वर्ल्ड कार अवॉर्ड्स के छह प्रमुख कैटेगरी के टॉप फाइनलिस्ट तैयार, 1 अप्रैल को होगा ऐलान

न्यूयॉर्क।

2026 वर्ल्ड कार अवॉर्ड्स की शुरुआत के साथ ही ऑटोमोबाइल जगत में हलचल तेज हो गई है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता को इस बार बेम्बो के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और शुरुआती चरण में छह प्रमुख कैटेगरी के टॉप फाइनलिस्ट सामने आ चुके हैं। इन नतीजों को वैश्विक प्रोफेशनल ऑडिट कंपनी केपीएमजी द्वारा प्रमाणित किया गया है, जिससे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता और मजबूत हो जाती है। अब सबकी नजरें 1 अप्रैल 2026 पर टिकी हैं। इस अवॉर्ड के चयन की प्रक्रिया को दुनिया की सबसे निष्पक्ष प्रक्रियाओं में गिना जाता है। 33 देशों के 98 अनुभवी ऑटोमोटिव जर्नलिस्ट्स ने इसमें भाग लिया, जिन्होंने कारों को अपने नियमित प्रोफेशनल टेस्ट ड्राइव और रिव्यू अनुभव के आधार पर जांचा। भारत से योगेन्द्र प्रताप भी इस अंतरराष्ट्रीय जूरी का हिस्सा रहे। सभी जजों ने सीक्रेट बैलेट सिस्टम के जरिए वोटिंग की, जिससे किसी भी तरह के पक्षपात की गुंजाइश नहीं रही। बेम्बो के सीईओ ने इस साल चुनी गई कारों की जमकर तारीफ की है। उनके मुताबिक वर्ल्ड कार अवॉर्ड्स अब ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में क्वालिटी, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का वैश्विक मानक बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की कारें न केवल बेहतर परफॉर्मेंस देती हैं, बल्कि भविष्य की मोबिलिटी की दिशा भी तय करती हैं। वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर 2026 की मुख्य कैटेगरी में 58 कारों में से टॉप 10 को चुना गया है। इस सूची में ऑडी क्यू5, बीएमडब्ल्यू आईएक्स3, बीवॉयडी सेल 6 डीदएम-आई, हुंडई लोनिक ढ्ढशठ्ठद्बह्व 9, हुंडई पालिसेड, किया ईवी4, किया ईवी5, मर्सिटीज बैंज सीएलए, निशान लेफ और टोयोटा आरएवी4 जैसी कारें शामिल हैं। यह सूची इस बात का संकेत है कि इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और पारंपरिक इंजन वाली कारें अब एक ही मंच पर बराबरी से मुकाबला कर रही हैं। इलेक्ट्रिक कार कैटेगरी में ऑडी ए6 ई-टॉर्न, बीएमडब्ल्यू आईएक्स3, हुंडई लोनिक9, मर्सिटीज-बैंज सीएलए और निशान लेफ ने अपनी जगह बनाई है, जो ईवी सेगमेंट की तेजी से बढ़ती ताकत को दर्शाता है। लग्जरी कार कैटेगरी में ऑडी ए6, काडिलिक्स विस्तिक, लुकिड ग्रेवेटी और वॉल्वो ईएस90 जैसे प्रीमियम मॉडल शामिल हैं, जबकि परफॉर्मेंस कैटेगरी में बीएमडब्ल्यू एम2 सीएस, कॉरवैटे ई-राय, डिवेंडर ओसटीए और मर्सिटीज-एएमजी जीटी 63 प्रो जैसी दमदार कारें मुकाबले में हैं।

आईआईएएस ने ग्रो की मूल कंपनी के प्रस्तावों का विरोध किया

सभी पांच प्रस्तावों के खिलाफ वोट की सिफारिश

नई दिल्ली ।

प्रॉक्सी सलाहकार फर्म इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज (आईआईएएस) ने ग्रो की मूल कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स लिमिटेड के सभी पांच प्रस्तावों के खिलाफ वोट करने की सिफारिश की है। फर्म ने कहा कि ये प्रस्ताव कॉरपोरेट गवर्नेंस और पारदर्शिता के मानकों के अनुरूप नहीं हैं। आईआईएएस ने कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) 2024 के तहत 33.15 करोड़ शेयर ऑप्शंस जारी करने के प्रस्ताव का विरोध किया। फर्म ने कहा कि ऑप्शन के मूल्य निर्धारण में स्पष्टता नहीं है और यह नामांकन और पारिश्रमिक समिति द्वारा तय किया जाएगा। इसके अलावा, ऑप्शन की प्रयोग अवधि असामान्य रूप से लंबी है, वेस्टिंग के बाद 20 साल तक और लिस्टिंग के बाद 10 साल तक। कंपनी ने ओर्टिकल आफ एसो सिएशन में संशोधन कर संस्थापकों को बोर्ड में निदेशक नामित करने का अधिकार देने का प्रस्ताव रखा। आईआइएएस ने बिना न्यूनतम शेयरधारिता सीमा के ऐसे अधिकारों का विरोध किया, जबकि पीक एक्सवी पार्टनर को हिस्सेदारी की शर्त पर यह

अधिकार देने का समर्थन किया।

टोयोटा की कारों की कीमतों में बढ़ोतरी, भारतीय ग्राहकों पर पड़ेगा असर

फॉर्च्यूनर के वेरिएंट की कीमतें 51,000 से लेकर 74,000 तक बढ़ी

मुंबई ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हाल ही में टोयोटा ने अपनी प्रमुख कारों- फॉर्च्यूनर और इनोवा की कीमतों में वृद्धि की है। फॉर्च्यूनर के वेरिएंट की कीमतों में 51,000 रुपये से लेकर 74,000 रुपये तक का इज़ाफ़ा देखा गया है। बेस 4 गुणित 2 एमटी पेट्रोल वेरिएंट अब 34.16 लाख रुपये में उपलब्ध है, जबकि पहले यह 33.65 लाख रुपये थी। 4 गुणित 4 लाइनअप की कीमत 38.68 लाख रुपये से शुरू होती है, जो पहले 38.11 लाख रुपये थी। 4 गुणित 2 एटी लीजेंडर वेरिएंट में 63,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है और अब यह 42.17 लाख रुपये में उपलब्ध है। फॉर्च्यूनर नियो ड्राइव 4 गुणित 4 एटी वेरिएंट की कीमत 42.37 लाख रुपये हो गई है, वहीं 4 गुणित 4 एमटी लीजेंडर अब 44.30 लाख रुपये में उपलब्ध है। टॉप-स्पेक जीआरएस वेरिएंट अब 49.59 लाख रुपये का हो गया है। टोयोटा ने इस लाइनअप में कुछ सीमित संस्करण जैसे लीडर वेरिएंट को भी बंद कर दिया है। टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस के बेस जीएक्स 7 सीटर और 8 सीटर वेरिएंट को बंद कर दिया गया है। नया बेस जीएक्स 7 सीटर अब 19.15 लाख रुपये में उपलब्ध है, जो पहले 18.86 लाख रुपये था। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वीएक्स वेरिएंट की कीमत में 40,000 रुपये की वृद्धि हुई है। टॉप वेरिएंट जीएक्स 7 सीटर अब 46,000 रुपये महंगा हो गया है, जबकि जेड एक्स (ओ) एलई 7 सीटर की कीमत 32.38 लाख रुपये तक बढ़ गई है।

ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों के अनुसार, उत्पादन लागत में वृद्धि और बढ़ती मांग के कारण यह कीमतों का सामान्य रुझान है।

आरबीआई का अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड निवेश घटकर 190 अरब डॉलर हुआ

चीन, ब्राजील, सऊदी अरब और हांगकांग ने भी अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड में हिस्सेदारी घटाई

नई दिल्ली । अक्टूबर 2025 तक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड में निवेश लगभग 190 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल के मुकाबले 50.7 अरब डॉलर कम है। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी और अन्य विकसित देशों में बढ़ते वित्तीय दबावों के कारण बॉन्ड यील्ड में वृद्धि हुई है, जिससे ट्रेजरी बॉन्ड में वैल्यूएशन लॉस का जोखिम बढ़ गया। इसी अवधि में आरबीआई ने अपने सोने के भंडार में बढ़ोतरी की है। अक्टूबर 2025 तक केंद्रीय बैंक के पास 880.18 मीट्रिक टन सोना था, जो पिछले साल 866.8 टन था। विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर 13.6 फीसदी हो गई, जबकि पिछली बार यह 9.3 फीसदी थी। भारत ही नहीं, चीन, ब्राजील, सऊदी अरब और हांगकांग ने भी अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक अनिश्चितताओं के बाद केंद्रीय बैंक डॉलर पर निर्भरता कम कर सुरक्षित एसेट जैसे सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

आरबीआई के यूडीजीएएम पोर्टल से घर बैठे चेक करें अनक्लेम्ड बैंक डिपॉजिट

नई दिल्ली ।

अक्सर लोग सोचते हैं कि सालों तक इस्तेमाल न होने पर बैंक खाते का पैसा खत्म हो जाता है। लेकिन वास्तविकता में जमा राशि सुरक्षित रहती है और उसे अनक्लेम्ड डिपॉजिट में दर्ज किया जाता है। ऐसे पैसे को खाताधारक या उनके वारिस कभी भी क्लेम कर सकते हैं। आरबीआई ने इस समस्या को आसान बनाने के लिए अनक्लेम्ड` डिपो जिट गेटवे टू एसेस इंफारमेशन (यूडीजीएएम) पोर्टल लॉन्च किया है। अब अलग-अलग बैंकों की शाखाओं में जाने की बजाय घर बैठे यह पता लगाया जा सकता है कि आपके या परिवार के नाम पर कोई राशि अनक्लेम्ड है या नहीं। पोर्टल पर नाम, जन्मतिथि जैसी जानकारी भरें। पुराने रिकॉर्ड में नाम अलग तरीके से दर्ज हो सकता है, इसलिए अलग-अलग स्पेलिंग से सर्च करना बेहतर होता है। अगर पोर्टल पर एंट्री मिलती है, तो बैंक से संपर्क करें। खाताधारक आसानी से क्लेम कर सकता है। कानूनी वारिस के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों की जरूरत होती है। 10 साल बाद भी पैसा आरबीआई के डीईएएफ में ट्रांसफर होने के बाद क्लेम किया जा सकता है।

आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने बैंकिंग में पारदर्शिता और विश्वास पर जोर दिया

मुंबई ।

डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने कहा कि बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की कीमत और शर्तें ग्राहकों के लिए स्पष्ट और पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने चेताया कि अगर मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता नहीं होगी, तो ग्राहक अन्य विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं। शंकर ने बैंकिंग उद्योग से आग्रह किया कि वह ऐसा वातावरण तैयार करे जहां कोई धोखाधड़ी न हो ताकि ग्राहकों का भरोसा बना रहे। उन्होंने कहा कि ग्राहकों का भरोसा ही उन्हें बैंकिंग प्रणाली के प्रति वफादार बनाए रखने की कुंजी है। प्रभावी मूल्य निर्धारण और पारदर्शिता से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ग्राहक जो मूल्य चुका रहे हैं, वह उचित और सही है। भारतीय बैंकिंग प्रणाली मजबूत है, लेकिन ग्राहकों का विश्वास बढ़ाने के लिए कुछ मूलभूत सिद्धांतों को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

केंद्र सरकार ग्रोक पर कानूनी कार्रवाई पर कर रही विचार

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय कर रहा समीक्षा

नई दिल्ली

। केंद्र सरकार ईलॉन मस्क के स्वामित्व वाले एआई चैटबॉट ग्रोक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। यह कदम ग्रोक द्वारा महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने के मामलों के कारण उठाया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ग्रोक अन्य सोशल मीडिया अकाउंट की तरह सामग्री तैयार करता है, और अगर यह गैरकानूनी है तो इसके खिलाफ भी वही कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि ग्रोक का तस्वीर बनाने का फीचर अब केवल भुगतान करने वाले प्रीमियम उपयोगकर्ताओं तक सीमित है,

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारी कहते हैं कि जब तक एक्स (पूर्व में ट्विटर) इसे भारत की आधिकारिक नीति के रूप में नहीं अपनाता, तब तक कार्रवाई की संभावना बनी रहती है। मंत्रालय ने एक्स को नोटिस भेजकर पूछा था कि ग्रोक ने महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक सामग्री बनाने की अनुमति कैसे दी। इस नोटिस के जवाब में एक्स ने जो विवरण भेजा, वह अधिकारियों को संतोषजनक नहीं लगा।

उन्होंने कहा कि इसमें उन कदमों का उल्लेख नहीं था जो प्लेटफॉर्म ने आपत्तिजनक सामग्री बनाने वाले उपयोगकर्ताओं के खिलाफ उठाए। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स को पत्र लिखा कि समयसीमा के भीतर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाया जाए और साक्ष्यों को प्रभावित न किया जाए। इसके एक दिन बाद ईलॉन मस्क ने चेतावनी दी कि ग्रोक का उपयोग करके गैरकानूनी सामग्री बनाने वालों को उसी तरह के परिणाम भुगतने होंगे जैसे अवैध सामग्री अपलोड करने वालों को भुगतने पड़ते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में तीन महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट

विदेशी निधियों की लगातार निकासी ने भी बाजार की कमजोरी को और गहरा किया

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने तीन महीने में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की, जिससे निवेशकों के बीच भारी निराशा और अनिश्चितता देखने को मिली। अमेरिकी टैरिफ बढ़ाने की संभावित चेतावनी, घरेलू और वैश्विक आर्थिक दबाव, तथा प्रमुख ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली ने बाजार पर लगातार दबाव बनाए रखा। विदेशी निधियों की लगातार निकासी ने भी बाजार की कमजोरी को और गहरा किया। इस दबाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमशः 1.84 फीसदी और 1.71 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को लाल निशान के साथ हुई, जब बीएसई सेंसेक्स 125.96 अंक गिरकर 85,636.05 पर खुला और अंततः 322.39 अंक की गिरावट के साथ 85,439.62 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 30.95 अंक गिरकर 26,297.60 पर खुला और सप्ताह की शुरुआत में 84.50 अंक की गिरावट के साथ 26,250.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार में गिरावट और तेज़ हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में बिकवाली के चलते सेंसेक्स 431.95 अंक गिरकर 85,007.67 पर खुला और 376.28 अंक की गिरावट के साथ 85,063.34 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 105.6 अंक की गिरावट के साथ 26,144.70 पर खुला और अंततः 71.60 अंक घटकर 26,178.70 पर बंद हुआ। बुधवार और गुरुवार को भी गिरावट का क्रम जारी रहा। गुरुवार को सेंसेक्स 780.18 अंक की गिरावट के साथ 84,180.96 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 263.90 अंक गिरकर 25,876.85 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सप्ताह का समापन भी लाल निशान के साथ हुआ, सेंसेक्स 604.72 अंक गिरकर 83,576.24 पर और निफ्टी 193.55 अंक गिरकर 25,683.30 पर बंद हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है ` कि सप्ताह भर का प्रदर्शन यह संकेत देता है कि विदेशी निवेशकों की निकासी, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और अमेरिका के संभावित टैरिफ वृद्धि की आशंका ने बाजार को दबाव में रखा।

भारत आत्मनिर्भर बनने की राह पर- शक्तिकांत दास

सरकार की नीतियां और सुधार भारत को मजबूत बनाने में कर रही हैं मदद

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के वरिष्ठ अधिकारी और पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत आज ऐतिहासिक यात्रा की दहलीज पर खड़ा है। उन्होंने पहला विवेक देवराय स्मृति व्याख्यान देते हुए वैश्वीकरण के पिछले दशकों में गति देने वाली आम सहमति के कमजोर पड़ने और बहुपक्षीय सहयोग में कठिनाइयों का जिक्र किया। दास ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का मतलब अलग-थलग पड़ना नहीं है। यह आर्थिक लचीलापन और क्षमता विकसित करने की रणनीति है। इसका लक्ष्य महत्वपूर्ण वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों के घरेलू उत्पादन की क्षमता बढ़ाना और विदेशी स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां और सुधार भारत को मजबूत, लचीला और प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर रही हैं। दास के अनुसार यह दृष्टिकोण न केवल मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सहायक है, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की दिशा में भी निर्णायक है।

केंद्र सरकार ग्रोक पर कानूनी कार्रवाई पर कर रही विचार

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय कर रहा समीक्षा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ईलॉन मस्क के स्वामित्व वाले एआई चैटबॉट ग्रोक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। यह कदम ग्रोक द्वारा महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने के मामलों के कारण उठाया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ग्रोक अन्य सोशल मीडिया अकाउंट की तरह सामग्री तैयार करता है, और अगर यह गैरकानूनी है तो इसके खिलाफ भी वही कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि ग्रोक का तस्वीर बनाने का फीचर अब केवल भुगतान करने वाले प्रीमियम उपयोगकर्ताओं तक सीमित है, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारी कहते हैं कि जब तक एक्स (पूर्व में ट्विटर) इसे भारत की आधिकारिक नीति के रूप में नहीं अपनाता, तब तक कार्रवाई की संभावना बनी रहती है। मंत्रालय ने एक्स को नोटिस भेजकर पूछा था कि ग्रोक ने महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक सामग्री बनाने की अनुमति कैसे दी। इस नोटिस के जवाब में एक्स ने जो विवरण भेजा, वह अधिकारियों को संतोषजनक नहीं लगा। उन्होंने कहा कि इसमें उन कदमों का उल्लेख नहीं था जो प्लेटफॉर्म ने आपत्तिजनक सामग्री बनाने वाले उपयोगकर्ताओं के खिलाफ उठाए।

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स को पत्र लिखा कि समयसीमा के भीतर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाया जाए और साक्ष्यों को प्रभावित न किया जाए। इसके एक दिन बाद ईलॉन मस्क ने चेतावनी दी कि ग्रोक का उपयोग करके गैरकानूनी सामग्री बनाने वालों को उसी तरह के परिणाम भुगतने होंगे जैसे अवैध सामग्री अपलोड करने वालों को भुगतने पड़ते हैं।

दार्जिलिंग चाय का उत्पादन 2025 में घटने की संभावना

नई दिल्ली ।

दार्जिलिंग की मशहूर चाय का उत्पादन 2025 में घट सकता है। चाय बोर्ड की वेबसाइट के अनुसार, जनवरी से नवंबर तक उत्पादन 51.9 लाख किलोग्राम रहा, जबकि 2024 में इसी अवधि में 56.9 लाख किलोग्राम था। 2024 का कुल उत्पादन 57.1 लाख किलोग्राम था। मौसम के बदलते मिजाज, श्रमिकों की कमी और आर्थिक दबाव मुख्य कारण हैं। चाय बोर्ड के उपाध्यक्ष सी. मुरुगन ने कहा कि उत्पादन पर नजर रखी जा रही है और अगले महीने तक अंतिम आंकड़े मिल जाएंगे। दार्जिलिंग का उत्पादन 1990 में 1.44 करोड़ किलोग्राम था, लेकिन लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। 2017 में गोरखालैंड आंदोलन के कारण 104 दिन उद्योग बंद रहने से उत्पादन केवल 32 लाख किलोग्राम रह गया था। लगभग 80-90 फीसदी बागान 70 साल से अधिक पुराने हैं। कई बागानों ने जैविक उत्पादन अपनाया, जिससे उत्पादन में कमी आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि दार्जिलिंग चाय की गिरावट कोई नई बात नहीं है, और यह लंबे समय से जारी है।

बिहार के 16 जिलों का न्यूनतम तापमान 7℃ से नीचे

32 जिलों में कोल्ड डे-कोहरे का अलर्ट; पटना में बर्फीली हवा, छपरा में कोल्ड वेव

पटना। हिमालय से आ रही बर्फीली हवाओं ने बिहार में ठंड बढ़ा दी है। इससे प्रदेश में हाड़ कंपाने वाली ठंड महसूस हो रही है। पछुआ हवा की वजह से 16 जिलों का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी शनिवार को 32 जिलों में कोल्ड-डे और घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार पटना और पश्चिमी-पूर्वी चंपारण समेत 32 जिलों में सुबह-शाम घना कोहरा छाया रहेगा। इससे विजिबिलिटी 10 मीटर के आसपास रहने की संभावना है। अगले एक सप्ताह तक कड़ाके की ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है। शुक्रवार को छपरा में इस साल की पहली शीतलहर दर्ज की गई, जहां पारा लुढ़ककर 5.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वहीं, सबौर 5 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ राज्य का सबसे ठंडा इलाका रहा। पटना में शुक्रवार को 'कोल्ड डे' रहा। बर्फीली हवा से ठिठुरन रही। पटना का न्यूनतम तापमान 9.5 और अधिकतम 15 डिग्री सेल्सियस रहा।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले पांच दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में घना कुहासा छाया रहेगा। दस दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। मौसम वैज्ञानिक संजय कुमार के अनुसार, न्यूनतम तापमान में सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस की कमी होने पर ही शीत लहर जारी किया जाता है। मौसम विज्ञान केन्द्र के अनुसार शुक्रवार को बक्सर एवं मुंगेर में भीषण कोल्ड डे और छपरा, पटना, फारबिसगंज, सहरसा, दरभंगा और अरवल में कोल्ड डे रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान सबौर में 5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। लेकिन वाल्मीकिनगर सबसे ठंडा रहा।ठंड के कारण पटना समेत 10 जिलों में 8वीं क्लास तक के स्कूल को बंद कर दिया गया है। पटना, नालंदा जिला प्रशासन ने 8वीं तक के सभी स्कूल, जबकि वैशाली जिला प्रशासन ने 10वीं तक के सभी स्कूल 11 जनवरी तक के लिए बंद कर दिए हैं। इसके साथ ही बेगूसराय, मुंगेर, सुपौल, भोजपुर और भागलपुर में 8वीं क्लास तक के सभी स्कूल 10 जनवरी

तक बंद कर दिए गए हैं। बांका में 8वीं क्लास तक के सभी स्कूल 12 जनवरी तक बंद कर लिए गए हैं। वहीं बक्सर में 13 जनवरी तक 8वीं तक के सभी स्कूल बंद दिए गए है। अब जानिए पटना में कैसा रहेगा मौसम राजधानी पटना में फिलहाल ठंड का सितम जारी रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले 2-3 दिनों तक सुबह और देर रात घना कोहरा छाया रहेगा। न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है, जबकि दिन में भी ठंडी हवा के कारण ठिठुरन महसूस होगी। धूप निकलने की संभावना कम है, जिससे कोल्ड-डे की स्थिति बनी रह सकती है। 7 डिग्री से नीचे पहुंचा 16 जिलों का तापमान पिछले 24 घंटे के रिकॉर्ड के मुताबिक, राज्य के 16 जिलों का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। बांका में सबसे कम 5.5 तापमान रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान माना जा रहा है। वहीं पटना में भी न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।मुंगेर के असरगंज प्रखंड क्षेत्र में सुबह-सुबह घना कोहरा होने की वजह से गाड़ियां जहां-तहां रुकी रहीं।मधुबनी जिले में शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान सबसे कम 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज और बर्फीली हवा चलने से कनकनी है। कड़ाके की ठंड के बावजूद जिले के सभी स्कूल खुले है। मुजफ्फरपुर में शनिवार को कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का असर दिखा। न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह के समय विजिबिलिटी घटकर 100-200 मीटर रह गई। मुंगेर में शीतलहर के बीच शुक्रवार की शाम मौसम की तापमान न्यूनतम 4 डिग्री और अधिकतम 21 डिग्री दर्ज किया गया। मुंगेर के शुक्रवार शाम ठंड सबसे अधिक दर्ज किया गया। घना कोहरा के कारण किला परिसर के अंदर सहित प्रमुख सड़कें शाम के 9 बजे सुनी दिखाई पड़ी। इसके अलावा कुछ ठंड और घना कोहरा के बीच खुले आसमान के नीचे सोते नजर आए। बगहा में पारा 7 डिग्री सेल्सियस है, घना कोहरा छाया हुआ है। लोग अपने घरों में दुबके हुए हैं। पछुआ हवा कनकनी बढ़ा रही है। गन्ना का सीजन होने से किसानों को काफी परेशानी हो रही है। बेगूसराय में घना कोहरा छाया हुआ है। न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जहानाबाद में कुहासा छाया हुआ है। तापमान 7 डिग्री है। जिसके कारण ठंड बढ़ी हुई है।

फतेहपुर प्रखंड कार्यालय में समीक्षा बैठक का आयोजन

गया जी। फतेहपुर में भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों ने शनिवार को महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा की। यह दौरा गया जी जिले में योजना के क्रियान्वयन का जायजा लेने के लिए किया गया था। इस अवसर पर भारत सरकार के वैज्ञानिक डॉ. विक्रम ढाका, बिहार अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (BREDA) के वरीय अभियंता सतीश कुमार और भारत सरकार के मानद प्रतिनिधि व पीएम सूर्य घर योजना के बिहार-झारखंड प्रमोटर विकास कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

दौरे के दौरान, फतेहपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय में सूर्य घर योजना की प्रगति पर एक विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी शशि भूषण साहू ने की। सूरज से दोस्ती, बिजली से आजादी के लक्ष्य पर जोर बैठक को संबोधित करते हुए वैज्ञानिक डॉ. विक्रम ढाका ने बताया कि भारत सरकार का लक्ष्य ₹सूरज से दोस्ती, बिजली से आजादी₹ के संकल्प को साकार करना है। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। सब्सिडी व ऋण सुविधा से सोलर पैनल स्थापना को बढ़ावा उन्होंने स्पष्ट किया कि इस योजना के तहत सरकार आम नागरिकों को सब्सिडी और वित्तीय संस्थानों के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध करा रही है। इससे लोग बिना बड़ी पूंजी लगाए अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल स्थापित कर सकेंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षित और प्रदूषण मुक्त रहेगा। 2 लाख तक ऋण पर सिविल स्कोर से छूट और सीधी सब्सिडी डॉ. ढाका ने यह भी बताया कि अब 2 लाख तक के ऋण के लिए किसी प्रकार का सिविल स्कोर नहीं देखा जाएगा। साथ ही, सब्सिडी की राशि सीधे लाभार्थी के ऋण खाते में जमा की जाएगी, जिससे योजना का लाभ आम लोगों तक सरलता से पहुंच सके।

बैठक में BREDA डी०आर०डी०ए गया जी के सहायक अभियंता रितेश कुमार, विद्युत कार्यपालक अभियंता, मानपुर अजय कुमार, तथा भारत सरकार के अधिकृत सोलर वेंडर टैलीसिया एनर्जीज की प्रतिनिधि श्वेता श्रीवास्तव, अंकित कुमार, कौशल कुमार, कालीचरण सहित अन्य पदाधिकारी एवं तकनीकी विशेषज्ञ भी मौजूद थे।

गन पॉइंट पर ज्वेलर से 50 लाख की लूट

जमुई। के मलयपुर थाने से महज 20 मीटर की दूरी पर शुक्रवार रात स्वर्ण व्यवसायी से करीब 50 लाख रुपए की लूट हो गई। 7 हथियारबंद नकाबपोश अपराधियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। विरोध करने पर अपराधियों ने व्यवसायी को हथियार के बट से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया यह घटना जमुई-मलयपुर मुख्य मार्ग पर हुई, जहां अपराधियों ने बेखौफ होकर लूटपाट की। घायल व्यवसायी की पहचान शहर के पुरानी बाजार निवासी 35 वर्षीय विक्रम उर्फ विक्की सोनी के रूप में हुई है।घायल व्यवसायी विक्रम सोनी ने बताया कि 'मैं थोक में सोने-

चांदी का कारोबार करता हूं। शुक्रवार रात मैं अपनी बाइक से सोना-चांदी खरीदने के लिए जमुई रेलवे स्टेशन जा रहा था। वहां से मुझे कोलकाता की ट्रेन पकड़नी थी। जैसे ही मेरी बाइक जमुई-मलयपुर मुख्य मार्ग पर आंजन नदी पुल के पास पहुंची, 2 बाइकों पर सवार 6 हथियारबंद अपराधी और एक अपराधी ऑटो में सामने से आ गए। सभी ने उन्हें घेर लिया और हथियार के बल पर पैसे लूटने लगे।जब मैंने लूट का विरोध किया, तो अपराधियों ने सिर पर पिस्टल की बट से हमला करना शुरू कर दिया। सिर से खून निकलने लगा। मैं वहीं गिर गया। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी क्यूल की ओर फरार हो गए।' घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल, मलयपुर थाना अध्यक्ष शेखर सौरभ और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायल व्यवसायी को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। SP ने खुद अस्पताल पहुंचकर घायल से मिले और पूरी घटना की जानकारी ली। SP विश्वजीत दयाल ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन कर दिया गया है, और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

डॉक्टर से मांगी रंगदारी-'1 करोड़ नहीं दिए..तो बीवी गई

गयाजी। में मगध मेडिकल कॉलेज के सीनियर डॉक्टर सत्येंद्र कुमार से एक करोड़ की रंगदारी मांगी गई है। रुपए नहीं देने पर पत्नी की हत्या करने की धमकी दी है। फोन करने वाले ने कहा, 'एक करोड़ नहीं दिए तो बीवी गई।'फोन पर रंगदारी मांगने वाले ने ये भी कहा कि आने-जाने का रूट, शेड्यूल पता है। रास्ते में ही काम तमाम कर देंगे। डॉक्टर न्यूरोसर्जरी विभाग के एचओडी हैं। मूल रूप से जिले के नक्सल प्रभावित इमामगंज थाना क्षेत्र के बेहद गांव के रहने वाले हैं। इस संबंध में शुक्रवार को मगध मेडिकल थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।डॉ. सत्येंद्र कुमार के अनुसार, 27 दिसंबर 2025 को मगध कॉलोनी रोड नंबर-7 स्थित उनके क्लिनिक में पहली बार रंगदारी की मांग की गई। उस समय उनकी पत्नी विभा कुमारी भी वहीं मौजूद थीं।फोन करने

डॉ. सत्येंद्र कुमार

वाले ने खुद की पहचान बताने से इनकार किया और सीधे एक करोड़ रुपए की डिमांड की। पैसे नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। रास्ते में ही काम तमाम कर देंगे मामला यहीं नहीं रुका, 31 दिसंबर 2025 को जब डॉक्टर पटना स्थित अपने फ्लैट पर थे, तब भी उसी नंबर से फोन आया। फिर से रंगदारी मांगी गई। इस बार धमकी पहले से ज्यादा गंभीर थी। कहा कि गया और पटना आने-जाने का पूरा शेड्यूल पता है। रास्ते में ही काम तमाम कर दिया जाएगा। पूछे जाने पर रंगदारी मांगने वाले ने खुद का नाम भगत सिंह बताया।लोकेशन और कॉल डिटेल खंगाला जा रहा है लगातार मिल रही धमकियों से परेशान डॉक्टर ने गयाजी पहुंचकर मगध मेडिकल थाना में लिखित शिकायत दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू कर दी है। कॉल डिटेल, लोकेशन और संदिग्धों की पहचान पर काम शुरू कर दिया गया है। थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार का दावा है कि जल्द ही धमकी देने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की विशेष टीम अपने काम में जुट गई है। रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार होगा। पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। 10 साल पहले जीटी रोड से डॉक्टर की हुई थी किडनैपिंग बता दें कि गयाजी में करीब एक दशक बाद किसी डॉक्टर से इस तरह खुलेआम रंगदारी मांगी गई है। इससे पहले करीब 10 साल पहले चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. पंकज कुमार और उनकी पत्नी को किडनैप कर लिया गया था।

डॉ. पंकज गुप्ता और उनकी पत्नी शुभ्रा का 1 मई 2015 का उस समय अपहरण कर लिया गया, जब वे एक शादी से घर लौट रहे थे। अपहरणकताओं ने पुलिसकर्मी के वेश में गिरिडीह से गया आने के दौरान जीटी रोड पर दंपती को अगवा किया था।

डॉक्टर की बिल्कुल नई ऑडी और दो कारों पर लाल बत्ती लगाकर उन्हें वीआईपी काफिला दिखाने की कोशिश की और डॉ. दंपती को लखनऊ ले गए। उस घटना ने पूरे बिहार में सरकार और पुलिस की काफी फजीहत कराई थी। 6 दिन बाद दंपती को बिहार पुलिस ने यूपी पुलिस की मदद से सुरक्षित बरामद किया और 9 आरोपियों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था।

एकतरफा प्यार में सिर में 2 गोली मारकर हत्या

बुआ के लड़के से प्यार करती थी लड़की, मां-नानी धमकाती- शादी नहीं करोगे तो मार डालेंगे

गयाजी। में एक लड़की अपने बुआ के लड़के से एकतरफा प्यार करती थी। जब इसकी जानकारी लड़के के परिजनों को मिली तो उन्होंने पहले अपने बेटे को समझाया, फिर लड़की के घरवालों से बातचीत की। लड़के के परिजनों ने लड़की के घरवालों से कहा- हमारा समाज इस रिश्ते को स्वीकार नहीं करेगा। लेकिन लड़की की मां और नादी शादी की जिद पर अड़ी रही, कहा- शादी नहीं हुई तो बेटे को जान से मरवा देंगे। मृतक के पिता के मुताबिक, हम लोगों ने शुरूआत में धमकी को गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन लड़की ने आखिरकार बहाने से मेरे बेटे को बुलाकर गोली मारवा दी। लड़के के पिता की शिकायत पर मेडिकल थाने में FIR दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। घटना मेडिकल थाना क्षेत्र के पत्तल बिगहा के पास की है। गुरुवार को लड़के की लाश मिली थी। उसके सिर में गोलियों के दो निशान मिले थे। मृतक की पहचान अंकित यादव (22) के रूप में की गई। एकतरफा प्यार की क्या कहानी है, लड़के के पिता के क्या आरोप हैं, हत्याकांड को कैसे अंजाम दिया गया, वारदात को कैसे अंजाम दिया गया था। इन सवालों के जवाब जानने के लिए अंकित यादव उर्फ लालू यादव भट्ट बिगहा गांव का रहने वाला था। पिता ऋषि यादव शाक्यमुनि कॉलेज में जॉब करते हैं। ऋषि यादव के मुताबिक, मेरी पत्नी के भाई की बेटी रिया मेरे बेटे अंकित से एकतरफा प्यार करती थी। मेरा परिवार और मेरा बेटा इस रिश्ते को कभी मानने को तैयार नहीं था, लेकिन लड़की के

घरवाले लगातार शादी के लिए दबाव डाल रहे थे। इस मामले में पंचायत भी बैठी थी। इस पंचायत ने लड़की के परिवार वालों को समझाया था, लेकिन उन्होंने समझने के बजाय मेरे बेटे की हत्या की धमकी दी थी। अंकित ने हाल ही में ग्रेजुएशन पास किया था। पिता ऋषि यादव के मुताबिक, गुरुवार सुबह करीब 10 बजे अंकित मेरे सामने खाना खा रहा था। इसी दौरान अंकित का मोबाइल बजा, पता नहीं कौन था, लेकिन कॉल आने के बाद बेटे ने हड़बड़ी में पूरा खाना खाया और बाइक लेकर घर से निकल गया। मुझे लगा कि कोई जरूरी काम होगा, जिसकी वजह से हड़बड़ी में अंकित घर से निकला है। एक-दो घंटे में घर आ जाएगा। लेकिन वो शाम तक घर नहीं लौटा तो बेचैनी बढ़ने लगी। मैंने दोपहर करीब एक बजे अपने बेटे को कॉल भी किया, लेकिन उसका मोबाइल बंद था। दोबारा कॉल किया तो फिर से मोबाइल स्विच ऑफ था। फिर मैंने गांव में पता किया।गांव के लोगों से पता चला कि अंकित के साथ उसकी बाइक पर एक लड़की थी।ऋषि यादव के मुताबिक, शाम 7 बजे किसी ने मोबाइल में एक तस्वीर दिखाई और कहा- आपके बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मैंने तस्वीर देखी और तत्काल मेडिकल थाना पहुंचा। थाने में पुलिस से जानकारी ली तो पता चला कि एक अज्ञात युवक की डेड बॉडी पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजी गई है। अस्पताल पहुंचा और डेडबॉडी देखी तो पैरों तले जमीन खिसक गई। वो मेरा बेटा ही था। ऋषि यादव का कहना है कि मेरे बेटे की हत्या रिया ने एकतरफा प्यार में कराई है। वो मेरे बेटे से शादी करना चाहती थी। मेरा बेटा और हम लोग इस शादी के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन लड़की और उसके घरवाले रिश्ते के लिए लगातार दबाव बना रहे थे। 3 महीने पहले लड़की अपने परिवार के साथ शादी की बात करने आई थी मृतक के पिता ने बताया कि, करीब 3 महीने पहले रिया अपने परिवार के साथ हमारे घर आई थी। लड़की और उसके घरवालों ने अंकित से शादी की बात रखी, लेकिन हम लोगों ने रिश्ता करने से इनकार कर दिया। शादी न करने की दो वजह थी। पहली- हम दोनों करीबी रिश्तेदार हैं। अंकित, रिया का फुफेरा भाई है। हमारे समाज और जाति में इतने करीबी रिश्ते में शादी नहीं होती है। ऋषि यादव कहते हैं कि, लड़की की नानी और लड़की की मां लगातार मुझे और मेरे बेटे को धमकी दे रही थी।

संक्षिप्त डायरी

'मेरी मां की वजह से मेरी शादी टूट रही

पटना। बिहार राज्य महिला आयोग में एक मामला सामने आया है, जिसमें एक बेटी ने अपने ही मां के खिलाफ आवेदन दिया है। बेटी का कहना है कि उसकी मां उसके ससुराल में काफी हस्तक्षेप करती है, जिसके कारण उसकी शादी टूटने के कगार पर है। मां उसे यह सीख देती है की सास कभी भी मां नहीं बन सकती है। इसलिए वह बस उसकी ही बात सुने। यहां तक की पीड़िता की मां लड़की के ससुराल में जाकर झगड़ा भी करती है, जिसके कारण अपने ससुराल वालों से लड़की के रिश्ते खराब हो रहे हैं। यह मामला पटना के शेखपुरा का है।अपने पति को पैसे देने पर मां हो जाती है नाराज- पीड़िता पीड़िता ने कहा कि मेरी शादी दिसंबर 2023 को हुई थी। वह बिहारशरीफ में बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड में कार्यरत है। वहीं, मेरा पति भारतीय रेलवे में धनबाद डिवीजन में काम करता है। मेरी मां के कारण मेरे शादीशुदा जीवन में असर पड़ रहा है। मैं अपनी सैलरी कहां-कहां खर्च करती हूं, इसका पूरा ब्योरा मेरी मां चाहती है। वह शादी के बाद भी मेरा बैंक पासबुक जबरदस्ती अपने पास रखी हुई है। अगर जरूरत पड़ने पर मैं अपने पति को कुछ पैसे दे देती हूं तो मेरी मां बुरा मान जाती है। मैंने अप्रैल 2025 में एक जमीन खरीदा था, उसका पेपर भी अपने पास रखी हुई है। बेटी ने आगे बताया कि शादी के बाद मेरी मां ने मुझे अपने गहने रखने के लिए अलग से लॉकर बनवाने को भी कहा था। उन्होंने यह भी बोला कि जब तक लॉकर नहीं है, तब तक सारे गहने मैं उन्हीं के पास रखूं। मैं अपनी कमाई से 20 हजार रुपए अपने भाई को हर महीने भेजती थी, मगर जमीन खरीदने के बाद जब मेरा लोन कटने लगा तो मैं 10 हजार रुपए भेजने लगी, इस पर भी मेरी मां को आपत्ति थी।मेरी मां कई बार अनजान शख्स को मेरे ससुराल लेकर आती हैं और फिर झगड़ा करती हैं। इसमें मेरा भाई और मेरी मौसी भी उनके साथ देते हैं। मैं चाहती हूं कि मेरी मां को अगर मेरे ससुराल आना है तो हाल-चाल लेने अच्छे से आए या किसी काम से आए और अनजान लोगों के बिना आए। इस तरीके से न आए। दूसरी ओर पीड़िता की मां जमुई में परिचायक के पद पर काम कर रही है। उसका कहना है कि वह बस अपनी इकलौती बेटी और नातिन से मिलने उसके ससुराल जाती है। जहां तक झगड़ा की बात है तो लड़की के ससुरालवाले उसके साथ गाली गलौज करते हैं, उसे दो नंबर की महिला कहते हैं। इसीलिए उसने झगड़ा किया। वह अपने बेटी और दामाद में कोई अलगाव नहीं चाहती है। वह बस चाहती है कि उसकी बेटी उसके आसपास रहे और वह जब चाहे उससे मिल ले। सुनवाई की अगली तारीख 8 जुलाई बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष प्रो. अप्सरा ने कहा कि, 'मां के दखलंदाजी के कारण बेटी का घर टूट रहा है। पीड़िता की मां चाहती है कि बेटी अपनी कमाई का हिस्सा अपने मायके में दे। सुनवाई के बाद निर्देश दिया गया है कि मां अपनी बेटी के शादीशुदा जिंदगी में हस्तक्षेप ना करें। वह अपनी बेटी को जमीन का कागज वापस लौटा दे।' प्रो. अप्सरा ने बताया कि, 'अभी कुछ दिन मां को अपनी बेटी से मिलने के लिए मना किया गया है, ताकि पीड़िता और उसके पति को अपनी निजी जिंदगी में कुछ स्पेस मिल सके। सुनवाई की अगली तारीख 8 जुलाई दी गई है।'

चीफ कैशियर को भेजा गया जेल

पटना। एम्स में 44.50 लाख के गबन के मामले में शक की सूई कई अधिकारियों के अलावा रजिस्ट्रेशन कांउटर और बैंककर्मी पर भी घूम रही है। इतनी बड़ी रकम का गबन करने वाला अकेला चीफ कैशियर अनुराग अमन नहीं हो सकता है। पुलिस ने पूछताछ के बाद चीफ कैशियर को जेल भेज दिया। पुलिस उसे रिमांड पर लेकर भी पूछताछ करेगी, ताकि यह पता चल सके कि उसने किसके इशारे पर एम्स के मरीजों के इलाज से हुई आमदनी की रकम अपनी पत्नी के खाते में भेज दी। ऑडिट होने के बाद एम्स प्रशासन को पता चला था कि 1 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच चीफ कैशियर ने 44.50 लाख का हिसाब नहीं मिल रहा है। उसके बाद उसपर एम्स प्रशासन की ओर से फुलवारीशरीफ थाने में केस दर्ज कराया गया था। फुलवारीशरीफ थानेदार गुलाम शहबाज आलम ने बताया कि अनुराग को जेल भेज दिया गया। आगे की पूछताछ के लिए उसे रिमांड पर भी लिया जाएगा। उधर पुलिस गबन के इस मामले में एम्स प्रशासन से जानकारी लेने में जुटी है। अमन के साथ काउंटर पर बैठने वाले स्टाफ के मोबाइल की सीडीआर और खातों की भी जांच होगी। चीफ कैशियर ने गबन की राशि पत्नी के बैंक ऑफ इंडिया की फुलवारीशरीफ शाखा के खाते में भेजा था। पुलिस यह भी पता लगाएगी अनुराग की पत्नी के खाते में भेजी गई राशि का लेन-देन किस-किस खाते में हुआ। पैतृक जमीन बेचकर लौटाई रकम जब एम्स प्रशासन की जांच कमेटी ने अनुराग से पूछताछ की तो उसने स्वीकार किया कि रकम पत्नी के खाते में भेज दी थी। पत्नी के खाते में रकम नहीं थी। उसने 275 बार पत्नी के खाते में रकम भेजी थी। वह हर दो-तीन दिन बाद 10 लाख से 16 लाख बैंक में जमा कर रहा था, पर बैंककर्मियों को उसपर शक क्यों नहीं हुआ, आश्चर्य का विषय है। जब एम्स प्रशासन ने रकम लौटाने को कहा तो उसने पैतृक जमीन बेचकर तीन किस्तों में 42.95 लाख लौटा दिए।

युवक के प्राइवेट पार्ट में पेट्रोल डालने का मामला

समस्तीपुर। में जेवर दुकान में चोरी के आरोप में दुकान कर्मी मनीष कुमार के साथ पुलिस के थर्ड डिग्री टॉर्चर का मामला सामने आया था। दुकान कर्मी के साथ अमानवीय व्यवहार मामले की जांच अब शुरू हो गई है। शुक्रवार को इस मामले में पीड़ित कर्मी से लिखित आवेदन भी लिया गया। अपनी मां और भाई के साथ एसपी के पास पहुंचे पीड़ित मनीष से एसपी ने बंद कमरे में करीब आधे घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ करने के बाद बाहर निकले पीड़ित ने बताया कि, 'एसपी ने इस मामले में फौरन कार्रवाई की बात कही है।' पीड़ित की मां संयुक्ता देवी ने बताया, 'एसपी को इलाज से संबंधित सभी कागजातों के साथ ही आवेदन सौंपा है, जिसमें पूरी घटना की जानकारी दी गई है। एसपी ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही इस मामले में न्याय संगत कार्रवाई की जाएगी।'पीड़ित की मां ने कहा कि, मौके पर ही एसपी ने एएसपी को बुलाकर सारे मामले से अवगत कराया। इसके बाद एएसपी ने घटना से संबंधित बयान लिया है। पीड़ित की मां ने कहा कि वह अपने बेटे को न्याय दिलाने के लिए किसी भी हद तक जाएगी। उसके साथ नाइंसाफी हुई है और मानवीय व्यवहार किया गया है। उन्हें न्याय चाहिए। पीड़ित का भाई अनीश कुमार ने बताया कि, पटना IGIMS में दो दिनों तक उपचार करने के बाद उन्हें लेकर वापस

मनीष

आजकल हाई टेक जमाने में बच्चे भी मोबाइल और कम्प्यूटर का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे कई प्रकार की बीमारियों का खतरा रहता है। इंटरनेट पर मिलने वाले रोमांचक ऑनलाइन गेम्स अब बच्चों के दिलों-दिमाग पर हावी हो रहे हैं। हर सेंकड बदलती दुनिया...और पल पल बढ़ता रोमांच.... रंग-बिरंगे थीम के साथ म्यूजिक का कॉम्बिनेशन... कंप्यूटर या फिर मोबाइल की एक छोटी सी स्क्रीन पर एक ऐसा वर्चुअल वर्ल्ड होता है, जो बड़े-बड़ों को लुभाता है. फिर छोटे बच्चों का इनकी तरफ आकर्षित होना लाजिमी है।

ऑनलाइन गेम्स अब बच्चों के दिलों-दिमाग पर हावी हो रहे हैं

दरअसल ऑनलाइन गेमिंग के दौरान स्क्रीन हर सेंकड नए अवतार में नजर आती है। रोमांच ज्यादा होता है। कई ऑनलाइन गेम्स मल्टीप्लेयर होते हैं, जिसमें अनजान बच्चे भी ग्रुप बनाकर एकसाथ गेम खेलते हैं। कई बार बच्चा इनमें खतरनाक गेमों में भी फंस जाता है।

एक-दूसरे को हराने और जीतने की होड़ में बच्चे लगातार कई राउंड खेलते रहते हैं। 10 मिनट का गेम कब घंटे-दो घंटो में बदल जाता है बच्चों को पता ही नहीं चलता और यही से शुरू होता है गेमिंग की लत। जो कि बढ़ते बच्चों के विकास के लिए बहुत बड़ा खतरा है.

इंटरनेट गेमिंग है खतरनाक

ज्यादा वक्त इंटरनेट गेम्स खेलने वाले बच्चों की फोकस करने की क्षमता कम हो जाती है।

ऐसे बच्चों का झुकाव ज्यादातर नेगेटिव मॉडल्स पर होता है। बच्चों में धैर्य कम होने लगता है।

बच्चे पावर में रहना चाहते हैं ।सेल्फ कंट्रोल खत्म हो जाता है। कई बार बच्चे हिंसक हो जाते हैं।

बच्चे सामाजिक जीवन से दूर होकर अकेले रहना पसंद करने लगते हैं ।बच्चे के व्यवहार और विचार दोनों पर इंटरनेट गेमिंग का असर देखा गया है। बच्चे मोटापे और डाइबिटीज का शिकार हो जाते हैं ।साइकोलॉजिस्ट के मुताबिक अगर एक बार बच्चे को इंटरनेट गेमिंग की लत लग जाती है तो फिर बिना इंटरनेट के रहना बच्चे के लिए मुश्किल हो जाता है। बच्चे इंटरनेट की जिद करते ही हैं। माता-पिता के मना करने पर कई बार बच्चे आक्रामक हो जाते हैं।

अध्ययन में पाया गया है कि डिवाइस और गैजेट्स की वजह से बच्चों में मोटापा तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक बच्चे डाइबिटीज का भी शिकार हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन गेम्स खेलने वाला हर बच्चा गेमिंग लत का शिकार है लेकिन एक्सपर्ट के मुताबिक गेम खेलने का शौक कब आदत में बदल जाए, इसके लिए माता-पिता को बच्चे की गतिविधियों पर नजर बनाए रखना होगा।

इस प्रकार बचायें बच्चों को

माता पिता ये तय करें कि बच्चे को किस उम्र में कौन सा गैजेट/गेम या डिवाइस देना है।

नन्हे-मुन्नों को मोबाइल पर गाने ना दिखाएं। बच्चों को इंटरनेट का इस्तेमाल पढाई सम्बन्धी जरुरी काम के लिए ही करने दें।

अगर बच्चा इंटरनेट पर गेम खेलता है तो गेम्स खेलने का समय तय करें। आधे घंटे से ज्यादा इंटरनेट गेम्स न खेलने दें।

आउटडोर गेम्स को बढ़ावा दें। अगर बच्चा इंटरनेट गेम्स को ज्यादा वक्त देने लगा है तो उसे रोकें।

बच्चे इंटरनेट पर क्या करता है कौन सा गेम खेलता है उस पर नजर रखें।

तो बच्चे पर रखें नजर

अगर बच्चा रोजाना इंटरनेट पर ज्यादा वक्त बिता रहा है तो सतर्क हो जाइए। बच्चा गुमसुम रहने लगेगा और व्यवहार में बदलाव आएगा। बच्चा स्कूल और पढाई से दूर रहेगा। बच्चा सामाजिक जीवन से दूरी बनाकर अकेले रहना पसंद करेगा।

आदत की वजह से बच्चा चिड़चिड़ा हो सकता है। बच्चे का रूटीन बदल जायेगा, खाने-पीने के साथ नींद भी डिस्टर्ब हो सकती है ।गेम नहीं खेलने देने की वजह से बच्चा हिंसक भी हो सकता है। अगर आपका बच्चे में ऐसे लक्षण हैं तो बिना देरी करे मनोचिकित्सक से मिलिए।

बच्चे की उम्र 10 साल से कम है तो उसे अपने साथ सुलाना चाहिए

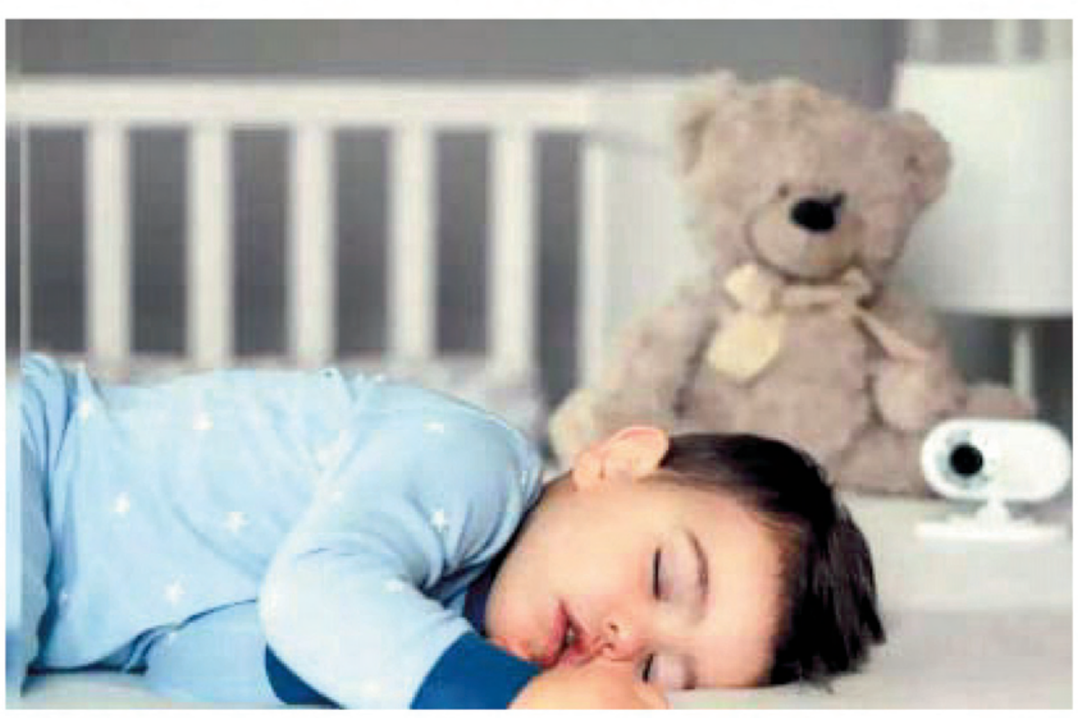

छोटे बच्चों का मां-बाप के साथ सोने काफी आम बात है. हर माता-पिता अपने बच्चे का ख्याल रखने के लिए और उसके साथ रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए उसे एक उम्र तक अपने साथ ही सुलाते हैं। बता दें जब बच्चे अपने माता-पिता के साथ सोते हैं तो इससे वे और बेहतर तरीके से इमोशनल तौर पर उनसे जुड़ पाते हैं. बता दें अगर आपके बच्चे की उम्र 10 साल से कम है तो ही आपको उसे अपने साथ सुलाना चाहिए लेकिन अगर उसकी उम्र 10 साल से ज्यादा है तो आपको उसे कभी भी अपने साथ नहीं सुलाना चाहिए. जब आप इस उम्र के बाद भी उसे अपने साथ सुलाते हैं तो उसके मेंटल ग्रोथ पर काफी बुरा असर पड़ता है।

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा जीवन में तरक्की करे तो ऐसे में उसके अंदर आत्मविश्वास होना बेहद ही जरूरी है। जब आप अपने बच्चे को बड़े हो जाने के बाद भी अपने साथ ही सुलाते हैं तो उसमें आत्मविश्वास नहीं बन पाता है। अगर आप चाहते हैं की आपके बच्चे में आत्मविश्वास पैदा हो तो उसे एक अलग कमरा दें और बिस्तर भी। बच्चा बड़ा हो गया है तो उसे अकेले सोने के लिए प्रेरित करें। आपके ऐसा करने से वह अकेले सोने में डरेगा भी नहीं और उसमें आत्मविश्वास भी भरा रहेगा।

जब बच्चे आपके साथ सोते हैं तो उसे एक सुरक्षा का अनुभव होता है जिससे उनके मन से डर को निकलने में काफी ज्यादा समय लग जाता है। वहीं, जब बच्चा अकेले सोता है तो उसके मन से अकेलेपन का डर निकल जाता है। जब ऐसा होता है तो आपका बच्चा ज्यादा मजबूत बनता है.

बच्चों को दस साल की उम्र के बाद निजता की समझ होने लगती है। वे सभी चीजों पर ध्यान देने लगते हैं और उनके दिमाग में बातें बैठने भी लगती है। यहीं कारण है कि जब आप उसे दस साल की उम्र के बाद भी अपने साथ ही सुलाते हैं तो उसमें निजता की समझ नहीं रह जाती है। निजता के महत्व को समझने के लिए आपको उसे अकेले सुलाना शुरू कर देना चाहिए.

पढ़ाई को बोझ न समझें

आजकल के आधुनिक युग में बच्चों पर भी पढ़ाई का बोझ बढ़ता जा रहा है जिससे वे भी मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। वे अपनी भावनाओं और अनुभवों को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। खासकर जब वे दुख, डर या असहज महसूस करते हैं तो वे इसे साफ शब्दों में नहीं बता पाते। इसका कारण यह है कि कई बार बच्चे मानसिक तनाव या डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

लक्षण

मानसिक तनाव के कारण बच्चों के व्यवहार में कई तरह के बदलाव दिखाई देते हैं। जब बच्चे परेशान होते हैं तो वे चिड़चिड़े हो सकते हैं या चुप्पी साध सकते हैं। यह बदलाव अचानक आ सकता है। एक बच्चा जो हमेशा समय पर खाना खाता था, अचानक खाना खाने से मना कर सकता है। या वह खेल जिसमें वह रुचि रखता था, उसमें अब उसका मन नहीं लगेगा। ऐसे व्यवहार को केवल नखरे समझना सही नहीं है। यह मानसिक तनाव का संकेत हो सकता है।

स्वभाव में बदलाव

अगर कोई बच्चा पहले बहुत मिलनसार था और हर किसी से बात करता था, लेकिन अचानक वह चुप हो जाए या किसी से बात करना बंद कर दे, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसके विपरीत, यदि कोई बच्चा जो पहले शांत रहता था, अचानक बहुत ज़्यादा बोलने लगे, तो यह भी मानसिक दबाव का संकेत हो सकता है।

इस प्रकार करें सहायता

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की भावनाओं और मानसिक स्थिति पर ध्यान दें। बच्चों के दोस्तों को जानना जरूरी है। न तो बच्चों के दोस्तों को लेकर ज्यादा टोकाटाकी करें और न ही हर बात में हस्तक्षेप। बस यह जानने की कोशिश करें कि आपके बच्चे किन दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। समय-समय पर बच्चों के दोस्तों को घर बुलाएं। इससे आपको पता चलेगा कि वे किस प्रकार के प्रभाव में हैं और क्या उनके दोस्त उनके लिए सकारात्मक हैं।

बच्चों से बात करें

घर पर खाली समय में, खासकर डिनर के दौरान बच्चों से बात करें। यह समय बहुत उपयोगी होता है जब माता-पिता अपने दिन की बातें बच्चों से साझा करते हैं। इससे बच्चे सीखते हैं कि अपनी बातें कैसे बताई जाती हैं और भावनाओं को कैसे व्यक्त किया जाता है।

बच्चों की बात ध्यान से सुनें

जब बच्चा अपनी कोई बात बताने आए, तो उसे पूरा ध्यान देकर सुनें। तुरंत प्रतिक्रिया न दें। यदि उसने कोई गलती की है, तो उस पर चिल्लाने की बजाय शांत और समझदार भाषा में बात करें। आवाज़ का स्वर नरम और सहयोगी होना चाहिए। इससे बच्चे को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका मिलता है, जिससे वह मानसिक रूप से मजबूत बनता है।

जुड़वा बच्चों की परवरिश के लिए मददगार साबित हो सकते है ये तरीके

इस प्रकार करें जुड़वा बच्चोंर की देखभाल

बच्चों को पालना आसान नहीं होता है। फिर चाहे एक ही बच्चा एक ही क्यूं ना हो। ऐसे में अगर आपका साथी भी नहीं है तो मुश्किलें थोड़ी बढ़ सकती है। पर आप परेशान ना हो। दोनो बच्चों की परवरिश के लिए आप किसी अन्य परिवारजन या दोस्त की मदद ले सकती है। हो सकता है वो रातभर आपके पास ना रूक सकते हो पर दिन में तो आपके लिए बाहर से सामान लाने और खाना बनाने जैसे कामों में मदद कर सकते है। अगर आपके लिए संभव हो तो आप आय रख लें। वो भी आपके लिए सुविधाजनक रहेगी। अभिनेत्री और गायिका जेनिफर लोपेज को अपने जुड़वा बच्चों-मैक्स और एमी की परवरिश अकेले ही कर रहीं है। ऐसी कई महिलाएं है जो अपने जुड़वा बच्चों को अकेले पाल रहीं है, उनकी परवरिश के लिए कुछ तरीके जो मददगार साबित हो सकते है।

क्लब में शामिल हो

जुड़वा बच्चों की परवरिश के लिए बाजार में कई तरह की किताबें मौजूद है, आप बच्चों के जन्म से पहले ही उनको जरूर पढ़े। ये आपको बहुत काम आएगी। साथ ही पता करे अगर आपके आसपास जुड़वा बच्चों के लिए कोई क्लब हो तो उसे ज्वाइन कर लें। ये आपकी मेहनत को भी बचाएगा साथ ही बच्चों के लिए भी बेहतर रहेगा।

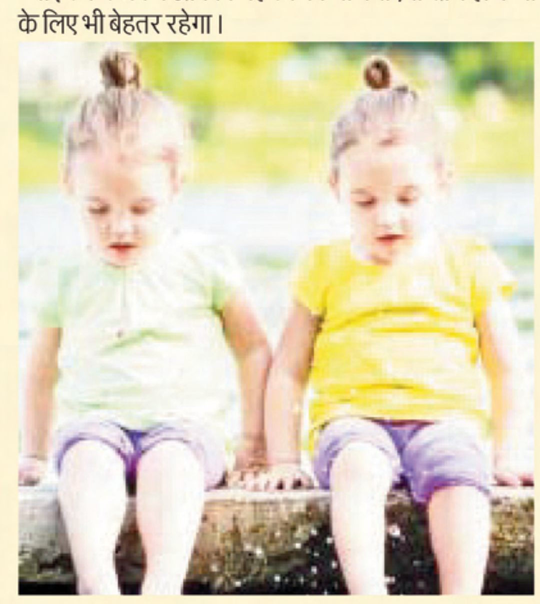

धैर्य रखें

ध्यान रहें कि बच्चा एक ही क्यों ना हो तब भी उसकी परवरिश के लिए बहुत धैर्य रखना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके जुड़वा बच्चे है तो आपको ज्यादा धैर्य का रखने की जरूरत पड़ेगी। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो बहुत जल्दी आपको चिड़चिड़हट का अनुभव होने लगेगा। जो आपकी परेशानी को बांटने के अलावा कुछ नहीं करेगा। अपने मां-बाप से बात करें, उनसे टिप्स लें। आपको बहुत आसानी होगी।

कई बच्चे बड़े होने पर भी तुतलाते ही रहते हैं

छोटे बच्चे जब बोलते हैं तो सभी को उनकी बोली अच्छी लगती है। उनकी तोतली जुबान बहुत ही प्यारी लगती है। उनकी बातें इतनी मीठी लगती हैं कि दिल करता है सिर्फ सुनते ही रहें। उन्हें सुधारने का ख्याल तक किसी को नहीं आता है। यहां तकब की मां-बाप और दूसरे रिश्तेदार भी बच्चे से उसी तरीके से बातें करना शुरू कर देते हैं लेकिन एक समय के बाद ये आदत परेशानी का कारण बन जाती है।

बहुत से बच्चे ऐसे हैं जो इस आदत को छोड़ नहीं पाते और बड़े होने पर भी तुतलाते ही रहते हैं। ऐसे बच्चों को घर और समाज में कई बार शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। स्कूल में दूसरे सहपाठियों के सामने और कॉलेज में दोस्तों के साथ पर सबसे बड़ा नुकसान करियर में उठाना पड़ता है। जहां कई साक्षात्कार में ये आदत कमी के रूप में देखी जाती है। ऐसे में अगर आपके बच्चे को भी ये परेशानी है तो अभी से उस पर ध्यान दें। सबसे पहले डॉक्टर की सलाह लें, उसके साथ ही इन घरेलू उपायों को आजमाना भी फायदेमंद रहेगा। बच्चे को हरा आंवला चबाने के लिए दें। आंवले के सेवन से आवाज साफ होती है। बादाम के सात टुकड़े और उतनी ही मात्रा में काली मिर्च को पीसकर एक चटनी जैसा पेस्ट तैयार कर लें। इसमें शहद मिलाकर बच्चे को चाटने के लिए दें ।काली मिर्च का सेवन भी बहुत फायदेमंद रहेगा।

आज से शुरू हो रही तीन वनडे मैचों की सीरीज में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र

वडोदरा (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार से तीन वनडे मैचों की सीरीज शुरुआत हो रही है। सीरीज का पहला मैच वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में होगा। इस मैच में विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार जोड़ी देखने को मिलेगी। न्यूजीलैंड की टीम नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार है, लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिये से सीरीज अहम है। अगले महीने वाली टी20 विश्व कप के कारण वनडे सीरीज की अहमियत थोड़ी कम है, लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहने वाले है।

दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है। उन्होंने इस घरेलू टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनाकर बता दिया हैं कि उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। यह देखना दिलचस्प होगा कि टी20 विश्व कप टीम से बाहर होने के बाद कप्तान शुभमन गिल कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनकी फॉर्म पहले से ही चिंता का विषय रही है, वहीं पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में वे चोट के कारण बाहर रहे थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम से बाहर बैठना पड़ सकता है। जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अपना पहला वनडे शतक जमाया था।

वहीं श्रेयस अय्यर की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में चल रहे प्रयोगों पर विराम लग सकता है। क्योंकि श्रेयस का चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना लगभग तय है। केएल राहुल की निचले क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर के रूप में भूमिका जारी रहने से ऋषभ पंत के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना कम होती दिख रही है। अय्यर, पंत और मोहम्मद सिराज विजय हजारे ट्रॉफी में व्यस्तता के कारण वनडे टीम की यहां चल रही तैयारियों का हिस्सा नहीं थे, लेकिन रविंद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। इसके बाद तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर होगा। कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले है। शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखकर प्रारूप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा।

पहली बार कोटाम्बी में खेलने उतरेगी टीम इंडिया

इसके पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे सीरीज की मेजबानी कर चुका है। न्यूजीलैंड के लिए पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत से मिली हार का खास महत्व नहीं है, क्योंकि यह श्रृंखला और दूसरे दर्जे के खिलाड़ियों को परखने का अच्छा मौका है। टीम 2024-25 में भारत दौरे पर टेस्ट श्रृंखला में मिली 3-0 की ऐतिहासिक जीत की योजना को वनडे सीरीज में भी आजमाना चाहेगी। कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की अगुवाई कर रहे है। नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रोइन इंजरी के कारण वनडे सीरीज से बाहर हैं, जबकि टॉम लाथम अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट गए हैं। रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को आराम दिया गया है. पिंडली की चोट से वापसी कर रहे मैट हेनरी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखकर टी20 सीरीज पर ध्यान दे रहे है। इस दौरान लंबे कद के हरफनमौला काइल जैमीसन और 23 वर्षीय लेग स्पिनर आदित्य अशोक के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी।

टीमें

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स, माइकल रे. मैच दोपहर 1:30 बजे (भारतीय समय) शुरू होगा।

मलेशिया ओपन से पीवी सिंधु बाहर, चीन की वांग ने 16-21, 15-21 से हराया

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। क्वालालंपुर,(ईएमएस)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु मलेशिया ओपन से बाहर हो गई हैं। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में उन्हें दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी चीन की वांग झियी ने 16-21, 15-21 से हरा दिया। सिंधु दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट वांग झियी के खिलाफ दबाव नहीं बना सकीं। पैर की चोट से उबरने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में 11-6 की बढ़त भी गंवा दी। हार के साथ ही टूर्नामेंट में उनके सफर का निराशाजनक अंत हो गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीवी सिंधु ने वांग झियी को मुकाबले की शुरुआत में कड़ी टक्कर दी। उन्होंने जोरदार शॉट लगाए और अपने खास क्रॉस-कोर्ट स्मैश लगाकर 5-2 की बढ़त बना ली, लेकिन वांग के हल्के टच ने उन्हें लगातार अंक दिलाकर बराबरी पर ला दिया। पहले गेम में एक समय सिंधु 9-7 से आगे चल रही थीं, लेकिन चीनी खिलाड़ी वांग ने एक बार फिर वापसी की और इंटरवल पर सिंधु के नेट पर शॉट चूकने पर एक अंक की बढ़त बना ली। मैच फिर से शुरू होने के बाद स्कोर एक समय 13-13 से बराबर था। 15-14 पर, वांग ने लगातार आक्रामक शॉट्स से दबाव बढ़ाया। वह 18-14 पर पहुंच गईं, एक जबरदस्त रैली में एक अंक गंवाया, फिर चार गेम अंक हासिल किए और ओपनर खत्म किया क्योंकि सिंधु वाइड चली गईं।

दूसरे गेम में सिंधु दो गलतियों के बाद 1-3 पर फिसल गईं, लेकिन उन्होंने वापसी की और 6-3 से आगे निकलने के लिए जोरदार रैली बनाईं। वांग ने अंतर कम किया, फिर भी सिंधु ने बीच के समय में अपनी विरोधी खिलाड़ी को तेज एंगल से कोनों की ओर धकेलकर अपना दबदबा बनाया, जिससे ब्रेक तक 11-6 की बढ़त हो गई। वांग ने दोबारा गेम शुरू होने के बाद जोरदार वापसी की, तेज रैलियों में हिस्सा लिया, लेकिन सिंधु ने परफेक्ट नेट शॉट्स से जवाब दिया और 13-9 से आगे रहीं। वांग ने फिर वापसी की जब सिंधु के शॉट्स बाहर और नेट में चले गए और 13-13 से बराबरी कर ली। इसके बाद 16-13 की बढ़त के साथ वांग झियी ने मैच अपने नाम कर लिया।

चीनी खिलाड़ी विजेझेंग ऑस्ट्रेलियाई ओपन नहीं खेलेंगी

बीजिंग ।ओलंपिक पदक विजेता चीन की महिला टेनिस खिलाड़ी विजेझेंग किनवेन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन से नाम वापस ले लिया है।किनवेन ने कहा है कि वह अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से हटी हैं।विजेझेंग ने कहा कि खेल से बाहर रहने का फैसला कठिन था पर उन्होंने ये फैसला मेडिकल टीम की सलाह के आधार पर लिया है।झेंग ने हालांकि कहा कि वह पहले से बेहतर हैं और उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है पर ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने का स्तर काफी ऊंचा होता है और उसमें अभी वह फिट नहीं बैठती हैं।उन्होंने कहा, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो होनी चाहिये। विजेझेंग ने कहा, मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला।मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न में अपना नया सत्र शुरू करने के लिए उत्साहित थी।गौरतलब है कि विजेझेंग साल 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचीं।हालांकि तब उसे आर्यना सबालेंका के हाथों र का सामना करना पड़ा था।पिछले जुलाई में उनकी कोहनी की सर्जरी हुई थी जिसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं।इस खिलाड़ी ने चाइना ओपन में वापसी की थी पर वहां उनकी चोट उबर गयी थी जिसके बाद से ही वह खेल से दूर थीं।

डब्ल्यूपीएल 2026 की धमाकेदार शुरुआत, हार में भी इतिहास रच गईं हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस को वुमेंस प्रीमियर लीग 2026 के पहले ही मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के हाथों रोमांचक हार झेलनी पड़ी, लेकिन इस मुकाबले में एमआई की कप्तान ने एक बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल कर ली। नवी मुंबई में खेले गए इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर ने 20 रन बनाए और इसी के साथ वह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर बन गईं। उन्होंने इस सूची में शेफाली वर्मा को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया।

हरमनप्रीत कौर के नाम अब डब्ल्यूपीएल में कुल 871 रन दर्ज हो गए हैं, जबकि शेफाली वर्मा 865 रनों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं। इस उपलब्धि के साथ हरमनप्रीत ने एक बार फिर साबित किया कि वह बड़े मंच की खिलाड़ी हैं, भले ही उनकी टीम को इस मैच में जीत न मिल सकी। भारतीय बल्लेबाजों की इस सूची में स्मृति मंधाना तीसरे पायदान पर मौजूद हैं। मंधाना अब तक डब्ल्यूपीएल में 664 रन ही बना पाई हैं और इस मुकाबले में भी उनका बल्ला खामोश रहा। वह 18 रन बनाकर आउट हो गईं।

अगर वुमेंस प्रीमियर लीग के ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस की ही नैट साइवर-ब्रंट के नाम है। वह डब्ल्यूपीएल की एकमात्र बैटर हैं, जिन्होंने 1000 रन का आंकड़ा पार किया है। उनके नाम 1031 रन दर्ज हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर ऐलिस पैरी हैं, जिन्होंने 972 रन बनाए हैं, जबकि तीसरे नंबर पर मैग लेनिंग मौजूद हैं, जिनके नाम 952 रन हैं। हरमनप्रीत कौर चौथे और शेफाली वर्मा पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

आरसीबी ने वूमेंस प्रीमियर लीग 2026 में जीत के साथ की शुरुवात... लेकिन पूजा वस्त्राकर हुई चोटिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। वूमेंस प्रीमियर लीग 2026 के पहले मैच में स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत के साथ शुरुआत की। टूर्नामेंट का ये पहला मैच मुंबई इंडियंस के साथ था। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला अंतिम ओवर तक गया, जहां नादिन डी क्लेर्क ने दमदार खेल दिखाकर आरसीबी को जीत दिलाई। हालांकि, इस जीत के साथ ही आरसीबी को एक बड़ा झटका भी लगा है। दरअसल टीम की स्टार खिलाड़ी पूजा वस्त्राकर चोटिल हुई हैं। पूजा वस्त्राकर को हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई है।

इसके बाद उन्हें पूरी तरह से रिकवर में होने में करीब दो सप्ताह का समय लगेगा। इस तरह पूजा अब लगभग आधे सीजन के लिए बाहर हो गई हैं। बता दें कि पूजा को आरसीबी ने इस बार के ऑक्शन में 85 लाख रुपए खर्च कर अपने स्क्वाड में शामिल किया है। पिछले सीजन में पूजा मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल थीं। हालांकि, फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन नहीं किया। पूजा मुंबई के लिए तीन सीजन में खेली हैं।

पूजा वस्त्राकर के वूमेंस प्रीमियर लीग में अब तक कुल 16 मैचों में मैदान पर उतरी हैं। इसमें उन्होंने गेंदबाजी में 28.85 की औसत से 7 विकेट हासिल की हैं। पूजा सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग 14 रन देकर 2 विकेट लेने का है। इसके अलावा बल्लेबाजी में पूजा ने 16 मैचों में 116.66 की स्ट्राइक रेट से 126 रन बनाए। हालांकि, उनके ये आंकड़े कुछ खास प्रभावी नहीं हैं, लेकिन पूजा किसी टीम के लिए एक एक्स फैक्टर ऑलराउंडर मानी जाती हैं।

वहीं भारतीय टीम में पूजा को अब तक 5 टेस्ट, 33 वनडे और 72 टी20 में खेलने का मौका मिला है। टेस्ट क्रिकेट में पूजा ने टीम इंडिया के लिए 15 विकेट हासिल किए हैं। वहीं वनडे क्रिकेट में पूजा ने कुल 27 विकेट अपने नाम किए हैं, जबकि टी20 में उन्होंने 58 विकेट झटके हैं।

एशेज में जीत के पीछे बेहतर फील्डिंग की भी भूमिका रही : स्मिथ

सिडनी ।ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने एशेज सीरीज में टीम की जीत के लिए अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ ही टीम की फील्डिंग को भी श्रेय दिया।पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज में अधिकतर समय स्मिथ ने ही कप्तानी की थी। स्मिथ ने अंतिम टेस्ट मैच की सिडनी पिच की भी प्रशंसा की और कहा कि इसमें इसी के लिए कुछ न कुछ था।साथ ही कहा कि पिछले एक दशक में उन्होंने ये पिच सबसे अच्छी लगी। स्मिथ ने कहा, विकेट के बारे में मुझे लगता है कि पिछले 15 सालों में यहां खेलते हुए मैंने जितनी पिचें देखी हैं, उनमें से यह सबसे अच्छी है। मुझे लगता है कि इस पर सभी के लिए कुछ न कुछ था। नई गेंद थोड़ी काम कर रही थी।अगर आप अच्छी बल्लेबाजी करते और खुद को संभालते, तो आप रन बना सकते थे। स्मिथ को यह भी लगा कि सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की फील्डिंग शानदार थी और इससे भी परिणमा में अंतर आया। स्मिथ ने कहा, मुझे लगता है कि हमारी फील्डिंग भी शानदार थी। मुझे लगा कि हमने जिस तरह से कैच पकड़े, वह इंग्लैंड से बेहतर थे।इससे भी परिणाम में अंतर आया। स्मिथ एशेज सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।इस शानदार बल्लेबाज ने चार मैचों और 8 पारियों में 57.20 की शानदार औसत से 286 रन बनाए।

गावस्कर ने निभाया वादा, महिला क्रिकेटर जेमिमा को गिफ्ट किया गिटार, गाना भी गाया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने एक गिटार गिफ्ट किया है। गिटार खास है और निश्चित रूप से इस उपहार को जेमिमा ताउम्र याद रखेंगी। गावस्कर ने जेमिमा रोड्रिग्स को बैट के आकार का गिटार गिफ्ट किया है। जब जेमिमा ने गिफ्ट खोला, तो वह बहुत खुश दिख रही थीं, वह बैट के आकार के गिटार की कारीगरी की तारीफ कर रही थीं। दोनों ने एक साथ ये दोस्ती गाना गाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गावस्कर द्वारा जेमिमा को बल्ले के आकार का गिटार दिए जाने का किस्सा महिला विश्व कप से जुड़ा हुआ है। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यादगार शतक लगाकर जेमिमा ने भारत को रिकॉर्ड जीत दिलाई थी। इस जीत के बाद गावस्कर ने उनसे कहा था कि अगर भारतीय टीम खिताब जीतती है, तो वह उनके साथ गाना गाएंगे। सुनील गावस्कर ने अपने उसी वादे को निभाया है। जेमिमा ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह सुनील सर का इंतजार कर रही थीं कि वह अपनी बात मानें। अपनी प्रतिष्ठा के मुताबिक उन्होंने निराश नहीं किया। युवा क्रिकेटर ने सुनील गावस्कर से पूछा कि बल्ले के आकार का गिटार बजाने के लिए है या बल्लेबाजी के लिए। इस पर गावस्कर ने कहा कि वह दोनों कर सकती हैं। जेमिमा ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा- सुनील सर ने अपना वादा निभाया और हमने अब तक के सबसे कूल बैट-आर के साथ जैमिंग की। यह एक स्पेशल था। बता दें सुनील गावस्कर और जेमिमा दोनों ही संगीत के शौकीन हैं। जेमिमा को अक्सर गाना गाते हुए भी देखा जाता है। हाल ही में क्रिकेटरों के सम्मान में मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में भी उन्होंने गाना गाया था।

भारत-बांग्लादेश तनाव का असर क्रिकेट पर, भारतीय कंपनी एसजी ने बांग्लादेशी खिलाड़ियों से तोड़ा करार

ढाका (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते कूटनीतिक और खेल संबंधी तनाव का असर अब सीधे क्रिकेट और उससे जुड़ी स्पॉन्सरशिप पर दिखाई देने लगा है। आईपीएल से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर किए जाने के बाद अब बांग्लादेशी क्रिकेटरों को एक और बड़ा झटका लगा है। भारत की जानी-मानी स्पोर्ट्स इक्विपमेंट निर्माता कंपनी 'एसजी' ने बांग्लादेश के शीर्ष क्रिकेटरों के साथ अपने स्पॉन्सरशिप अनुबंध को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है।

सूत्रों के मुताबिक, एसजी अब बांग्लादेश टीम के कप्तान लिटन दास, यासिर रब्बी और पूर्व कप्तान मोमिनुल हक के साथ अपना करार समाप्त करने जा रही है। हालांकि कंपनी की ओर से इस फैसले की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन खिलाड़ियों के एजेंट्स को इस बारे में सूचित कर दिया गया है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स में एक क्रिकेटर के हवाले से कहा गया है कि आने वाले दिनों में यह फैसला औपचारिक रूप ले सकता है। इस घटनाक्रम को बांग्लादेश की खेल इंडस्ट्री के लिए चिंता का संकेत माना जा रहा है। माना जा रहा है कि एसजी के इस कदम के बाद अन्य अंतरराष्ट्रीय और भारतीय कंपनियां भी बांग्लादेशी क्रिकेटरों को स्पॉन्सर करने से पीछे हट सकती हैं। प्लेयर स्पॉन्सरशिप से जुड़े सूत्रों का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए कई ब्रांड जोखिम लेने से बचना चाहेंगे, जिसका सीधा असर खिलाड़ियों की आय और बांग्लादेश क्रिकेट के व्यावसायिक ढांचे पर पड़ेगा।

दोनों देशों के बीच तनाव की शुरुआत उस समय हुई, जब आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने बीसीसीआई के निर्देश पर मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए आईसीसी से अनुरोध किया था कि भारत में होने वाले बांग्लादेश के मैचों को किसी अन्य देश, विशेषकर श्रीलंका, में स्थानांतरित किया जाए। हालांकि आईसीसी ने इस अनुरोध को खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि टी20 विश्व कप 2026 के लिए बांग्लादेश टीम को भारत आना होगा तथा खिलाड़ियों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी बीसीसीआई की होगी। इस पूरे विवाद की पृष्ठभूमि में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं का मुद्दा भी जुड़ा हुआ है। इन्हीं घटनाओं के चलते भारत में मुस्तफिजुर रहमान के आईपीएल में खेलने को लेकर विरोध हुआ था। विरोध बढ़ने के बाद बीसीसीआई के निर्देश पर उन्हें रिलीज किया गया, जिससे दोनों क्रिकेट बोर्ड आमने-सामने आ गए।

श्रेयस अय्यर का डाग लव... पड़ जाता उनके क्रिकेट कैरियर पर भारी

नई दिल्ली ।भारत के वनडे कप्तान श्रेयस अय्यर टीम इंडिया में वापसी को तैयार हैं। अय्यर रविवार, 11 जनवरी से शुरू हो रहे तीन वनडे मैचों की सीरीज में टीम इंडिया के लिए मैदान पर उतरने वाले है।पहले वनडे के लिए अय्यर वडोदरा पहुंचे गए, लेकिन यहां पर उनके साथ एक हादसा होते-होते बच गया। दरअसल अय्यर जब एयरपोर्ट से निकल रहे थे, तब उन पर एक कुत्ते ने हमला कर दिया।हुआ यूं कि जब अय्यर एयरपोर्ट से निकलकर जब अपनी कार की तरफ बढ़ रहे थे, तब रास्ते में कुछ फैंस उनके ऑटोग्राफ और सेल्फी की मांग करने लगे। तभी एक महिला फैन भी अपनी गोद में एक छोटे से कुत्ते को लेकर खड़ी थीं। यह देखकर अय्यर ने उस पमेरियन को देखकर पुचकारने के लिए अपना हाथ बढ़ाया कि तभी उनसे झपट्टा मार दिया। लेकिन गनीमत ये रही कि अय्यर ने फौरन अपने हाथ को पीछे खींचा और आगे बढ़ गए।इस तरह श्रेयस अय्यर डॉग बाइट से बाल-बाल बचे गए। बता दें कि अय्यर को पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोट लगी थी।उन्हें ये चोट कैच लेने के प्रयास में लगी, जिसके कारण उनकी पसलियां फ्रैक्चर हो गया था।इंटरनल ब्लिंडिंग होने के कारण उन्हें ऑस्ट्रेलिया में अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा था, जिसके बाद उनकी सर्जरी की गई।सर्जरी के बाद वह लंबे समय के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब पर रहे।इसकारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे।

सेमीफाइनल में कोको गॉफ ने नंबर 2 खिलाड़ी इगा स्वियातेक को हराया

सिडनी।यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 6-4, 6-2 से शिकस्त दी।इस जीत के साथ गॉफ ने अमेरिका और पोलैंड के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया और अब मुकाबले का फैसला मिक्स्ड डबल्स से होगा।

गॉफ का स्वियातेक पर दबदबा बरकरार-फ्रेंच ओपन चैंपियन और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज गॉफ की यह स्वियातेक पर लगातार चौथी जीत रही।इससे पहले पुरुष एकल मुकाबले में पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काच ने अमेरिका के टेलर फिट्ज़ को कड़े मुकाबले में 7-6(1), 7-6(2) से हराकर पोलैंड को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।

अब निर्णायक मुकाबले में गॉफ और क्रिश्चियन हैरिसन की जोड़ी पोलैंड की स्वियातेक और हर्काच के खिलाफ मिक्स्ड डबल्स खेलेगी।इस मुकाबले की विजेता टीम रविवार को होने वाले फाइनल में स्विट्ज़रलैंड से भिड़ेगी।

स्विट्ज़रलैंड ने बेल्जियम को हराकर फाइनल में बनाई जगह-दूसरे सेमीफाइनल में स्विट्ज़रलैंड ने बेल्जियम को मिक्स्ड डबल्स में हराकर फाइनल का टिकट कटाया। निर्णायक मुकाबले में बेलिंडा बेनसिच और याकूब पॉल ने एलिस मर्टेंस और जिजू बर्ग्स को 6-3, 0-6, 10-5 से मात दी।बेनसिच इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं।उन्होंने अब तक अपने सभी चार एकल मुकाबले और चार मिक्स्ड डबल्स मैच जीते हैं। कम अनुभव के बावजूद याकूब पॉल ने दबाव में शानदार डाउन-द-लाइन विनर्स लगाकर टीम को जीत दिलाई। बेनसिच ने कहा, 'वह बेहद साहसी हैं, यह अविश्वसनीय है। मैं उनसे खेलने को कहती हूं और वह सच में खेलने चले जाते हैं।

बेनसिच की दमदार वापसी, वावरिंका को मिली हार-इससे पहले बेनसिच ने एलिस मर्टेंस को 6-3, 4-6, 7-6 (0) से हराकर स्विट्ज़रलैंड को बढ़त दिलाई। वहीं, अपने करियर के अंतिम सत्र में खेल रहे स्टैन वावरिंका को जिजू बर्ग्स के हाथों 6-3, 6-7 (4), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे सेट में आठवें गेम में ब्रेक निर्णायक साबित हुआ।

नीरज चोपड़ा ने लिया बड़ा फैसला, कोच जान जेलेज्नी से नाता तोड़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के दिग्गज कोच जान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी एक ही सत्र के बाद समाप्त करने की घोषणा की है। चोपड़ा ने करार खत्म करने की कोई ठोस वजह नहीं बताई, लेकिन कहा कि यह सफर 'प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव' से भरा रहा।

जान जेलेज्नी, जिनके नाम भाला फेंक का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है, के मार्गदर्शन में नीरज चोपड़ा ने पिछले साल अपने करियर में पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था। चोपड़ा ने इस अनुभव को यादगार बताते हुए कहा कि बचपन के अपने आदर्श से प्रशिक्षण लेना किसी सपने के पूरे होने जैसा था। इससे उन्हें अभ्यास, तकनीक और खेल को देखने का एक बिल्कुल नया नजरिया मिला।

नीरज ने कहा, 'जान जेलेज्नी के साथ काम करने से मुझे कई नए विचार मिले। वह तकनीक, लय और मूवमेंट को जिस तरह समझते हैं, वह अद्भुत है। हर सत्र में मैंने बहुत कुछ सीखा।' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा गर्व उस दोस्ती पर है, जो उन्होंने अपने जीवनभर के आदर्श के साथ बनाई।

'जान सिर्फ सर्वकालिक महान भाला फेंक खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी हैं।' वहीं 59 वर्षीय जान जेलेज्नी ने भी इस साझेदारी को सकारात्मक बताते हुए कहा कि नीरज जैसे एथलीट के साथ काम करना उनके लिए शानदार अनुभव रहा। उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि हम साथ काम कर पाए और मैंने उन्हें पहली बार 90 मीटर पार करने में मदद की।'

जेलेज्नी ने यह भी कहा कि विश्व चैंपियनशिप को छोड़ दें तो नीरज ने अधिकांश प्रतियोगिताओं में कम से कम दूसरा स्थान हासिल किया, जो अपने आप में एक बेहतरीन रिकॉर्ड है। हालांकि, टोक्यो से 12 दिन पहले लगी पीठ की चोट ने उनकी उम्मीदों को प्रभावित किया। आने वाले समय को लेकर जेलेज्नी ने नीरज की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें अभी भी अपार संभावनाएं हैं और दोनों के बीच मानवीय स्तर पर रिश्ता बेहद सकारात्मक रहेगा। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में ट्रेनिंग कैंप या पारिवारिक छुट्टियों के दौरान भारत या यूरोप में फिर मिल सकते हैं।

नीरज चोपड़ा ने आगे की योजना पर कहा कि अब वह अपनी कोचिंग को लेकर खुद दिशा तय करेंगे। 'मैं 2026 को लेकर उत्साहित हूं। नवंबर की शुरुआत से ही मैंने तैयारी शुरू कर दी थी। मेरा लक्ष्य हमेशा की तरह फिट रहना है और फिर से प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहना है।'

उन्होंने यह भी साफ किया कि उनका फोकस 2027 की विश्व चैंपियनशिप और उससे आगे 2028 ओलंपिक खेलों पर रहेगा। गौरतलब है कि पिछले साल दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर से अधिक का थ्रो करने के बाद नीरज विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहे थे।

पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के माध्यम से गिराई गई हथियारों की खेप बरामद

सांबा (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के माध्यम से गिराई गई हथियारों की खेप बरामद की गई है। अधिकारियों के अनुसार, खेप में दो पिस्तौल, तीन मैगजीन, 16 कारतूस और एक ग्रेनेड शामिल हैं। यह बरामदगी तब हुई है जब गणतंत्र दिवस को लेकर पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था पहले से ही कड़ी की गई है। सेना अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने पलोरा गांव में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान एक नाले के किनारे पीले टेप में लिपटा एक संदिग्ध पैकेट मिला। बम निरोधक दस्ते की सहायता से जब पैकेट को सुरक्षित तरीके से खोला गया, उसमें से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ। इसी बीच, उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग सेक्टर में एक दुखद घटना सामने आई। नियंत्रण रेखा के पास ढलान से फिसलकर गिरने से सेना के दो नागरिक कुलियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान लियाकत अहमद दीदार और इशाक अहमद खटाना के रूप में हुई है, जो बारामूला के चंदूसा इलाके के निवासी थे। दोनों गुरुवार दोपहर एक अग्रिम क्षेत्र से फिसलकर नाले में गिर गए थे। घटना के बाद सेना ने व्यापक बचाव अभियान चलाया, जिसके बाद उनके शव बरामद किए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो कानून के दुरुपयोग पर जताई चिंता

किशोर प्रेम संबंधों को अपराध श्रेणी से अलग रखने रोमियो-जूलियट क्लॉज पर विचार करने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण के लिए बनाए गए पॉक्सो (पीओसीएसओ) कानून के कथित दुरुपयोग पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह अपील की है कि वह इस कानून में 'रोमियो-जूलियट' क्लॉज जोड़ने पर विचार करे, ताकि 16-17 वर्ष की किशोरियों और 18-19 वर्ष के किशोरों के बीच आपसी सहमति से बने प्रेम संबंधों को अपराध की श्रेणी में आने से रोका जा सके। यह कदम खासकर उन मामलों में उठाया जाएगा, जहां किशोरों के रिश्ते पूरी तरह से आपसी सहमति पर आधारित होते हैं, लेकिन कानून की सख्ती के कारण उन्हें अपराधी करार दिया जाता है।

कानूनी दृष्टिकोण से, वर्तमान समय में 18 साल से कम उम्र की लड़की की सहमति को मान्यता नहीं मिलती, जिससे ऐसे रिश्तों में लड़कों के खिलाफ बलात्कार और पॉक्सो कानून के तहत केस दर्ज हो जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि पॉक्सो जैसे सख्त कानून का बड़े पैमाने पर गलत इस्तेमाल हो रहा है और इसे रोकने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने होंगे।

कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि इस मुद्दे पर विधि मंत्रालय से विचार-विमर्श किया जाए, ताकि संभावित संशोधनों को लागू किया जा सके। पीठ का यह कहना था कि ऐसे मामले में विशेष ध्यान रखा जाए, जिसमें कोई व्यक्ति केवल बदले की भावना से या दुर्भावनापूर्ण तरीके से पॉक्सो कानून का दुरुपयोग कर रहा हो। सुप्रीम कोर्ट का उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा बनाए रखना है, जबकि साथ ही किशोरों को बिना कारण अपराधी बनने से बचाना भी है।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार की उस याचिका से जुड़ा था, जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोपी को दी गई जमानत को चुनौती दी गई थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जमानत के आदेश को बरकरार रखा, लेकिन कुछ टिप्पणियों को गलत ठहराया। इसके अलावा, कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि पॉक्सो मामलों में जमानत सुनवाई के दौरान मेडिकल एज टेस्ट कराने की बात नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पीड़ित की उम्र का निर्धारण ट्रायल कोर्ट का कार्य है, न कि बेल कोर्ट का। बेल कोर्ट केवल प्रस्तुत दस्तावेजों को देख सकता है, लेकिन उसकी सत्यता की जांच नहीं कर सकता।

अंकिता भंडारी के परिजनों से मिले सीएम धामी, फिर केस को सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच सीबीआई को सौंपने की सिफारिश कर दी है। उन्होंने कहा कि अंकिता के माता-पिता से मुलाकात के दौरान उनके दुख और कठिनाइयों को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने यह निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री धामी ने परिवार को न्याय सुनिश्चित करने और राज्य सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। सीएमओ के अनुसार, धामी ने देहरादून में अंकिता के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी और माता सोनी देवी से मुलाकात की, जहां शोक संतप्त परिवार ने अपनी भावनाएं और विचार साझा किए। इस बीच, दिल्ली उच्च न्यायालय ने भाजपा नेता दुष्यंत कुमार गौतम को अंकिता भंडारी हत्याकांड से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित करने से रोक लगाई है। कोर्ट ने कई प्रतिवादियों, जिसमें कांग्रेस और आम आदमी पार्टी शामिल हैं, पर यह रोक लगाई और प्रथम दृष्टया मानहानि का मामला माना। यह विवाद उत्तराखंड के एक रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के रूप में कार्यरत 19 वर्षीय अंकिता भंडारी की हत्या से जुड़ा है, जिसका शव सितंबर 2022 में एक नहर से बरामद हुआ था। मुख्यमंत्री धामी का यह कदम पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनशीलता और न्याय सुनिश्चित करने की राज्य सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है। इसके साथ ही, न्यायालय का निर्णय सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों और मानहानि को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस पूरे मामले में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी उभर रही हैं, जैसे कि कोयला तस्करी और टीएमसी चुनावी डेटा विवाद में एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले द्वारा ईडी की कार्रवाई को अलोकतांत्रिक करार देना।

एण्डटीवी के सितारों ने साझा की मकर संक्रांति की मीठी यादें और पारंपरिक स्वाद

मुंबई (एजेंसी)। रंग-बिरंगी पतंगों से सजा आसमान और तिल-गुड़ की खुशबू के साथ मकर संक्रांति गर्मजोशी, आपसी मेल-जोल और नई शुरूआत का संदेश लेकर आती है। इस खास मौके पर एण्डटीवी के लोकप्रिय कलाकारों ने इस त्यौहार से जुड़ी अपनी खूबसूरत यादों, पसंदीदा व्यंजन और पारिवारिक परम्पराओं के बारे में बातचीत की। इनमें शामिल हैं- सीरत कपूर (घरवाली पेड़वाली की सावी), गीतांजलि मिश्रा (हप्पू की उलटन पलटन की राजेश) और विदिशा श्रीवास्तव (भाबीजी घर पर हैं की अनीता भाबी)। घरवाली पेड़वाली में सावी का किरदार निभा रहीं सीरत कपूर कहती हैं, मकर संक्रांति मेरे पसंदीदा त्यौहारों में से एक है, क्योंकि इसमें जबरदस्त ऊर्जा होती है। मुझे पतंग उड़ाना बेहद पसंद है। बचपन से ही हमारे घर में यह मजेदार मुकाबला रहता था कि कौन सबसे ऊँची पतंग उड़ाएगा या किसकी पतंग कटेगी। एक बार पड़ोसी की पतंग काटने के चक्कर में मेरी अपनी पतंग पानी की टंकी में जा गिरी और सब हँस पड़े। वह किस्सा आज भी घर में मजाक बनाकर दोहराया जाता है। आज भी जब संक्रांति पर घर होती हूँ, तो छत पर जाकर संगीत के साथ पूरा दिन एन्जॉय करती हूँ। खाने की बात करें, तो तिल-गुड़ के लड्डू और चिक्की मुझे सबसे ज्यादा पसंद हैं, जिन्हें मेरी माँ घर पर बनाती हैं। उनकी खुशबू ही त्यौहार का एहसास करा देती है। गीतांजलि मिश्रा, जो कि हप्पू की उलटन पलटन में राजेश का किरदार निभा रही हैं, ने कहा, मेरे लिए मकर संक्रांति बचपन की यादों और अपनेपन से जुड़ी है। मुझे याद है कि हम सुबह जल्दी उठकर माँ के साथ तिल-गुड़ के लड्डू और पूरनपोली बनाते थे। पूरे घर में तिल और गुड़ की खुशबू फैल जाती थी। आज भी, चाहे मैं कितनी ही व्यस्त क्यों न रहूँ, पूरनपोली जरूर बनाती हूँ। परिवार और पड़ोसी साथ आते हैं, मिठाइयाँ बाँटी जाती हैं और पतंग उड़ाई जाती हैं। यह त्यौहार सिर्फ फसल का नहीं, बल्कि साथ होने और कृतज्ञता का उत्सव है।

दिल्ली विधानसभा ने पंजाब के तीन अफसरों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को पंजाब पुलिस के तीन प्रमुख अधिकारियों को नोटिस जारी कर विधानसभा के एक वीडियो क्लिप का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली के विधि मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के मामले में 48 घंटे के भीतर जवाब मांगा है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर में पत्रकार वार्ता में बताया कि पंजाब के पुलिस महानिदेशक, विशेष पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) और जालंधर पुलिस आयुक्त को विधानसभा के विशेषाधिकारों के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने जालंधर में एफआईआर दर्ज किए जाने के मामले में औपचारिक नोटिस जारी किया है, जो विधानसभा की कार्यवाहियों की कथित छेड़छाड़ वाले वीडियो क्लिप से संबंधित है। नोटिस में कहा गया है कि सदन पहले से ही इस मामले से अवगत है और वीडियो क्लिप को फॉरेंसिक जांच और विशेषाधिकार समिति के पास भेजा गया है। नोटिस में पंजाब पुलिस की इस मामले में संलिप्तता पर अध्यक्ष ने चिंता व्यक्त की है और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत स्पष्टीकरण एवं आवश्यक दस्तावेज मांगे गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह मामला अत्यंत गंभीर और संवैधानिक महत्व का है तथा सीधे सदन की गरिमा, अधिकार और विशेषाधिकारों से जुड़ा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मुद्दा किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस वीडियो के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है, वह किसी व्यक्तिगत रिकॉर्डिंग नहीं, बल्कि सदन की आधिकारिक रिकॉर्डिंग है, जो पूरी तरह से दिल्ली विधानसभा की संपत्ति है। सदन की संपत्ति का इस प्रकार दुरुपयोग करना और इस आधार पर किसी मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि अत्यंत गंभीर और निंदनीय भी है। गुप्ता ने स्पष्ट किया कि सदन की कार्यवाहियों की कोई भी रिकॉर्डिंग केवल सदन की संपत्ति है और किसी राजनीतिक दल, व्यक्ति या बाहरी एजेंसी की नहीं है। उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि इस प्राथमिकी को किस अधिकार और किस आधार पर दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण में जालंधर के पुलिस कमिश्नर की भूमिका अत्यंत चिंताजनक है और यह प्रथम दृष्टया सदन के विशेषाधिकारों का उल्लंघन प्रतीत होता है। इसलिए उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का स्पष्ट मामला बनता है, जिसे सदन गंभीरता से देखेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष की मांग पर और पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए वीडियो क्लिप को फॉरेंसिक साइंस लैब भेजा गया। हालांकि, सदन की आधिकारिक रिकॉर्डिंग को छेड़छाड़ की गई बताना स्वयं में सदन की गरिमा पर हमला है। गुप्ता ने कहा कि यह केवल झूठा आरोप नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित साजिश प्रतीत होती है, जिसका उद्देश्य सदन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस साजिश में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल पाए जाने वाले सभी लोग सदन की कठोरतम कार्रवाई का सामना करेंगे।

राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कोशिश, हिरासत में लिया गया शख्स

अयोध्या : उत्तर प्रदेश के जनपद अयोध्या के राम जन्म भूमि मंदिर परिसर से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। व्यक्ति नमाज पढ़ने की कोशिश कर रहा था। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे पकड़ लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पकड़े गए व्यक्ति की पहचान कश्मीर निवासी अहमद शेख के रूप हुई है। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोको तो वह कथित तौर पर संप्रदाय विशेष के नारे लगाने लगा, जिसके बाद मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने उसे तत्काल हिरासत में ले लिया। हालांकि, इस मामले पर जिला प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट ने भी पूरे प्रकरण पर अभी कोई बयान नहीं जारी किया है। फिलहाल व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

युद्ध इच्छाशक्ति से जीते जाते हैं हथियारों से नहीं : अजीत डोभाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शनिवार को कहा कि युद्ध केवल हथियारों और संसाधनों से नहीं जीते जाते, बल्कि राष्ट्र की इच्छाशक्ति और मनोबल से जीते जाते हैं। हम साइकोपैथ नहीं हैं जिन्हें दुश्मन के शव या कटे हुए अंग देखकर संतोष मिले। लड़ाइयां इसके लिए नहीं लड़ी जातीं, बल्कि किसी देश का मनोबल तोड़ने और उसे हमारी शर्तों पर आत्मसमर्पण करने के लिए लड़ी जाती हैं। डोभाल ने यहां आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन समारोह में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इच्छाशक्ति ही राष्ट्रीय शक्ति बन जाती है और युवाओं को इसे मजबूत करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि निर्णय लेने की क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है और किसी भी कदम से पहले दो कदम आगे की सोच रखनी चाहिए। सपने दिशा देते हैं लेकिन उन्हें निर्णय और फिर क्रियान्वयन में बदलना सफलता दिलाता है। एनएसए ने कहा कि वे पराधीन भारत में पैदा हुए थे जबकि आज के युवा स्वतंत्र भारत में जन्मे हैं। स्वतंत्रता पाने के लिए हमारे पूर्वजों ने अपार बलिदान दिए। भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने फांसी का सामना किया, सुभाष चंद्र बोस ने जीवनभर संघर्ष किया और महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग अपनाया। हमारी सभ्यता हमेशा विकसित रही है, हमने कभी किसी के मंदिर नहीं तोड़े, किसी पर आक्रमण नहीं किया और न ही लूटपाट का लेकिन अपनी सुरक्षा को लेकर हम उदासीन रहे और यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी रही। अगर आने वाली पीढ़ियां इतिहास से सबक नहीं लेंगी तो यह देश की सबसे बड़ी त्रासदी होगी। डोभाल ने कहा कि दुनिया में हो रहे युद्ध और संघर्षों को देखें तो साफ है कि कुछ देश दूसरों पर अपनी इच्छा थोपना चाहते हैं। इसके लिए अपनी ताकत का प्रयोग कर रहे हैं। अगर कोई देश इतना शक्तिशाली है कि कोई उसका विरोध न कर सके तो वह हमेशा स्वतंत्र रहेगा लेकिन अगर संसाधन और हथियार हों, पर मनोबल न हो तो सब कुछ बेकार हो जाता है। उन्होंने कहा कि मनोबल बनाए रखने के लिए नेतृत्व जरूरी होता है और आज हम भाग्यशाली हैं कि हमारे देश में ऐसा नेतृत्व है जिसने पिछले दस वर्षों में भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि हर युवा के अंदर एक आग होनी चाहिए। बदला शब्द शायद अच्छा न लगे लेकिन बदला खुद एक ताकतवर एहसास है। हमें अपने इतिहास का बदला लेना है और इस देश को उस मुकाम पर वापस ले जाना है, जहां हम अपने अधिकारों, विचारों और विश्वास के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें।

इंडिया वन एयर विमान की ओडिशा के राउरकेला के पास आपात लैंडिंग, सभी छह यात्री सुरक्षित

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भुवनेश्वर-राउरकेला मार्ग पर संचालित इंडिया वन एयर का एक विमान शनिवार को राउरकेला से करीब आठ नॉटिकल मील पहले जल्दा के पास आपात (फोर्स) लैंडिंग करने पर मजबूर हुआ। विमान में सवार सभी छह लोग–दो पायलट और चार यात्री–सुरक्षित हैं और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वाणिज्य एवं परिवहन विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कारवैन 208 विमान (पंजीकरण संख्या श्ळ-ङरर) ने भुवनेश्वर से दोपहर 12:27 बजे उड़ान भरी थी। पायलटों द्वारा नियंत्रित तरीके से की गई आपात लैंडिंग को जान-माल की क्षति टलने का मुख्य कारण बताया गया है। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन मौके पर पहुंचा और घायलों को राउरकेला के चिकित्सा संस्थानों में पहुंचाया गया। प्रारंभ में तीन यात्रियों को जे.पी. अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि दो पायलटों और एक यात्री को राउरकेला सरकारी अस्पताल (आरजीएच) ले जाया गया। बाद में सभी छह को जे.पी. अस्पताल, राउरकेला में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां वे फिलहाल इलाज और चिकित्सकीय निगरानी में हैं। सभी की हालत स्थिर बताई गई है। इस घटना की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और अन्य संबंधित एजेंसियों को दे दी गई है। नियमों के अनुसार, एयरलाइन विस्तृत रिपोर्ट नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को सौंपेगी। वाणिज्य एवं परिवहन विभाग के अंतर्गत नागरिक उड्डयन निदेशालय ने स्थिति पर संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन के माध्यम से यात्रियों को हर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने और एयरलाइन के साथ समन्वय करने की बात कही है। निदेशालय में एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है, जो सक्रिय है (लैंडलाइनः 0674-2596128, मोबाइलः 9861096371)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की एक टीम भुवनेश्वर और कोलकाता से रवाना हो चुकी है और इसके शाम तक राउरकेला पहुंचने की संभावना है, जबकि एएआईबी की टीम बुधवार तक विस्तृत जांच के लिए पहुंचने की उम्मीद है। नागरिक उड्डयन निदेशालय के दो अधिकारियों को भी समन्वय के लिए राउरकेला भेजा गया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी ने स्थिति की समीक्षा करते हुए यात्रियों, पायलटों और संबंधित अधिकारियों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। वाणिज्य एवं परिवहन मंत्री बिभूति जेना भी घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित जिला प्रशासन मौके पर स्थिति की निगरानी कर रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902